

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 18, 1979 (श्रावण 27, 1901)
No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 18, 1979 (SRAVANA 27, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० ए० 12019/1/79-प्रशा०-II-इस कार्यालय का अधिसूचना सं० पी० 1042/प्रशा० II दिनांक 30 जून 1979 में आशु संशोधन करने हुए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई निजी सचिव (के० ग० स्टे० में का चयन ग्रेड) श्री टी० एम० कोकेल को 10-7-79 से आगामी आदेश तक अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के पद पर स्थानान्तरण आधार पर प्रतिनियुक्ति पर (ग्रुप क—वेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300) स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है। निम्न 30-6-79 (अथवा 9-7-79 (अथवा 9-7-79) तक का अवधि के लिए श्री टी० एम० कोकेल को नियुक्ति रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर ग्रुप 'ख' पर होगी।

1-196G1/79

अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर नियुक्ति हो जाने के कारण श्री टी० एम० कोकेल का वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० शा० सं० 10(24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० ए० 32013/2/77-प्र०-I—कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालिज, कालीकट में लेक्चरर और संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवसर सचिव डा० आर० भास्करन को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तक के अन्तर्गत 21-7-1979 के पूर्वाह्न से 20-10-1979 तक अध्यक्ष आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

(6271)

सं० 32013/2/77-प्रशा०-I—आकाशवाणी महानि-
देशालय में सहायक योजना अधिकारी तथा संघ लोक सेवा
आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव श्री बी०
एन० वैद्यनाथन को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग
द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958
के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तुक
के अनुसार 30-7-79 के पूर्वाह्न से 20-10-79 तक
अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक
सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ
आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त
किया जाता है।

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 जुलाई 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा
आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई
सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने दर्शाई गई
अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले
हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न
रूप से, तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया
जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि जिसके लिए अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया
1.	श्री के० पी० अय्यर	17-6-79—31-7-79
2.	श्री आर० पी० शर्मा	27-7-79—11-8-79
3.	श्री एस० डी० एम० मिनहाम	18-6-79—2-8-79
4.	श्री कृष्ण कुमार	1-6-79—21-7-79
5.	श्री जी० पी० भट्टा	1-6-79—16-7-79
6.	श्री एम० एन० घोष	4-6-79—19-7-79
7.	श्री ओ० पी० कथूरिया	4-6-79—19-7-79

सं० ए० 38013/1/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा
आयोग के संवर्ग में स्थाई निजी सचिव (के० सं० स्टे०
से० का० ग्रेड क) श्री जी० आर० सपड़ा को राष्ट्रपति
द्वारा 3 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सिविल सेवा
(पेंशन) विनियमावली 1972 के नियम 48 क के अनुसार
सरकारी सेवा में स्वेच्छिक सेवा निवृत्त होने की अनुमति
प्रदान की जाती है।

दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० ए० 32013/1/79-प्रशा०-—संघ लोक सेवा
आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के
अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों
को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए
अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा

के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर
स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता
है:—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री बी० एम० कपूर	12-7-79 से 11-10-79 तक
2.	श्री जे० पी० गोयल	2-7-79 से 16-8-79 तक
3.	श्री आर० एन० खुराना	1-6-79 से 16-7-79 तक

दिनांक 26 जुलाई 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा
आयोग में केन्द्रीय सचिवालय संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई
सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के सामने दर्शाई गई
अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले
हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न
रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया
जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि जिसके लिए नियुक्त किया गया
1.	श्री बी० आर० बसरा	1-7-79 से 29-8-79 तक
2.	श्री आर० के० जसुजा	1-7-79 से 31-8-79 तक
3.	श्री एम० एन० शर्मा	1-7-79 से 31-8-79 तक
4.	श्री जय नारायण	1-7-79 से 31-8-79 तक
5.	श्री एम० आर० खन्ना	1-7-79 से 31-8-79 तक
6.	श्री एन० के० कृगारा	1-7-79 से 31-8-79 तक
7.	श्री बी० एल० शर्मा	1-7-79 से 31-8-79 तक
8.	श्री एम० एन० अरोड़ा	12-7-79 से 20-8-79 तक
9.	श्री जे० एल० सूद	1-7-79 से 10-8-79 तक

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० 87 आर० सी० टी० 28—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त
एतद द्वारा श्री जे० सी० गर्ग, स्थाई अनुभाग अधिकारी,
केन्द्रीय सचिवालय सेवा को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 21
जुलाई, 1979 (अपराह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न
रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मलहोत्रा

अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० एम० V-1/79 विधार्थी-प्रकारण-के० डब्ल्यू०/कार्मिक-11-केन्द्रीय सरकार, अधिनियम सं० 45 द्वारा यथा संशोधित दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1973 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री एम० एस० कुण्डल संयुक्त सहायक निदेश (विधि) केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, राम कृष्ण पुरम नई दिल्ली को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम, 1949, (1949 का 66) की धारा 9 या 10 के अधीन दण्डनीय अपराधों से संबंधित सभी आपराधिक मामलों में, जो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सदस्यों के विरुद्ध संस्थित किए गए हैं और इस अधिसूचना की तारीख से पूर्व विभिन्न कमाण्डेंट सहायक दमाण्डेंट-एवं-न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के समक्ष-लम्बित है, अभियोजन के संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करता है।

एस० एस० जोग
संयुक्त सचिव

का० एवं सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० ए० 19021/1/79-प्रशा०-5-राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ई० एन० राममोहन, भारतीय पुलिस सेवा (1965-मेघालय) को दिनांक 9 जुलाई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

हीरो ए० शहानी
प्रशामनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० पी०-सात-6/77-स्था०-राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित सुबेदार मेजरों/सुबेदारों को उप पुलिस अधीक्षक के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार बटालियनों में उनके समक्ष दी हुई तिथियों से संभाल लिया है:—

क्रमांक अधिकारी का नाम	यूनिट का नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि
1	2	3
1. श्री रघुवीर सिंह	1 बटालियन	15-6-79 पू०
2. श्री एन० एस० रावत	36 ,,	8-6-79 ,,
3. श्री टी० सी० यादव	24 ,,	21-6-79 ,,

1	2	3	4
4. श्री बुध राम	30 बटालियन	14-6-79 पू०	
5. श्री छत्तर सिंह यादव	38 ,,	13-6-79 ,,	
6. श्री मिलाप सिंह	20 ,,	20-6-79 ,,	
7. श्री नानक सिंह	45 ,,	19-6-79 ,,	
8. श्री सुरेश चन्द्र	52 ,,	15-6-79 अप०	
9. श्री जे० के० छिन्नर	33 ,,	19-6-79 पू०	
10. श्री शिव लाल	6 ,,	26-6-79 ,,	

दिनांक 28 जुलाई 1979

सं० पी०-सात-1/79-स्था०-राष्ट्रपति, सुबेदार हरीचन्द को उपपुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर के० रि० पु० बल में केवल तदर्थ रूप में 16-6-79 से पदोन्नत करते हैं।

2. उपयुक्त तदर्थ रूप में हुई पदोन्नति से श्री हरीचन्द को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में, उपपुलिस अधीक्षक पद की वरिष्ठता/पुष्टि मान्य नहीं होगी। उनका तदर्थ रूप में पदोन्नति का कार्य काल उनके अग्रिम प्रमोशन के लिए नहीं जोड़ा जाएगा।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशा०)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० 10/28/78-प्रशा०-1-14423-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ भूगोलवेत्ता और इस समय उसी कार्यालय में मानचित्र विश्लेषक के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री महेश राम को तारीख 4 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर, अस्थायी क्षमता में अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री महेश राम का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/9/79-प्रशा०-1-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत में महापंजीकार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) और इस समय उसी कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री सी० जी० जाधव को तारीख 9 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थायी क्षमता में विशेष कार्य अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जाधव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/81/79-प्रशा०-I-राष्ट्रपति, मणिपुर सिविल सेवा के अधिकारी श्री आर० के० वीरेन्द्र सिंह को तारीख 30 जून, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक मणिपुर,

इम्फाल में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय इम्फाल में होगा।

शुद्धि पत्र

सं० 11/84/79-प्रशा०-1-14448—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/84/79-प्रशा०-1 तारीख 16 जुलाई, 1979 के पैरा 1 में श्री के० एल० नेगी की हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर नियुक्ति की तारीख को "9 जुलाई, 1979 के पूर्वार्द्ध से" पढ़ा जाए।

दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० 7/2/79-प्रशा०-1-14850—राष्ट्रपति, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर और मंच लोक सेवा आयोग के साथ परामर्श करके श्री के० आर० उन्नी को 21 जुलाई, 1979 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेशों तक उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर स्थायी तौर पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री उन्नी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/94/79-प्रशा०-1-14843—राष्ट्रपति, श्री पी० एस० आर० अवधानी को तारीख 1 अगस्त, 1979 से 6 महीने की अवधि के लिए 1100-50-1600 रु० के वेतनमान में आंध्र प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष पुनर्नियुक्त करते हैं।

श्री अवधानी का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

दिनांक 28 जुलाई 1979

सं० 11/75/79-प्रशा०-1-14907—राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-2 के अधिकारी और इस समय गोवा, दमन और दीव में योजना और सांख्यिकीय निदेशक के पद पर कार्यरत श्री एस० के० गन्धे को तारीख 20 मार्च, 1979 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेशों तक गोवा, दमन और दीव, पणजी में पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गन्धे का मुख्यालय पणजी में होगा।

सं० 11/93/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के गुजरात संवर्ग के अधिकारी श्री आर० एम० छाया को तारीख 17 जुलाई, 1979 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेशों तक गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाया का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा।

दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 10/28/78-प्रशा०-1-15165—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के वरिष्ठ भूगोलवेत्ता और इस समय तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधि-

कारी (मानचित्र) के पद पर कार्यरत श्री एस० डी० त्यागी को तारीख 12 जुलाई, 1979 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर, अस्थाई तौर पर अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री त्यागी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/91/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के संघ राज्य क्षेत्र संवर्ग के अधिकारी और इस समय संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप में प्रशासक के पद पर कार्यरत श्री पी० एम० नायर को तारीख 22 जून, 1979 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेशों तक लक्षद्वीप कवारत्ती में पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री नायर का मुख्यालय कवारत्ती में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 24 जुलाई 1979

क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19-4-79 के अनुक्रम में श्री मेन्दावाल डामोर की उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 19-6-79 से आगामी छः माह तक के लिए बढ़ाई जाती है।

दिनांक 25 मई 1979

क्र० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—श्री एस० एल० मल्होत्रा, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (यांत्रिकी) को रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय देवास में "सहायक अभियन्ता" (वातानकूलन) के रूप में दिनांक 23-5-79 (पूर्वार्द्ध) से स्थानान्तर आधार पर स्थानापन्न रूप से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 27 जुलाई 1979

क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बीएनपी०/सी०/5/78 दिनांक 7-11-78 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आए श्री एन० जी० किंबे, लेखा अधिकारी की नियुक्ति 30-9-79 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में वर्तमान शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम
महाप्रबंधक

कार्यालय, महालेखाकार—प्रथम, मध्य प्रदेश

स्वालय दिनांक 6 जुलाई 1979

सं० प्रशा०-1/बा० से०/332/694—सिविल सेवा नियम-माबली (पेंशन) 1972 के नियम 43 के अन्तर्गत महालेखाकार-प्रथम ने श्री ए० व्ही० शंकर अय्यर, लेखा अधिकारी को दिनांक 1-8-79 पूर्वाह्न से शासकीय सेवा से स्वैच्छिक निवृत्ति होने की अनुमति प्रदान की।

डी० सी० साहू
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

कार्यालय, महालेखाकार राजस्थान

जयपुर, दिनांक 23 जुलाई 1979

सं० प्रशा० II/डी० जी० अधिसूचना/496—महालेखाकार राजस्थान ने श्री ओम प्रकाश शर्मा—अनुभाग अधिकारी को पदोन्नत करके दिनांक 12-7-79 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० अ० बोरकर
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० 2173/ए०-प्रशा०/130/79—नैवेली लिगनाईट निगम में स्थाई रूप से अन्तर्लेखन के परिणाम स्वरूप श्री टी० गोपालाचार्य स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी का ग्रहणाधिकार अवसान इस विभाग में मूल नियम 14-ए (डी) के अधीन दिनांक 29-7-79 (पूर्वाह्न) से हो जाएगा।

के० बी० दास भौमिक
संयुक्त निदेशक

रक्षा मंत्रालय

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० 4/79/ए०/एम०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीखों से आगामी न होने तक, आर्डनेन्स फैक्टरियां संघटन में नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1.	डा० (श्रीमती) सुजाता चक्रवर्ती, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी, खमरिया	22-2-79
2.	डा० (श्रीमती) छवि राय, सहायक चिकित्सा अधिकारी	मेटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर	22-2-79

क्रमांक	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
3.	डा० राम गोविन्द गुप्ता, सहायक चिकित्सा अधि०	आर्डनेन्स फैक्टरी कानपुर	30-3-79
4.	डा० हरिपाल सिंह, सहायक चिकित्सा अधि०	आर्डनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर	9-4-79
5.	डा० आर० विश्वनाथ रेड्डी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	क्लोडिडग फैक्टरी आवादी	23-4-79
6.	डा० रोताश कंवर, सहा० चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स पैराणूट फैक्टरी, कानपुर	24-4-79
7.	डा० सुचीर कुमार झा, सहायक चिकित्सा अधि०	गन एण्ड शेल फैक्टरी, काशीपुर	24-4-79
8.	डा० आर० आर० अहरिवार, हैवी वेहिकल सहायक चिकित्सा अधि०	फैक्टरी, आवादी	27-4-79
9.	डा० टी० के० वेनुगोपाल सहायक चिकित्सा अधि०	आर्डनेन्स फैक्टरी भम्बरनाथ	30-4-79
10.	डा० एस० वीरभद्रप्पा, सहायक चिकित्सा अधि०	कार्डाइट फैक्टरी, अरुलवन्काडु	30-4-79
11.	डा० फूल चन्द, सहायक चिकित्सा अधि०	स्माल आर्म्स फैक्टरी कानपुर	30-4-79
12.	डा० हरमित सिंह चांदला सहायक चिकित्सा अधि०	क्लोडिडग फैक्टरी शाहजहांपुर	30-4-79
13.	डा० पी० रत्ननाथ, सहायक चिकित्सा अधि०	आर्डनेन्स फैक्टरी, तिरुचिरापल्ली	30-4-79
14.	डा० बी०के० जहंगिरदार सहायक चिकित्सा अधि०	अम्यूनिशन फैक्टरी किरकी	4-5-79
15.	डा० आर० के० समल, सहायक चिकित्सा अधि०	आर्डनेन्स फैक्टरी, देहरादून	7-5-79
16.	डा० एस०आर० कुलकर्णी, सहा० चिकित्सा अधि०	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	14-5-79
17.	डा० एम० आर० रेड्डी सहायक चिकित्सा अधि०	अम्यूनिशन फैक्टरी किरकी	17-5-79
18.	डा० आर० आर० विनियम्स, सहायक चिकित्सा अधिकारी	अम्यूनिशन फैक्टरी किरकी	18-5-79
19.	डा० एस० एस० दाऊद साहब, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन कैरिज फैक्टरी जबलपुर	18-5-79
20.	डा० एस०के० महापात्रा सहायक चिकित्सा अधि०	आर्डनेन्स फैक्टरी कानपुर	14-6-79

ओ० पी० बहल
अपर महानिदेशक
कृत महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरी

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1307/79-प्रशा०(राज०)/5565—राष्ट्रपति, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" के अधीक्षक श्री सी० पी० मनहोत्रा की इस कार्यालय में 9 जुलाई, 1979 के दोपहरबाद से छः मास की अवधि के लिए सहायक निदेशक (शुल्क वापसी) के रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करते हैं।

राजिन्दर सिंह
उप मुख्य नियंत्रक
आयात निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक
आयात निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(श्रीवैद्युतिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 जुलाई 1979

सं० ए० 19018/316/77-प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (प्रशा०) श्री गुलाम कादिर लोन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (जम्मू एवं कश्मीर—1970) को दिनांक 1 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, इसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-1 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/(378)/79-प्रशा० (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, आगरा के श्री ओम प्रकाश, लघु उद्योग सम्बर्द्धन अधिकारी को दिनांक 4 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, इसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चमड़ा पादुका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/(115)/74-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद के स्थाई अधीक्षक श्री बी० रामदास को दिनांक 4 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) से 6 जून, 1979 तक, इसी संस्थान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जुलाई 1979

सं० ए० 19018/(231)/75-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के स्थाई अधीक्षक श्री एम० एल० सरीन को दिनांक 8 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में

स्थानापन्न सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/(379)/79-प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के श्री एस० के दत्ता, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (रसायन) को दिनांक 4 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से इसी संस्थान में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (रसायन) के रूप में अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० ए० 19018/(43)/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी० खान मुरशाह महानिदेशालय, धनबाद के उप निदेशक (मांछपकी) श्री जोगनकर राय को दिनांक 25 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 12/316/61-प्रशा०(राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के श्री एस० आर० वर्मा, उप निदेशक (यांत्रिक) को दिनांक 25 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय औजार कक्ष लुधियाना में तदर्थ आधार पर निदेशक ग्रेड-II (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(70)/73-प्रशा०(राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, संगठन एवं प्रबन्ध सेवा (आयकर) निदेशालय, नई दिल्ली के उप प्रणाली परामर्शदाता को दिनांक 9 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (भारतीय मांछपकी सेवा, ग्रेड-III) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(330)/77-प्रशा०(राजपत्रित) खाद्य विभाग में स्वेच्छा से वापस चले जाने पर श्री बी० बी० के० राव, ने दिनांक 22 जून, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (खाद्य) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र पाल गुप्त
उप निदेशक (प्रशा०)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं० ई० एस० बी०-1-2(656)/3395—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के सहायक निदेशक, वित्तीय श्रेणी (नान-टेक्निकल) श्री विलियम परेरा सेवा-निवृत्त की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 जून 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

जी० चं० हांसदाक
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

दिनांक 27 जुलाई 1979

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० प्र०-1/1(398)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड III ग्रुप "अ") श्री पी० एम० ग्लेडे को 7 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से उसी महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थानापन्न उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II ग्रुप "अ") के रूप में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(644)—राष्ट्रपति, श्री आर० वी० पट्टाभिरामन उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) को दिनांक 13-6-79 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड 1) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(656)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) श्री ओ० पी० श्रीवास्तव को दिनांक 14 जून, 1979 के पूर्वाह्न से इस महानिदेशालय नई दिल्ली में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड I में) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर
उप निदेशक (प्र०)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 जुलाई 1979

सं० 4424बी ए०-19012(4-एस० के० टी०)/78-19-बी०-—श्री एम० के० थापलियाल, ड्रिलर को, खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) में उनकी उप ड्रिलिंग इंजीनियर के पद पर नियुक्ति के कारण, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 28 मई, 1979 के अपराह्न से मुक्त किया गया है।

सं० 4435 बी० ए०-32014(3-सहायक रसायनज्ञ)/78-19 बी०-—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन श्री ए० के० चटर्जी को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7-6-1979 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 4472 बी० ए०-32014/(3-सहायक रसायनज्ञ) 78-19 बी०-—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री बी० वी० अण्णा राव को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एम० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० 2/2/60-एस०-दो—अधिवार्षिक की आयु प्राप्त करने पर श्री जे० डी० जौहरी, प्रशासनिक अधिकारी, एच० पी० टी०, आकाशवाणी खामपुर, 30 जून, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एस० वी० सेपाद्रि
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 4(900)/75-एस०-एक—श्री राम प्रसाद शास्त्री, कार्यक्रम निष्पादक आकाशवाणी, पटना की बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी में प्राध्यापक (वाद्य संगीत) के रूप में नियुक्ति होने के फलस्वरूप उन्हें 1 मई, 1979 के अपराह्न से कार्यक्रम निष्पादक के पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया ताकि वह बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी में अपना कार्यभार संभाल सकें।

लेख राज
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं० ए० 19012/23/79-एस०-II—महानिदेशक दूरदर्शन श्री आर० पी० रामू को जो पहले आकाशवाणी पुणे में प्रशासनिकाधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे को दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास में दिनांक 16-5-1979 (पूर्वाह्न) से रु० 650-1200 के वेतनमान में वरिष्ठ प्रशासनिकाधिकारी के रूप में आगे आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

बी० पी० अग्रवाल
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० ए० 12025/1/79-स्था०-तीन-क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यालय, कलकत्ता के श्री आई० प्रसाद को दि. 25.7.1979 के अन्त तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, मूल्यांकन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

यह अधिसूचना संघ लोक सेवा आयोग की सहमति से जारी की जाती है जो उनके 5-7-79 के पत्र सं० एफ० 2/40(10)/79-ए० यू० आई० पर अंकित है।

ए० एन० गोपालकृष्ण
अवर सचिव

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० 6-35/79-औषध नियंत्रक—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के वरिष्ठ वैज्ञानिकी सहायक (फार्माकोलॉजी) श्री ए० के० खसनोबिस को 22 जून, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में तकनीकी अधिकारी (फार्माकोलॉजी) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 6-35/79-औषध नियंत्रक—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के अनुसंधान सहायक (फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट्री) श्रीमती पपीया भट्टाचार्य को 22 जून, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में तकनीकी अधिकारी (फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट्री) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

एस० एस० गोथोस्कर
औषध नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० ए० 32014/7/78 (एस० जे० एच०) प्रशा०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय संवर्ग के सहायक (केन्द्रीय सचिवालय सेवा का ग्रेड 4) श्री एच० एल० धर्माजा को 20 जून, 1979 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० ए० 12026/27/78-(एच० क्यू०)/प्रशा० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी कम कुम भूषण एवं कुमारी सुचित्रा थापर को क्रमशः 26-6-79 (पूर्वाह्न) और 3-7-79 (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य

सेवा महानिदेशालय में अनुसंधान अधिकारी (पोषण) एवं वरिष्ठ आहारविद (डायटिशियन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुटियाला
उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

बम्बई-400 085, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० के०/2186/डी० आर० पी०/स्था०/1/3589—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, श्रीमती निशा यशवंत केलकर का, जो इसी केन्द्र के स्थाई वैज्ञानिक सहायक (मो०) तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) है; सेवा से त्यागपत्र ता० 6 जून, 1979 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

कुमारी एच० बी० विजयकर
उप० स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(131)/79-एस०—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायीत फोरमैन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री एस० के० लाल, को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर, 23 जून 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(126)/79-एस०—8470—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायीत फोरमैन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री के० एल० शर्मा को, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 19 जून 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में, अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(134)/79-एस०—8472—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायीत एस० ए० 'ए०' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री आई० पी० चांदना को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 25 जून, 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० नं० प० बि० प०/प्रशासन/1(130)/79-एम०-8473—नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थायी फोरमैन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी०, श्री प्रभुदयाल को नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० के पद पर 22 जून, 1979 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न रूप से अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० नं० प० बि० प०/प्रशासन/1(132)/79-एम०-8471—नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थायी एम० ए० 'सी०' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड एम० बी०, श्री डी० एन० ब्रजाज, को नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० के पद पर 23 जून, 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप से अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एम० कृष्णन्

प्रशासन अधिकारी

कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० डी० पी० एम०/21/1(3)/78-स्थापना/18870—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग श्री कमल प्रसाद सिंह भंडारी को, प्रभारी सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में, अस्थायी रूप से, दिनांक 30 जून 1979 से अग्रिम आदेशों तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एम०/21/1/2(3)/78-स्थापना/18880—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री बाल कृष्ण धर्मे मोरे भंडारी को, प्रभारी सहायक भंडार अधिकारी पद पर, रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में, अस्थायी रूप से, दिनांक 7 जुलाई, 1979 से अग्रिम आदेशों तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जॉसफ,

प्र० अधिकारी

बम्बई 400001, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० डी० पी० एम०/2/1(1)/77-प्रशासन/18851—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एम० एन० एच० राव के भंडार अधिकारी नियुक्त होना के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी श्री बी० वी० नायर को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-2—196GI/79

35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में 4-5-1979 से 11-6-1979 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद 500001, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० प० ख० प्र०-1/29/78-प्रशासन—परमाणु, ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारा श्री नागुलपति रंगनाथ का परमाणु खनिज प्रभाग में 11 जून, 1979 को पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता ग्रेड "एम० बी" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारा श्री जादब नन्द दास को परमाणु खनिज प्रभाग में 12 जून, 1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एम० बी" नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जुलाई, 1979

सं० प० ख० प्र०/1/8/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारा श्री सुमैर सिंह फोरमैन (यांत्रिक) को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 फरवरी, 1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,

वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजली घर

महाराष्ट्र, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० डी० ए० पी० एम०/1/19(3)/76-आर०—संवर्ग प्राधिकरण द्वारा तैनात किए जाने पर मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के श्री के० भास्करन नायर, स्थायी अवसर श्रेणी निर्वाहक एवं स्थानापन्न सहायक लेखापाल को, तारापुर परमाणु बिजलीघर में अस्थायी क्षमता में, दिनांक 20 जुलाई, 1979 अपराह्न से अगले आदेश होने तक सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। नियुक्ति की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिये परीवीक्षाधीन रहेंगे।

ए० डी० देसाई,

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

मिथिल इंजीनियरी वर्ग

कलपाक्कम 603102, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० सी०ई०जी०/1(6)/79-प्रशासन—इस परियोजना की दिनांक 25 मई, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना का अधि-

क्रमण करते हुए, मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना, कलपाक्कम के मुख्य परियोजना इंजीनियर, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी) (सिविल) श्री एन० पलानी को 1 मार्च, 1979 के पूर्वार्द्ध में अगले आदेश तक के लिए सिविल इंजीनियरी वर्ग, कलपाक्कम में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करने हैं।

वी० एस० वेंकटेश्वरन्,
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम, दिनांक 16 जुलाई, 1979

सं० ए० 32023/1/77/आर०-रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक एवं इस केन्द्र के स्थापना प्रवरण श्रेणी आशुलिपिक श्री मुचिन्द्रम राम मुब्बियार सम्भाषित्वन को दिनांक 16-7-79 से 30-8-79 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करने हैं।

टी० एस० बी० अय्यर, प्रशासनिक अधिकारी

दिनांक 22 जून 1979

सं० ए० पी० एफ० पी० एण्ड जी० ए० स्थापना 72--निदेशक, शार केन्द्र, श्री हरिकोटा में निम्नलिखित कर्मचारियों को इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश तक पदोन्नति पर नियुक्त करने हैं :—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री :			
1.	बी० बी० बालू	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
2.	एस० लक्ष्मीनारायण	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
3.	बी० सुब्रह्मयेश्वरराव	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
4.	के० के० बी० एस० रघुराम	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
5.	डी० सुब्बाराजी रेड्डी	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
6.	ए० लक्ष्मणमूर्ति	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
7.	एस० कृष्णन	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
8.	एस० जगन्नाथन	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
9.	पी० वेंकटेश्वरन्	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
10.	ए० बी० आर० मोहनराव	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
11.	पी० नागेश्वर राव	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
12.	बी० रविन्द्र रेड्डी	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979
13.	बी० श्रीनिवासन	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1979

आर० गोपालरत्नम्,
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन.
कृते निदेशक

अन्तरिक्ष विभाग
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 13 जून 1979

सं० एस० सी० एफ० पी० एण्ड जी० ए०/स्थापना/1-72--निदेशक, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में निम्नलिखित कर्मचारियों को इंजीनियर-एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश तक नियुक्त करने हैं :

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1.	डी० सुरेन्द्र नाथ	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
2.	आर० रामाप्रसाद	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
3.	के० गोपाल कृष्णन	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
4.	आर० देसीकन.	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
5.	बी० के० शिवराम पाणीकर	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
6.	जोसे कुट्टी जाग	इंजीनियर एस० बी०	4-12-78
7.	रमेश कुमार तिवारी	इंजीनियर एस० बी०	12-12-78
8.	ललिता वैकटाचलम्	इंजीनियर एस० बी०	27-2-79
9.	बी० जगन मोहन राव	इंजीनियर एस० बी०	12-4-79

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

त्रिवेन्द्रम 695022 जून 21, 1979

सं० वि० सा० अं० के०/स्था० I एफ० / (17)—विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में निम्नलिखित व्यक्तियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो० 40-960 के वेतनमान में, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के अपराह्न से स्थापनापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करने हैं।

क्र० सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग/परियोजना	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री एस० बी० वृषभेन्द्रा	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	विकास/पी० टी० यू०	1-4-78
2.	श्री के० श्रीनिवासमूर्ति	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	विकास/पी० टी० यू०	1-10-78
3.	श्री बी० के० राधाकृष्णन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
4.	श्री जेकब अन्नाह	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
5.	श्री आर० शशिधरन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
6.	श्री सी० सी० अन्नाह	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
7.	श्रीमती पी० एल० राधा	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ई० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
8.	कुमारी ए० आर० सरस्वती	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	सी० जी० डी०	31-3-79 (अपराह्न)
9.	श्री ए० वेकटाचलम्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आई० एस० आई०	31-3-79 (अपराह्न)
10.	श्री के० यू० हमजा	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आई० एस० आई०	31-3-79 (अपराह्न)
11.	श्री बी० गोपी	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	सी० ओ० एस०	31-3-79 (अपराह्न)
12.	श्री पी० शशिधरन् असारी	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	पी० एस० सी०	31-3-79 (अपराह्न)
13.	श्री एस० लोकनाथन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	सी० एम० जी०	31-3-79 (अपराह्न)
14.	श्री ए० ए० जनादनन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	पी० ई० डी०	31-3-79 (अपराह्न)
15.	श्री बी० पी० बालगंगाधरन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	ए० एफ० एल०	31-3-79 (अपराह्न)
16.	श्रीमती बी० राधा	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	एस० एम० ए०/ एम० टी० जी०	31-3-79 (अपराह्न)
17.	श्री मुकेश चन्द्रा पाल	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	एम० ए० सी०	31-3-79 (अपराह्न)
18.	श्री के० बी० श्रीकुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० पी० पी०	31-3-79 (अपराह्न)
19.	श्रीमती वसन्ता सुरेन्द्रन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० पी० पी०	31-3-79 (अपराह्न)
20.	श्री के० अप्पुकुट्टन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० पी० पी०	31-3-79 (अपराह्न)
21.	श्री के० कृष्णबासेन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
22.	श्री पी० रवीन्द्रनाथ	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
23.	श्री टी० श्रीनिवासरामधन	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	आर० एफ० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
24.	श्री एन० एन० सुब्रह्मण्यन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	पी० सी० एस०/ पी० एस० एन०	31-3-79 (अपराह्न)
25.	श्री एस० मंजुनाथ नायक	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	विकास/पी० टी० यू०	31-3-79 (अपराह्न)
26.	श्री एल० एन० नागराजन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	एस० टी० एफ०	31-3-79 (अपराह्न)
27.	श्री फ्रांसिस जोसफ	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	जी० एस० एस०	31-3-79 (अपराह्न)
28.	श्री के० शिवरामन्	वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस० बी०'	एम० ई० टी०	31-3-79 (अपराह्न)

के० एस० नायर
वरिष्ठ प्रशामन अधिकारी, वि० सा० अं० के०
कृते निदेशक, वि० सा० अं० के०

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1979

सं० ए० 32013/1/3/77-स्थापना I—राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित स्थानापन्न श्रेणी-I मौसम विज्ञानियों को उसी विभाग में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों तक स्थानापन्न निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री टी० एस० अन्जनेयुलु	29-6-1979 (अपराह्न)
2. डा० एच० एन० श्रीवास्तव	13-6-1979
3. श्री बी० वी० डी० भार्गव	13-6-1979
4. श्री एम० जयराम	13-6-1979
5. श्री एम० राघवन	13-6-1979
6. श्री यू० वी० गोपालराव	13-6-1979
7. श्री आर० के० दत्ता	13-6-1979
8. श्री डी० के० मिश्र	13-6-1979
9. श्री पी० वी० जोसेफ	13-6-1979
10. श्री के० चटर्जी	13-6-1979
11. श्री सी० एम० वर्मा	13-6-1979
12. श्री बी० आर० अवस्थी	13-6-1979
13. श्री एम० सी० सिन्हा	13-6-1979
14. श्री ए० बन्धोपाध्याय	13-6-1979
15. श्री एम० वेंकटरामन	13-6-1979
16. श्री वी० बालामुन्नहमणयम	13-6-1979
17. श्री सुरेन्द्र कुमार	13-7-1979
18. श्री पी० के० मिश्र	13-6-1979
19. श्री एम० के० घोष	13-6-1979
20. श्री ए० आर० रामकृष्णन	13-6-1979
21. श्री एस० एम० ए० अलव्री	13-6-1979

एस० के० दास,
मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक
(प्रशासन एवं भंडार)

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—निवर्तन आय प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर निम्नलिखित दो अधिकारियों ने अपने नाम के सामने दी गई तारीख को और अंकित स्टेशन पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	नैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1.	श्री टी० आर० मेठी, सहायक संचार अधिकारी	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	31-5-79 (अपराह्न)
2.	श्री के० डी० पंडित सहायक तकनीकी अधि- कारी	वैमानिक तकनीकी स्टेशन, बम्बई	30-6-79 (अपराह्न)

दिनांक 30 जुलाई, 1979

सं० ए० 32013/10/79-ई० सी०—इस कार्यालय की दिनांक 12-3-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/79-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति जी ने निम्नलिखित तीन अधिकारियों को (जो इस समय महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक संचार के पद पर कार्यरत हैं) दिनांक 1-6-1979 से सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित रूप में नियुक्त किया है और उसी कार्यालय में नैनात किया है :—

1. श्री आर० एम० अजमाना
2. श्री के० रामलिंगम
3. श्री एल० बी० सुदर्शन ।

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार संगठन में निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और नैनाती स्टेशन प्रत्येक के नाम के सामने दिया गया है :—

क्रम सं०	नाम	संज्ञा तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री आर० एन० मेहता	बी० सं० स्टेशन, पालम	बी० सं० स्टेशन, पालम	26-6-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० एस० आनन्द	„ „ जयपुर	„ „ जयपुर	27-6-79 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एस० के० कृष्णन्	„ „ वाशिम	„ „ बम्बई	29-6-79 (पूर्वाह्न)
4.	श्री एम० तड़कसे	„ „ बम्बई	„ „ बम्बई	26-6-79 (पूर्वाह्न)
5.	श्री के० वी० जार्ज	„ „ बम्बई	„ „ बम्बई	26-6-79 (पूर्वाह्न)
6.	श्री एम० डब्ल्यू० शर्मा	„ „ बम्बई	„ „ बम्बई	27-6-79 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एन० वेंकट मुबह्मण्यन	„ „ बम्बई	„ „ बम्बई	26-6-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38015/11/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने सर्वश्री श्री पी० एन० सत्याज, संचार अधिकारी, ब्रह्मानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम, कलकत्ता का दिनांक 13-6-79 को निधन हो गया है।

हंस राज जोहरी,
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० ए० 38013/1/79-ई० ए०—निर्देशन आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित विमानक्षेत्र अधिकारी, 20 जून, 1979 (अपराह्न) को सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं :-

1. श्री मूल शंकर शर्मा, सिविल विमानक्षेत्र, जयपुर
2. श्री हंस राज, क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नई दिल्ली

बी० बी० जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० ए० 32013/4/79-ई० ए०—राष्ट्रपति ने सर्वश्री ए० जयसिंह और आर० सी० गुप्त को क्रमशः दिनांक 11-6-1979 और 6-7-1979 से 13-8-1979 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, नदयें आधार पर दृष्टि विमान निर्माण के श्रेष्ठ में नियुक्त किया है।

दिनांक 28 जुलाई, 1979

सं० ए० 32014/4/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन प्रशिक्षण केंद्र, इलाहाबाद में कार्यरत श्री बी० ए० गुसाई संचार सहायक को दिनांक 29-6-1979 (पूर्वाह्न) में नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के श्रेष्ठ में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 38015/12/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन संखेद घोषित करते हैं कि श्री आर० स्वामीनाथन, सहायक संचार अधिकारी, ब्रह्मानिक संचार स्टेशन, नागपुर का दिनांक 13-6-1979 को निधन हो गया है।

गिरिश गोपाल
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई, 1979

सं० ए० 32013/14/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० गोपाल, सहायक निदेशक (परिचालन) को दिनांक 18 जुलाई, 1979 से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग और विमानक्षेत्र संगठन में उपनिदेशक/विमानक्षेत्र नियंत्रक के पद पर नियुक्त किया है।

श्री के० गोपाल को मुख्यालय में उपनिदेशक (परिचालन) के रूप में तैनात किया जाता है।

बी० बी० जोहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हुमेनि मिल्क एण्ड आर्ट सिल्क ओनर्स एसोसिएशन लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई, 1979

सं० 9832/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हुमेनि मिल्क एण्ड आर्ट सिल्क पावरलूम ओनर्स एसोसिएशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

(ह०) अपठनीय
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारसोनेल एडमिनिस्ट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 21518/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारसोनेल एडमिनिस्ट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और देववानी प्रडाक्शन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

सं० 26045/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि देववानी प्रडाक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एम० के०
इनमेस्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 29606/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एम० के० इनमेस्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और व्याकमेल इंडिया
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 29632/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि व्याकमेल इंडिया लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रिजेंट चिट एण्ड
इनमेसमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में।

कलकत्ता दिनांक 30 जुलाई, 1979

सं० 29753/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रिजेंट चिट एण्ड इनमेसमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० एम० सी० प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1979

सं० 23883/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एम० एम० सी० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एम० आर० सरकार
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल।

कार्यालय आयकर आयुक्त दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई, 1979

फा० सं० जुरि० दिल्ली-5/79-80/450—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा की उपधारा (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार-क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उन्हें अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
(1)	(2)
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-3-ए, नई दिल्ली।	1. डि० 2(1), (3), (4), (5), (6) तथा (7), नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5-सी नई दिल्ली	2. डिस्ट्रिक्ट 4, नई दिल्ली 2. विदेश अनुभाग, नई दिल्ली 3. डाक्टर सर्किल, नई दिल्ली
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5-डी, नई दिल्ली।	1. डि० 2(2), (8), (9), (10), (11), (12) (13), (14), (15) तथा 16।

यह अधिसूचना 23-7-1979 से लागू होगी।

फा० सं० जुरि०-दिल्ली-5-79-80/800—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 125ए० की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली 5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि इस कार्यालय से दिनांक 7-11-1978 को जारी की गई अधिसूचना सं० जुरि० दिल्ली-5/78-79/27910 दिनांक 23-7-1979 से रद्द मानी जाएगी।

के० आर० राघवन,
आयकर आयुक्त

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1979

निदेश सं० पी आर 696-एक्यू०-22-1335/19-8/78-79—अतः मुझे एम० एन० पारिख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० न० 1731 है तथा जो अठवां लाहन्म-सुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए देय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या गत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (i) श्री वामनराव छगन लाल क्षेरी
(ii) समातगौरी वामनराव जुनन गंगोतरी सोमामटी,
B/2, फ्लैट न० 58, 5th फ्लोर, अन्धेरी (West) बम्बई
(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्राबेन मुलचन्द भाई मणेशी आरोग्य नगर,
अठवां लाहन्म, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन को अठवां लाहन्म सुरत में सं० न० 1731 में उपस्थित है। जिसका क्षेत्रफल 325-95 स्क्वेयर गज है और जो रजिस्ट्री ओथोरिटी के सुरत कार्यालय में 24-11-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एन० पारिख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1 अगस्त, 1979

मोहर :

प्रकाश सं० सी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जुलाई 1979

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-II/नवम्बर 84/4580—
अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है
और जिसकी संख्या जी/7 है तथा जो कीरती नगर नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30-11-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता बाहिर जा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. उद्यम और पालेन दर्शन सिंहवर्मा; निवासी जी/7,
कीरती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल सेठी पुत्र श्री बाल मुकुन्द सेठी
निवासी 3099 कृचा नारा नन्द दरियागंज दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान, एक मजिला, जो फ्री होल्ड प्लॉट नं० 7,
ब्लॉक जी क्षेत्रफल 275 वर्ग गज पर बना है, कीरती नगर,
गांव बमई दारापुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:—

उत्तर: मुख्य सड़क

दक्षिण: सर्विस लेन

पूर्व: मकान नं० जी/6-ए

पश्चिम: पार्क

आर० बी० एल० अग्रवाल

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली; नई दिल्ली

तारीख : 30-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जुलाई 1979

स० आई० ए० सं०/एक्यू०-III/7-79/363:—अनः
मुख्य, टी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-16 है तथा जो वैस्ट एण्ड कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती ऊषा मेठी पत्नि श्री बा० पी० मेठी द्वारा
लिटिल सन्स एण्ड कं० मौलाना आजाद रोड,
श्रीनगर

(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष चट्टा पत्नि श्री आर० के० चट्टा
निवासी 10/22 पूर्वी पटेल नगर नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

3=196G1/79

एक संजिना महाल जिसमें साथ, एक गैरेज दो सर्वेक्षण कम हैं, 457.20 वर्ग मीटर (500 वर्ग गज) के प्लाट पर बना हुआ है जिसका न० सी०-16, वैस्ट एण्ड कालोनी में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सी-17, वैस्ट एण्ड कालोनी

पश्चिम : सी 15 वैस्ट एण्ड कालोनी

उत्तर : गली

दक्षिण : सर्विस रोड (ग्रीन बैल्ट)

टी० पी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-7-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०III/7-79/367:—अतः
मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-45 है तथा जो इन्द्रपुरी, गांव
नारायणा नई दिल्ली-12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 13-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लाज पुत्री श्री भगवान दास पुनजानी पत्नि
श्री डी० बी० तनेजा निवासी नं० 20 प्रेजिडेंट
इस्टेट नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शान्तिनाथ गम्भीर पुत्र स्वर्गीय परमानन्द व
श्रीमती चंचल गम्भीर पत्नि श्री शान्ति लाल
गम्भीर निवासी ए-39 इन्द्रपुरी नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-45, जो नारायणा गांव की आबादी
इन्द्रपुरी कालोनी में स्थित है।

डी० पी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-7-79

मोहर :

आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई, 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III/7-79/365:—अतः
मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिगकी संख्या 340/1 है तथा जो मिलमिल
तहोरपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रारकी अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 4-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य यास्तिबों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित शर्तियों, अर्थात् :—

1. मैं बुधवार एण्ड कं० 340/1, जी० टी रोड शाहदरा
द्वारा लाता जगन्नाथ पुत्र श्री आर० बी० एस०
राम रूप निवासी-74, टोडरमल रोड नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री बंसीधर गुप्ता पुत्र साशा पदमचन्द निवासी 1—
बी अरर हिल लेन सिविल लाइन्स दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

महान नं० 340/1 (हिस्सा) क्षेत्रफल 390 बग गज
खसरा नं० 338/313 मिलमिल तहोरपुर

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-7-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी० /एक्यु० III/7-79/364:—अतः

मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन नशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि सशर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-17 है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 21-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुमारी उर्वशी अग्रवाल पुत्री श्री एम० पी० अग्रवाल
निवासी एस-418, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. म० शरण एकापोर्ट्स (प्रा०) लिमिटेड, ए-48,
नारायण औद्योगिक क्षेत्र, फेम-I, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सशर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवस्थाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान नं० 17, ब्लाक सी जो 321
वर्ग गज के प्लॉट पर बना है, ग्रीन पार्क में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : मकान नं० सी-16

दक्षिण : मकान नं० सी-18

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख : 30-7-1979

मोहर :

प्रकाश भाई० टी० एन० एल०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई, 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-III /7-79/366:—अतः

मुझे, डी० पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-10/40 है तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिनों में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व या करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धातुओं का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किय जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाश रानी पत्नि स्वर्गीय श्री दौलत राम व श्री विजय कुमार, राजिन्द्र मोहन, संजीव कुमार, विरेन्द्र कुमार व मुनील कुमार पुत्रगण स्वर्गीय दौलतराम निवामी जे-10/40 राजौरी गार्डन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रजनी खन्ना पत्नि श्री कंचन किशोर व श्री कंचन किशोर खन्ना निवामी बी-5/1, राना प्रताप बाग दिल्ली।

(अन्तरितता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लॉट नं० 40 ब्लॉक नं० जे 10(जे10/40) क्षेत्रफल 200 वर्ग गज पर बना है, रिहायशी कालोनी राजौरी गार्डन, गाँव ननारपुर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्वः मकान नं० जे-10/31

पश्चिमः सड़क

उत्तरः मकान नं० जे-10/41।

दक्षिणः मकान नं० जे-10/49:

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-7-79

मोहर :

प्रकृप धार्मिक टी. एन. एस.—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 23 जुलाई 1979

सं० आर्डी० ए० सी० ए० ए० I /एस०आर० III /
11-78/78-79:—अन: मुझे मिस अन्जनी औझा

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 26, फ्रैंड्स कालोनी, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है) और हमने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्ष का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. Shri Krishan Lal Grover son of Late Rai Bahadur Dr. Jiwan Lal, Joint Commissioner Excise and Taxation, Punjab Government, Resident of: 6-C Rajpura Road Colony Patiala.

2. Shri Partap Lal Grover (HUF) through its karta Shri Partap Lal Grover, C. A. son of Late Rai Bahadur Jiwan Lal, 64 Regal Building, New Delhi.

3. Miss Mira Grover, daughter of Late Rai Bahadur Dr. Jiwan Lal care of Shri Krishan Lal Grover, 6-C Rajpura Road, Patiala through S/Shri Krishanlal Grover and Partap Lal Grover, her general attorneys.

(Transferor)

1. Shri Parmod Kumar Jain son of Shri Rama Nand Jain Resident of: 14 Alipur Road, Delhi through his attorney Shri Rakesh Kumar Jain.

2. Shri Rakesh Kumar Jain son of Shri Jagdish Rai Jain : Resident of: 25 Friends Colony, New Delhi.

3. Shri Sushil Kumar Jain son of Shri Sri Ram Jain : Resident of: 14 Alipur Road, Delhi.

4. Shri Sunil Kumar Jain son of Shri Niranjana Lal Jain Resident of: 25 Friends colony, New Delhi

(Transferee)

को उक्त सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

शब्दोत्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बना हुआ मकान नं० 26 जो वेस्टर्न साईड नाथू राम फ्रैंड्स कालोनी नई दिल्ली क्षेत्रफल 3595 वर्ग मीटरस और निम्न प्रकार:—

नारथ: सविस लेन

साऊथ: 28 फ्रैंड्स कालोनी

ईस्ट: सविस लेन

वेस्ट: रोड

(मारा इनस्ट्रक्शन अन्तरित)

मिस अन्जनी औझा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 23-7-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, तारीख 25 जुलाई, 1979

सं० आई० ए० ए० सी० ए०/एस० आर० II/

78-79:—अतः मुझे मिस अन्जनी औक्षा
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है
और जिसकी संख्या ए-15 निजामुद्दीन वेस्ट, है तथा जो
वेस्ट दिल्ली में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती पारपती तदानी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री एन०
बी० तदानी, थू जनरल एटोरी मोहम्मद मामून
मुपुत्र मोहम्मद हनीफ निवास स्थान ए-15,
निजामुद्दीन वेस्ट, दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फेमिदा खातून धर्मपत्नी मोहम्मद मामून,
निवास स्थान ए-15 निजामुद्दीन वेस्ट नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त समाप्ति के पत्र के पम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजिल बिल्डिंग जो कि प्लॉट नं० ए-15
क्षेत्रफल 761 वर्ग गज में स्थित है। निजामुद्दीन वेस्ट, नई
दिल्ली और निम्न है।

ईस्ट: रोड

वेस्ट: सचिस लेन

तार्थ: मकान नं० ए-14

साऊथ: रोड

मिस अन्जनी औक्षा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 25-7-1979

मोहर:

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० आई ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर० III/11-78/78-79:—प्रतः भुक्ते, मिम अन्जनी ओझा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एग्जीक्यूटिव लैंड है तथा जो गांव समालका तहसील महंगौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बाधक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्तः संपत्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवानी सुपुत्र नानक पौर भेलक एण्ड जतरल एंटेरनी श्रीमती भूरा धर्मपत्नी श्री भगवाना।

(2) श्री शिव नारायण एंलाश मननारायण राम धन सुपुत्र श्री भगवाना निवास स्थान गांव समालका दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री आर० के० वधवा सुपुत्र श्री के० ए० वधवा निवास स्थान 14/10 बसन्तविहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हरखीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्जीक्यूटिव लैंड जो कि क्षेत्रफल 9 बिघा और 12 विश्वास जिसका खमरा नं० निम्न दिया है।

25/2 (4-17)

16/22 (4-16)

गांव, समालका, तहसील महंगौली, दिल्ली।

मिम अन्जनी ओझा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख : 23-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर० III/11-78/78-79:—अतः मुझे, मिम अन्जनी श्रीला आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या ई-597 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण विधियाँ में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तबसे रकने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-196GI/79

1. श्री महावीर गोयल एण्ड श्री अर्जुन एस० गोयल
मुपुत्र श्री जीत मल गोयल निवास स्थान 614
पूसा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्र सिंह मुपुत्र श्री हरनाम सिंह, निवास
स्थान ई-599, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

‡(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्री होल्ड प्लॉट जिसका नं० ई-597 क्षेत्रफल 414 वर्ग गज जो कि कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है।

मिम अन्जनी श्रीला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख : 23-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० आई० ए० सी०/एनयू० I/आर० आर० III/11-78/78-79/760:—अतः मुझे मिस अन्जनी श्रीमा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-126 है तथा जो ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच गैर अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कोशल्या देवी धर्मपत्नी डाक्टर गुरसेवा पावला निवास स्थान 12-ए 16, डब्ल्यू० ई० ए० करोन बाग, नई दिल्ली थू जी ए० श्री राम लभाय सेनी निवास स्थान 5/3075 रन्जीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगजिन्दर सिंह मुपुत्र श्री धर्ममिह निवास स्थान एम-59 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जो कि स्थिति नं० 126 ब्लॉक नं० सी० क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो रेजिडेंशाल कालोनी नई दिल्ली ग्रेटर कैलाश-I, में स्थित और निम्न है:

नार्थ—50 फुट रोड

साऊथ—प्लॉट नं० 124-बी

वेस्ट—15 फुट सर्विस लेन।

ईस्ट—50 फुट रोड।

मिस अन्जनी श्रीमा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून, 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर० III/11-78/770:—अतः मुझे भिम अन्नजी ओझा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एम०-3 (दुकान) है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-1 में स्थित है (अर्थात् इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आम की जायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्री गुरबख्श सिंह पाबला सुपुत्र श्री मोटा सिंह निवास स्थान के-9, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शाम लाल चोपड़ा सुपुत्र श्री राधा किशन निवास स्थान एम-7, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो कि व्यवसायिक तथा निवासी दोनों है क्षेत्रफल 195 वर्ग गज (163 वर्ग मीटर) है, और नं० एम-3 है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

भिम अन्नजी ओझा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० आई०ए० सी० एक्यू०/1/एस० आर०-JII/नवम्बर-78-79/779:—अतः मुझ मिस अन्जनी औसा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी संख्या एम 54 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 9-11-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नव पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

प्रति: प्रभु, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजेश कुमार मेहता सुपुत्र श्री डी० पी० मेहता,
ई-66, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली :

(अन्तरक)

2. श्री मेजर बलधन्त सिंह (2) श्री मन्तोप सिंह
(3) श्री हरबन्स सिंह सुपुत्र श्री लाभ सिंह
सबका निवास स्थान एम-319 ग्रेटर कैलाश-
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्री होल्ड प्लॉट नं० एम-54, क्षेत्रफल 194 वर्ग
गज जो कि कालोनी ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है
और निम्न दिया है।

तारथ: 50 फुट रोड

माऊथ—रोड और लान

ईस्ट—एम-55 प्लॉट

वेस्ट—प्लॉट नं० 53

मिस अन्जनी औसा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई, 1979

मं० आई० ए० सी०/एम्पू-1/एम० आर० II/11-
78/822-अतः, मुझे अन्जनी ओझा

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रयोजन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस प्लॉट नं० 405 है तथा
जो चौथी मंजिल, सिनेमा कमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश
नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निम्नलिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों.
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्तातः—

1. मै० डी० एन० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड, 21-22,
नरिन्द्रा पेंस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. (1) श्री कुलदीप सिंह मखानी (2) गिन्डी सिंह
मखानी पुत्रगण श्री हुकम सिंह मखानी निवासी
बी-5/29 सफदरजंग इन्कलेब नई दिल्ली।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक आफिस प्लॉट नं० 405, (चौथी मंजिल) सिनेमा
कमर्शियल कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है,
जिसका क्षेत्रफल 792.4 वर्ग फुट है।

मिम अन्जनी ओझा
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० आई ए० सी०/एक्यू०I/एस० आर० II/11-78/78-79/803:—अतः, मुझे, मिस अन्जनी श्रीवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या आफिस फ्लैट नं० 503 है तथा जो सावित्री सिनेमा काम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-
22 नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रोमेश सी० खन्ना (एस० यू० एफ०) पुत्र आर० सी० खन्ना, 3 नोरमानडी चारमीहीयल रोड बम्बई (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रभन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घडोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस फ्लैट नं० 503, क्षेत्रफल 572.9 वर्ग फुट (5वीं मंजिल) सिनेमा बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

मिस अन्जनी श्रीवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I,
दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 27-7-1979

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी० एम्पु०-I/एस० आर०-III/11-78/

832:—अतः मुझे, अन्जनी ओझा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस फ्लैट सं० 407 है तथा जो चौथी मंजिल, सिनेमा कम्प्लेक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22 नरिन्द्रा पेनेस पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. लै० कर्नल मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री दयाल सिंह, लक्ष्मी निवास शिमला-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आफिस फ्लैट सं० 407 (चौथी मंजिल) क्षेत्रफल 616.2 वर्ग फुट, सिनेमा कम्प्लेक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

मिस अन्जनी ओझा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस आर III/11-78/
78-79/—अतः मुझे, मिस अन्जनी श्रीवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 15 टालसटाय मार्ग है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-11-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में दर्ज नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकट :—

1. श्री हरजस राय मल्होत्रा सुपुत्र श्री सोना मल मल्होत्रा निवास एस-534 ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मैसर्स अनसय प्रोपाइटरस इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, थू मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सुशील अन्सल 115 अन्सल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब प्लॉट नं० 10 ए ब्लॉक नं० 134, 15 किलोंग रोड, (15 टोलसटाय मार्ग) नई दिल्ली साथ में प्रीप्रीच्युल लीम होल्ड जो कि कंसट्रक्टीड बंगला जिस में कोमपाऊंड दिवार पेड़, पौधे, स्टोर्स, टैंक, पाईप, बिजली लाइन और किलोंग प्लॉट में निम्न है।

नोर्थ—सर्विस लेन

माऊथ—बिल्डिंग रोड

ईस्ट—प्लॉट नं० 13

वेस्ट—गोवरमेंट भूमि

मिस अन्जनी श्रीवा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 24-7-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/I/एस० आर० III/11-78/
824:—अतः मुझे मिस अन्जनी औसा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या एग्रीकल्चरल भूमि गांव गदायीपुर नई
दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
24-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए,
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—
5—196GI/79

1. Prithi
2. Raghbir Singh
3. Ant Ram
4. Ramswarup
- sons of Prithi,
5. Anto devi daughter of Sunehro (1/6th share)
6. Shrimati Bohli wife of Mohar Singh
7. Birmha wife of Hukam Singh
8. Shrimati Chameli wife of Sis Ram
9. Shrimati Phool Wati
10. Keso Ram,
11. Daya Chand and Vijay Singh sons of Risal
- All Residents of village Ghitorni, Tehsil Mehrauli
(Transferor)
1. Shri Harbans Singh son of Gur baksh singh Resident
of Gadaipur, Tehsil Mehrauli,
(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही प्रबल होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एग्रीकल्चरल भूमि का क्षेत्रफल विघा और 11 विश्वास
जिस का खसरा नं० निम्न है। गांव गदायीपुर में स्थित,
नई दिल्ली।

1. 277 (4-7)
2. 280 (2-4)

मिस अन्जनी औसा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 31-7-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०—अतः मुझे मिस अन्नजी

श्रीमा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ए० IV/9 चीपिंग रिनामेन्ट लाजपतनगर है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-11-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती द्रोपती सुपुत्री श्री वेलोती राय धर्मपत्नी श्री ओ० पी० भारद्वाज, निवासी ए० IV/9, लाजपतनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पदमा मिरचन्दानी धर्मपत्नी श्री एन० मिरचन्दानी निवासी ए० IV/9, चीप रिनामेन्टस) लाजपतनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सिंगल मंजिला मकान नं० ए० IV/9 (चीप रिनामेन्टस) क्षेत्रफल 100 वर्गगज जो कि स्थित लाजपतनगर, नई दिल्ली में।

मिस अन्नजी श्रीमा,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-7-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० —अतः मुझे मिस अन्नजी

श्रीसा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एग्रीकल्चरल लैंड गांव गादीपुर तहसील महरोली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विरेन्द्र किशोर गुलाटी सुपुत्र श्री चरण जीत लाल, निवासी, 3-डी, निजामुद्दीन ईस्ट नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मेहर कौर धर्मपत्नी श्री हुकम सिंह (2) श्रीमती कुलदीप कौर धर्मपत्नी श्री मोती सिंह निवासी सी०-2/25 माडल टाउन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकल्चरल क्षेत्रफल 15 बिघा और 4 बिसवा जिसका खसरा नं० निम्न है।

452 (4-17)

461 (4-16)

436 (4-16)

453/1 (0-16) साथ टूबवेल, फेंसी वायर जो स्थित गांव गादीपुर, नई दिल्ली।

मिस अन्नजी श्रीसा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 31-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/11-78/78-79/781—अतः मुझे मिस अन्जनी श्रौसा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23 खस्रा मार्किट है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती राज मलिक पत्नी सतिन्दर कुमार मलिक निवासी-सी-III/13, लाजपत नगर, नई दिल्ली (श्रू जनरल एटोर्नी)।

(अन्तरक)

2. श्री सतिन्दर कुमार मलिक सुपुत्र श्री प्रकाश चन्द मलिक, निवासी सी-III/13, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पदों होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 23 जिसका क्षेत्रफल 27.7 वर्ग गज स्थित है खस्रा मार्किट, लोधी रोड, नई दिल्ली।

मिस अन्जनी श्रौसा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/1/एम० आर-III/
11-78/78-79/911—यतः मुझे मिस अन्जनी श्रीवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम-46 ग्रेटर कैलाश-II है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित धास्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनोहर लाल सेठी

(2) श्रीमती अगीया रानी सेठी, एम-46 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फूल बती अग्रवाल और

(2) श्रीमती मन्जू अग्रवाल, निवासी डब्ल्यू-27 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धास्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० एम-46 क्षेत्रफल 510 वर्गगज जोकि स्थित है ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में।

मिस अन्जनी श्रीवा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 1-8-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III
11-78/78-79/766—यतः मुझे मिस अर्जनी ओझा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० आर-12 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 4-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमरजीत सिंह जोहर सुपुत्र श्री अजीत सिंह
निवासी सी-139 डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह मयाल सुपुत्र उदय सिंह मयाल
निवासी 4/9 विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक 2½ मंजिल मकान नं० आर-12 क्षेत्रफल 300 वर्ग
गज स्थित है ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली साथ में बिजली, पानी
और फ्लश फिटिंग और निम्न हैं,

नोरथ—सर्विस लेन

साऊथ—रोड

ईस्ट—प्रोपरटी नं० आर-14

वेस्ट—प्रोपरटी नं० आर-10।

मिस अर्जनी ओझा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 1-8-79

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/
12-78/78-79 —अतः मुझे, मिस अन्जनी श्रीआ
सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० आर-134, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 7-12-1978 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में करिग नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदीयाल कोहली निवास स्थान एच-24 जंगपुरा
ऐक्सटेन्सन, नई दिल्ली एस० जी० ए० श्रीमती
कृष्णा कुमारी निवास स्थान 44 यूनीयन पार्क,
चेम्बूर, बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदर्शन कुमारी और राम गोपाल शर्मा
निवास स्थान जे-13 किरी नगर नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्रोपर्टी स्थित प्लॉट नं० आर-734 क्षेत्रफल 300
वर्गगज स्थित फी होल्ड कोलानी, नई दिल्ली।

ईस्ट—प्रोपर्टी नं० आर-136

वेस्ट—प्रोपर्टी नं० आर-132

नोर्थ—सर्विस लेन।

साऊथ—रोड।

मिस अन्जनी श्रीआ

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-I/एम० आर०-III/
2-1979/78-79/1082—यतः मुझे मिस अन्जनी श्रीमा
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 7 टोलसटोय मार्ग, है तथा जो नई दिल्ली
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख: 27-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री ओम प्रकाश वेण
- (2) नारायण प्रकाश
- (3) आनन्द प्रकाश गुप्ता
- (4) राज कुमार गुप्ता
- (5) रविन्द्रा प्रकाश गुप्ता
- (6) नारेन्द्रा कुमार गुप्ता सब सुपुत्र श्री प्रभु
दयाल निवास स्थान-7 टालम्टाय मार्ग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. मेसर अनमल प्रीरोटरीम एण्ड इन्डस्ट्रीस प्राइवेट
लिमिटेड, 115 अनमल भवन के० जी०
मार्ग, नई दिल्ली-

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोधकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जा उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दि इन्टर्नल प्रोपर्टी कन्सट्रिक्ट पर प्लॉट नं० 41
ब्लॉक नं० 148 का क्षेत्रफल 4162 वर्गगज में स्थित नं० 7
टोलसटोय मार्ग पर, नई दिल्ली (ओल्ड किलिंग रोड) नई
दिल्ली, स्पेसीफाइड, सेल डीड तिथि 26-2-79।

मिस अन्जनी श्रीमा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23-7-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III 2-1978/78-79/1084—यन: मुझे मिस अन्जनी श्रोक्षा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए० ए-30 और ए-33 है तथा जो कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा:—

6-196GI/79

1. (1) मेसर्स वेनगर एण्ड कम्पनी के द्वारा पार्टनरस
 - (1) श्री रनबीर सिंह टण्डन
 - (2) श्री ओम प्रकाश टण्डन
 - (3) श्री अनूप कुमार टण्डन और श्रीमती विद्या रानी मेहरा, वेनगर, मकान कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स ईमका कोन्सट्रक्शन कम्पनी, 24/24, दरयागंज थ्रूप्रोपराईटर श्री महावीर प्रसाद गुप्ता सुपुत्र श्री श्री गंधा कृष्ण गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी कन्सट्रक्टेड प्लॉट पर जमीन नं० ए-30, ए-33 वर्ग क्षेत्रफल 703 वर्ग मीटर जो कि स्थित है कनाट प्लेस नई दिल्ली, साथ पहली मंजिल पर दुकान नं० नं० ए-16, ए-17, ए-18, ए-19 और ए-20, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

मिस अन्जनी श्रोक्षा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-7-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

नई दिल्ली-I, दिनांक 31 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-II

11-78/78-79/774—यन: मुझे, मिस अन्जनी ओझा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अग्रीकल्चरल लेण्ड गांव मुलतान पुर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1° श्री त्रिलोकी नाथ खन्ना सुपुत्र श्री गोकल चन्द्र, निवासी है 12 ओरंगजेव रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मंथी देवी पत्नी श्री बिहारी लाल निवासी एन-213 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्रीकल्चरल लेण्ड जो कि 6 बिघा, 16 बिस्वास खसरा नं० 222/1, (3-16), 223/2 (3-0) साथ में टूबवैल, बोनडरी, पेड, गार्डन, पानी टैंक और फिटिंग और फिक्सचरस गांव मुलतान पुर, तेहसील महरोली दिल्ली।

मिस अन्जनी ओझा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 31-3-1979

मोहर:

प्रकरण आई० डी० एन० एच०—

धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०-III/7-79/368/2120/3/8/79—यतः मुझे डी० पी० गोयल धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डी-25 बी है तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट 2 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कचिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 289-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 289-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमसे आर० सी० सूद एण्ड कं० (प्रा०) लिमिटेड, ईरोम सिनेमा बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली इनके डायरेक्टर श्री जे० आर० सूद द्वारा (अन्तरक)

2. श्री श्रीकृष्ण कपूर प्रोपराइटर मै० कपूर फिल्म इन्टर-नेशनल, पुत्र स्वर्गीय राम लुभाया कपूर निवासी डी-25-बी, एन० डी० एस० ई० पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त जगहों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जिसका नं० डी-25-बी है प्लाट जिसका क्षेत्रफल 755 वर्ग गज पर बना है, नई दिल्ली साऊथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है—

पूर्वः सड़क

पश्चिमः प्लाट नं० डी-25-जी

उत्तरः सड़क

दक्षिणः प्लाट नं० डी-25-सी।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31-7-79

संहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 जून 1979

निदेश सं० सीएचडी/248/78-79—यतः मुझे जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 132 सेक्टर 18-ए है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त प्रतिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरक से हुई हितों धार की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात्:--

1. श्री गुरचरण सिंह बिन्दरा पुत्र श्री सुजान सिंह बिन्दरा
वासी 11-सी मंगम बिल्डिंग, 2 बड़ स्ट्रीट कलकत्ता।
(अन्तरक)

2. श्री बलवन्त सिंह पुत्र श्री नागार सिंह व श्रीमती
हरभजन कौर पत्नी श्री बलवन्त सिंह वासी मकान
नं० 132, सेक्टर 18-ए, चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 132 सेक्टर 18-ए-चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 709, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 21 जून 1979

सोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 जून 1979

निदेश सं० सीएचडी/243/78-79—यतः मुझे जी० पी०
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3050, सैक्टर 20डी, है तथा जो
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नवम्बर, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाः—

1. डा० जे० एन० नन्दन पुत्र गौरी शंकर नन्दा वासी
बी-1, आई० एम० आर० फ्लैट, आर० के०
पुरम, सैक्टर-13, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. प्रोफेसर के० के० नन्दा पुत्र श्री दिवान राम नाथ
नन्दा व श्रीमती संतोष नन्दा पत्नी श्री के० के०
नन्दा वासी 3050, सैक्टर, 20डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3050, सैक्टर 20डी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 677, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख : 21 जून 1979

मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 27 जुलाई 1979

निदेश सं० सीएचडी/252/78-79—यत् मुझ जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मंजिली इमारत, शो रुम-कम-आफिस नं० 2409-2410, है तथा जो सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़ में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रयत्न निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) प्रत्येक से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कियो धाय या कियो धन या प्रत्येक धास्त्रियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री रघुनाथ राय कपूर पुत्र श्री मेहन्गा राम कपूर
- (2) श्री अनिल सेठ पुत्र श्री हंस राज सेठ।
- (3) श्री अशोक विजय पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह विजय।
- (4) श्रीमती पुष्पा कपूर पत्नी श्री रघुनाथ राय कपूर।

(5) श्रीमती गणी विजय पत्नी श्री अशोक कुमार विजय।

(6) श्रीमती कैलाश रानी पत्नी श्री हंस राज सेठ।

(7) श्रीमती जनक रानी पत्नी श्री अमृत लाल,।

(8) श्री अमृत लाल पुत्र श्री रामजी दाम मार्फत मकान नं० 324, सैक्टर 22-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सुशील कौर पत्नी श्री जगदीश सिंह सेखों।

(2) श्री नवपरीत सिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सेखों, निवासी 1174-सैक्टर 21-सी, चन्डीगढ़।

(3) श्री बलदेव सिंह (कर्ता एच० यू० एफ०) पुत्र श्री इन्दर सिंह, बासी 2250 सैक्टर-21 सी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. (1) मैमर्स लुधियाना टैट ग्लेलाईड सर्विसिज,

(2) मैमर्स अग्रवाल इलेक्ट्रॉनीक, चन्डीगढ़।

(3) मैमर्स रजिन्दर प्रसाद विनोद कुमार, चन्डीगढ़ मारे निवासी एम० सी० ओ० नं० 2409 2410, सैक्टर 22-सी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गठनों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शो रूप कम आफिस नं० 2409-2410, सैक्टर, 22-सी चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 724, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 27 जुलाई 1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 27 जुलाई 1979

निदेश सं० सीएचडी/239/78-79—यतः मुझे जी० पी०
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग जायेदाद नं० 11 डिम्बर मार्केट,
चन्डीगढ़ है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1978

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और भत्तरक (भत्तरकों) और भत्तरिती
(भत्तरितियों) के बीच ऐसे भत्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भत्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) भत्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के भत्तरक के बायिल में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ भत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी।—

1. श्री चेत सिंह पुत्र श्री प्रभू सिंह, वासी 11 डिम्बर
मार्केट, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री रणवीर सिंह पुत्र श्री प्रभू सिंह, वासी 11 डिम्बर
मार्केट, चन्डीगढ़।

(अन्तरिनी)

3. श्री रणवीर सिंह पुत्र श्री प्रभू सिंह वासी 11 डिम्बर
मार्केट, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जाये कर 6 पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायेदाद नं० 11 डिम्बर मार्केट चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय की विलेख संख्या 650, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 27 जुलाई 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जुलाई 1979

निदेश सं० राज/महा० आ० अर्जन/559 --यतः मुझे एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट का टुकड़ा है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख 24-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान के प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भूय प्राप्ति को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः--

(1. श्री कैलाश बाकीवाला पुत्र श्री गोकुल चन्द बाकीवाला एवं श्री अशोक कुमार बाकीवाला पुत्र श्री कैलाश चन्द बाकीवाला. 3 न 41 पानी की टंकी के पास, जवाहर नगर, जयपुर, राजस्थान।

(अन्तरक)

2 श्री रामस्वरूप रस्तोगी पुत्र श्री रामदाम रस्तोगी

(2) श्री हरीश्रोम रस्तोगी एवं श्री धर्मपाल रस्तोगी पुत्र श्री राम स्वरूप रस्तोगी, मकान नं० 8 लालबुर्ज बुजराजपुरा, कोटा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पन्ध्र में कोई भी धात्रेय--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भूय व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 396 जिसका क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट जो शोपिंग सेंटर कजटा में स्थित है और उपपंजीयक कोटा द्वारा क्र० संख्या 81/334 दिनांक 24-1-79 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख 19-7-1979

मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जुलाई 1979

निदेश सं० राज/महा० आ० अर्जन/557—यतः मुझे,
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० वाई नं० 8 है तथा जो मदनगंज किशनगढ़
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किशनगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17 नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में गणनात्मक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कियो धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—196GI/79

1. श्री पांचुनाल पुत्र श्री बिरदाराम बागड़ी, मदनगंज
किशनगढ़ जिला अजमेर वर्तमान निवासी बड़ोदा।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मिणी पत्नी श्री चांदमल जाति छापरवाल
महेश्वरी निवासी अजमेर जिला अजमेर।
(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स लाहोती टेक्मटाईल मिल्स।
(2) मैसर्स सुभाष टेक्मटाईल एवं
(3) लाहोती टेक्मटाईल एजेन्सीज, किशनगढ़
(वह व्यक्ति जिनके अधिमोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पावरलूम शैड जिसका क्षेत्रफल 440 5/9 वर्ग गज है
जो वाई नं० 8, मदनगंज किशनगढ़ में स्थित है और उपपंजिक,
किशनगढ़ जिला अजमेर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 838
दिनांक 17-11-78 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-7-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जुलाई 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/558—यतः मुझे,
एम० आर० अग्रवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 395 जो कोटा में स्थित है, (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री गोकल चन्द बाकीवाला एवं
श्री ओक कुमार पुत्र श्री कैलाश चन्द बाकीवाला,
निवासी 8 मोती झुगरी मार्ग, तिलकनगर जयपुर।
(अन्तरक)

2. श्री रूप चन्द एवं श्री हीरा नन्द पुत्रान श्री लच्छीराम
एवं श्री गोविन्द राम शेवानी दत्तक पुत्र श्री लच्छी
राम, 8 बी, बल्लभनगर एक्सेडेंशन स्कीम, मुमानपुरा
(कोटा) (राज०)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नं० 395 जिसका क्षेत्रफल 2400
वर्गफुट है तथा जो उप पंजिक, कोटा द्वारा क्रमांक 1531
दिनांक 29-11-78 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-7-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 मई 1979

निर्देश सं० सीआर 62/22395/79-80/एसीक्यू०/बी—यतः
मुझे एच० तिममय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 493 है, तथा जो राजा महल विलास एक्स-
टेशन बंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर, बंगलूर दस्तावेज सं० 2804/78-79 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्येक में हुए किसी प्राय की अवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में यमी होने या उनसे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या क्रिया धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. प्रोफेसर एम० एम० थाकर सुपुत्र श्री संकलचन्द्र
सं० ए/2 सी० फैंस पार्क भोला शाम देसाई रोड,
बम्बई-400026।

(अन्तरक)

2. (1) श्री टी० वी० वेंकटास्वामी सुपुत्र लैट तिममय्या
(2) श्री एम० पी० शीवाकुमार सुपुत्र श्री टी०
वी० वेंकटास्वामी 493 राजामहल विलास
एक्सटेशन, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदनाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है;
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2804/78-79 ता० 25-11-78)

घर सम्पत्ति सं० 493 तथा जो राजा महल एक्सटेशन
बंगलूर में है। और चकबंदी यह है।

उत्तर : रोड

दक्षिण : साइट सं० 494 और 519

पूर्व : रोड

पश्चिम : सम्पत्ति सं० 493, 1/1।

एच० तिममय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 1-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1979

निर्देश सं० सीआर62/22356/79-80/एसीक्यू०बी--

यतः मुझे, एच० तिममय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना 21 और नया 33 है, तथा जो नारीस रोड, रिचमन्ड टाऊन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर दस्तावेज सं० 2328/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाधित करने से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति का बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य चासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री शोजात अली खान सुपुत्र श्री हाजी सी० एम० अब्दुल गफार खान सं० 14/2 करले स्ट्रीट रिचमन्ड टौन बंगलूर।

(अन्तरक)

2. डाक्टर विजय अशोक सोलोमान पाल शासकर सुपुत्र श्री पाल आनन्द शासकर 17, मिल्लरस रोड बंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांसेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 2328/78-79 तारीख 24-11-78)

धर सम्पत्ति जिसका सं० पुराना 21 और नया 33 तथा जो नारीस रोड रिचमन्ड टौन बंगलूर में है।

चकबंदी :

सम्पत्ति सं० पुराना 21 और नया 33

पूर्व एम० अब्दुल जबबार की सम्पत्ति रीता विल्ला
प० : सम्पत्ति सं० 6 परीइम स्ट्रीट

उत्तर : सम्पत्ति सं० 23 नया सं० 34, नारीस रोड।

दक्षिण : परीइम स्ट्रीट।

सम्पत्ति सं० 33 की बाकी जगह

पूर्व : अब्दुल जबबार की सम्पत्ति

पश्चिम : सम्पत्ति सं० पुराना -1 और नया 6
परीइम स्ट्रीट।

उत्तर : सम्पत्ति सं० पुराना 23 और नया 34
नारीस रोड।

दक्षिण : श्रीमती जीनत बेगम की सम्पत्ति जो परीइम
स्ट्रीट पर है।

एच० तिममय्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 7-5-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 मई 1979

निर्देश सं० सीआर62/23052/79-80/एक्यू/बी—यतः
मुझे, एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 391/42, 19 में है, तथा जो ब्लॉक राजाजी
नगर बंगलूर-560010 में स्थित है (और इसमें उपावट
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर बंगलूर दस्तावेज
सं० 3508/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० के० शामण सुपुत्र केशवा आर्यंगार सं०
25/1, 9 आस मनेशवर्म, बंगलूर-3।

(अन्तरक)

2. श्री चन्नपा सुपुत्र चन्नय्या सं० 2907, राजाजीनगर
स्ट्रीट, बंगलूर-560010।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 3508/78-79 तारीख 14-11-78)
घर सम्पत्ति जिसका सं० 391/42, 19 में फस्ट ब्लॉक
राजाजीनगर, बंगलूर-560010 और चकबंदी:—
पूर्व: रोड।

पश्चिम: साइट सं० 414,

उत्तर: साइट सं० 390

दक्षिण: साइट सं० 392

एच० तिम्मय्या
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 19-5-79

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश सं० सीआर62/22365/79-80/एक्यू०/बी—यतः

मुझे, पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 44 पुराना सं० है, तथा जो राबर्टसन रोड,
फ्रेजर टाऊन बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-11-78

को पूर्वावस्थित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये भर्त्सारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वावस्थित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक करने कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में गृहिणा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मारीना अलव्करक सं० 126 (नया सं० 146)
सान थोम हार्ड रोड सान थोम मद्रास-4।
(अन्तरक)

2. श्री एम० पी० टैनवाला सं० 10/1, सानडर्स रोड,
बंगलूर-5।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 2181/78-79 ता० 13-11-78)
घर सम्पत्ति सं० नया 44 और पुराना 6 राबर्टसन रोड,
फ्रेजर टाऊन, बंगलूर-5 चकबंदी:—

उत्तर: प्राइवेट सम्पत्ति

दक्षिण: राबर्टसन रोड

पूर्व: प्राइवेट सम्पत्ति

पश्चिम: प्राइवेट सम्पत्ति

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 1-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जून 1979

निर्देश सं० सीआर 62/22370/79-80/एक्यू०/ए —यतः
मुख्य पी० रंगनाथन्

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और

और जिसकी सं० खाली जगह का नं० है, तथा जो 44,
मद्रास एक्वायर आफिस कालोनी बानसवाडी रोड बंगलूर में स्थित
है रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, गिवाजी नगर बंगलूर,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति :—

1. श्रीमती कबी रुथामम पत्नी मेजर पी० ए० थामस,
नं० 103/3, पुरस्वानकम हाई रोड, मद्रास, 10।
(अन्तरक)

2. श्री राईट रंवेण्ड फिलिफोम मार चार्थेमोमटम, विषय
आफ दि मार थोमा चर्च, एकिटग फार और
आन विहाफ आफ दि मार थोमा चर्च, बंगलूर
ईस्ट पैथर ग्रुप 11, डि० कास्टमा सेंकेयर, बंगलूर-
560005।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताधरी
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2115/78-79 ता० 6-11-78)

खाली जगह नं० 44, मद्रास आफिस कालोनी बानसवाडी
रोड, बंगलूर।

चक्रवर्ती :—

पूर्व : खाली जगह का नं० 3,

पश्चिम : खाली जगह का नं० 1

दक्षिण : खाली जगह का नं० 9 और

उत्तर : रोड

पी० रंगनाथन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1979

निर्देश सं० सीआर 62/22389/79-80/एक्यू०/वी—यतः

मुझे, पि० रंगनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई४/920/921 है, तथा जो ओ० टी० सी० रोड, बंगलूर में स्थित है (और हम उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर दस्तावेज सं० 2756 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-1978 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० वेंकटरामय्या शर्टी सुपुत्र कृपणा शर्टी प्रोपराइटर रमेश अग्रबत्ती और कम्पनी सं० 36/5 अण्णाजी राव लेन चौडेशवारी टेम्पल स्ट्रीट बंगलूर। (अन्तरक)

2. श्रीमती डेली बाई पत्नी हुगगलालजी श्रीमती मानथोबाई पत्नी शानती लाल के मार्फत पूनम टेकमटाइलस, डी० के० लेन चिकपेट काम बंगलूर-53 रेप्रसरकर रोड है श्री छीगलाल पूनमजी। (अन्तरिती)

3. मेसर्स अमन मेडीकलम

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 2756 तारीख 23-11-79)

घर सम्पत्ति सं० ई४/920/921/ तथा जो नागारतपेट ओ० टी० सी० रोड बंगलूर में है। (42 डिबीजन)।

चक्रवर्ती :—

पूर्व : पिल्लना का घर।

पश्चिम : देवादास का घर।

उत्तर : देवादान का घर।

दक्षिण : ओ० टी० सी० रोड।

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-6-79

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 13 जून, 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22401/79-80/एक्यू०/बी—

यतः मुझे पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और

और जिसकी सं० 97 तथा सं० 16 है, तथा जो 24 क्रम कवचनपेट, बंगलूर में स्थित है, (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर दस्तावेज सं० 2725/78-79 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिश्रित लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्येक द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—196GI/79

1. श्रीमती ये० सुन्दरम्मा

सं० 1/1, II क्रस

4 ब्लाक, जयानगर

बंगलूर-11

(अन्तरक)

2. श्री आर० गंधूगम

सं० 51, मंजीवप्पा लेन

अवेनियो रोड

बंगलूर सिटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2725/78-79 ता० 20-11-78)

घर सम्पत्ति सं० 97 तथा सं० 16 तथा जो 24 क्रम कवचनपेट बंगलूर में है।

चकवन्दी :

पूर्व—रोड

पश्चिम—बैरप्पा का घर

उत्तर—तिप्पणा का घर

दक्षिण—लेन

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 13-6-1979

अर्जन रेंज, बंगलूर

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22403/79-80/एक्यू/वी—

यतः मुझे पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 46 है, तथा जो राजामहल विलास एक्स्टेंशन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय गांधीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 2676/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेज रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० सी० आइया
सं० 456, सदाशीवानगर
बंगलूर-6

(अन्तरक)

2. श्री एन० ये० रामाकृष्णा
सं० 4, आर० आर० लेआउट
कुमारा पारक वेस्ट
बंगलूर-5600201

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2676/78-79 तारीख नवम्बर 78)

खाली जगह सं० 46, तथा जो राजामहल विलास एक्स्टेंशन बंगलूर।

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
तारीख : 14-6-79 अर्जन रेंज, बंगलूर।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जून 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22403/—यतः मुझे पी०
रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5 है, तथा जो एम० एस्सी ट्यांक रोड बंगलूर
27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबिउ नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

1. श्री डाक्टर ये० बी० ये० कारात
डाक्टर मिसज श्री० आर० कारात
केसरआफ जी० आर० कारात
44/6, मिल्लरस रोड, बेंगलूर

(अन्तरक)

2. डाक्टर बी० जी० रुद्रप्पा,
सं० 9, II फ़ास, बस्सप्पा रोड
शान्तिनगर, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2661/78-79 ता० 16-11-78)
घर सम्पत्ति सं० 5, सम्पत्ति ट्यांक रोड बेंगलूर-27

चकबन्दी :

पूर्व : प्राईवेट रोड

पश्चिम : संपंगी रोड फ़ास

उत्तर : सम्पत्ति सं० : 3 (तिम्मय्या)

दक्षिण : सम्पत्ति सं० : 2. (करीयय्या)

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
तारीख : 12-6-79
मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 13 जून 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22422/79-80/एकु०बी०)---

यतः मुझे पी० रंगनाथन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10/80, बुलूटेपल, है, तथा जो रोड, बसवन
गुडि, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बनवतगुडि, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 29-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण के द्वारा किसी या को बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपावे
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर:--

1. श्री एम० एम० कुमार, S/o Late

एम० नरसिंह आयंगर नं० 80, बुलू टेपल रोड,
बंगलूर।

(अन्तरक)

2. दि० सेवा समूह, द्वारा

मिस्टर सिलवाना टेरियिगनतलू
मार्फत कवर्थोर्गिक सेंटर, सेंट मार्क्स टोन,
बंगलूर-560005

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2786/78-79 ता० 29-11-78)

भारा सम्पत्ति सं० सं० 10/80, बुलू टेपल रोड, बसवन
गुडि, बंगलूर-4

चक्रवर्ती:

उ: प्राईवेट प्रापर्टी

द: वही

पू: बुलू टेपल रोड और

प: कंजरवेनस्सि

पी० रंगनाथन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 13-6-79

अर्जन रेंज, बंगलूर

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश सं० सो० आर० 62/22493/79-80/ए०सी०ओ०/
(बी)—यतः मुझे पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० न० 25/64, है तथा जो ललित महल रोड,
मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27/11/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के निम्न निम्नित में वास्तविक रूप से
कचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती रजनी किवकेरि पति श्री वि० एल० किवकेरि
नं० 97, नन्दघनश्याम रोड, नं० 2ए, सैन वेस्ट बम्बई-22
Rep. by his Power of Attorney :

श्री एम० आर० नानजुनदान, मुमुब श्री एम० एन०
रामास्वामि मैट्टर, नं० 39, "शेल्टर"

पोन्नुरंगम रोड, आर० एन० पुरम्, कोयम्बतूर-2

(अन्तरक)

2. श्री एम० जो० नागराज, मुमुब श्री स्व० रिटायर्ड कर्नल श्री
एम० जो० गोमालकृष्णा अरम, "अश्वथवित्ता"

नजरबाद, मैसूर-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया ।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2272/78-79 तारीख 27-11-78] ।

बंगला न० 25/64, ललित महल रोड, मैसूर ।

चक्रवर्ती : उ० ललित महल रोड,

द० : घर का न० 25/64ए,

पू० : श्री बालकृष्ण सेट्टि का खाली जगह और

प० : एरिया रिजर्वड फार हाई टेन्शन लाईन
और रोड लीफ्टिंग टू सायिट्स एट दी ब्लाक ।

पी० रंगनाथन

प्रथम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 13/6/79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जुलाई, 1979

निर्देश सं० सो० आर० 62/23270/79-80/ए०सी०क्यू०/
(बी)—यतः मुझे पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० जी०/2-00, जमीन इन सर्वे है, तथा जो येलहका हुबली बेंगलूर, नार्थ तालूक (और अब इन्क्लूड्ड इन दि बेंगलूर कॉर्पोरेशन डिवीजन नं० 2) जारकांडवाल गांव, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतीति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री चन्नप्पा, सुपुत्र मि० थम्मन्ना,
गरगुटेयन्ना गांव, राजाजी नगर, बेंगलूर
(Dn. No. 2), rep. by his power of attorney
Holder श्री वि नारायणा स्वामी
सुपुत्र श्री वेंकटरमण्णा पिन्ना गांव, यशवंतपुर
हुबली बेंगलूर नार्थ तालूक।

(अन्तरक)

2. दि रेलवे मेन्स हास बिल्डिंग,
को-ऑपरेटिव सोसायटी लि० साउथर्न रेलवे, इन्स्टिट्यूट
बिल्डिंग्स, एम० जी० रेलवे, कालोनी बेंगलूर
Rep. by its President

श्री ई० मस्करेहेन्स और अवैतनिक सचिव

श्री के० श्रीनिवास राव। (अन्तरिती)

4. विह नारायणस्वामी सुपुत्र श्री वेंकटरमण्णा,
पिन्ना गांव, यशवंतपुर हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 3427/78-79 तारीख 9-11-78)

ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० 1 जारकांडवाल गांव येलहका हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक (और अब इन्क्लूड्ड इन दि बेंगलूर कॉर्पोरेशन डिवीजन नं० 2)।

चक्रबंदी : पू० : श्री थिम्मा सेट्टि का जमीन

प० : कटीरवा स्टुडियो

उ० : श्री चीडप्पा का जमीन और

द० : श्री अरसप्पा का जमीन

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 15-6-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23979/79-80/ए०सी०यू०
(बी)—अतः मुझ पि० रंगानाथन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ए० जो०/2-00 जमीन इन सर्वे है, तथा जो
जारकबडकावल गांव, येलहका हुबली बेंगलूर, नार्थ तालूक
(और अब इनकुलड इन दि बेंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2
में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय राजाकिनगर,
बेंगलूर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 9-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पट्टयाल नायडु सुपुत्र श्री तल्लय्या नायडु नं० 1282,
कमला नेहरू एक्जेंडेशन, यशवंतपुर बेंगलूर-22
rep. by his Power of Attorney holder
श्री जि० नारायणस्वामि, सुपुत्र श्री वेंकटरमाय्या,
पिता गोल, यशवंतपुर, हुबली बेंगलूर नार्थ तालूक
(अन्तरक)

2. दि रेलवे मैनस हाउस बिल्डिंग कोआपरेटिव
सोसायटी लि० नार्दन रेलवे इन्स्टिट्यूट बिल्डिंग्स
एम्० जि० रेलवे कालोनी बेंगलूर,
Rep. by his Power of Attorney Holder
श्री ई० संस्कृतम, श्रीर Hon Secretary श्री के०
श्रीनिवास राव ।
(अन्तरिती)

3. श्री नारायणस्वामि, सुपुत्र श्री वेंकटरमाय्या, जिला गांव,
यशवंतपुर, सेबलि, बेंगलूर, नार्थ तालूक ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
म किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज 3433/78-79 तारीख 9-11-78)

ए० जो०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० 1 जारकबडकावल
गांव, येलहका हुबली बेंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनकुलड
इन दि बेंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2)

चकवदी : पू० : सोमाइटो का जमीन

प० : श्री एम्० रामय्या का जमीन

उ० : श्री के० पि० देवराज का जमीन और

द० : श्री बैलप्पा का जमीन

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

तारीख 15-6-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23272/79-80/ए०सी०क्यू०/

(बी)—यतः मुझे पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सप्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे है तथा जो नं० जारकलंडेकवल गांव एलडुंका हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनक्लूड्ड इन दि कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजिनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना—

1. श्री पापन्त, सुपुत्र श्री थम्मन्त, गुरुगुट्टालया गांव, राजाजिनगर, बंगलूर Ref. by his Power of Attorney Holder, श्री लि० नारायण स्वामि, सुपुत्र वेंकटरमणप्पा, पेन्था गांव, यशवंतपुर, हुबली बेंगलूर, नार्थ तालूक। (अन्तरक)

2. दि रेलवेमैन्स हाउस बिल्डिंग को आपरेटिव सोसाईटी लिमिटेड, सर्दन, रेलवे, इन्स्टीट्यूट बिल्डिंग, एम० जि० रेलवे कालोनी, बेंगलूर, rep. by its Chairman श्री ड० मत्तेकरन्हस और अवैतनिक मंत्री श्री के० श्रीनिवास राव। (अन्तरिती)

4. श्री नारायण स्वामी, सुपुत्र श्री वेंकटरमणप्पा, पेन्था गांव, यशवंतपुर, हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, 3434/78-79 तारीख 9-11-78)

ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० जारकलंडेकवल गांव एलडुंका हुबली बेंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनक्लूड्ड इन दि कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2)

चक्रबंदी:

पू० : थिम्मा सेट्टि का जमीन
प० : कंटीरवा स्टुडियो
उ० : हाली चन्तप्पा का जमीन और
द० : श्रीचिक्कन्ना का जमीन

पि० रंगनाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

तारीख 15-6-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/23273/79-80/ए०सी०यू०बी—

यतः मुझे पि० रंगानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० 2 है, तथा जो जारकबंडेकावल, गांव एलहंका हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक (और अब इन्क्लूडेड इन दि बेंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजिनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9-196GI/79

1. श्री के० पि० देवराज, सुपुत्र श्री पूजप्पा, गुरगुंटपालया गांव, बेंगलूर Rep. by his Power of Attorney Holder श्री ए० नारायणास्वामि, सुपुत्र श्री वेंकटरमणप्पा, पिन्था गांव, यशवंतपुर, हुबलि, बेंगलूर नार्थ तालूक ।

(अन्तरक)

2. दि रेलवेमैन्स हाउस बिल्डिंग को-आपरेटिव सोसायटी लि० सर्वेन रेलवे, इन्स्टीट्यूट बिल्डिंग एस० जि० कालोनी, बेंगलूर, Rep. by its Chairman, श्री मसकरेहन्स और अवैतनिक सचिव श्री के० श्रीनिवास राव

(अन्तरिती)

3. वि० नारायण स्वामि, सुपुत्र श्री यशवंतपुर हुबलि, बेंगलूर नार्थ तालूक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज 3435/78-79 तारीख 9-11-78)

ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० 1, जारकबंडेकावल गांव, येल्हंका हुबलि, बेंगलूर नार्थ तालूक (और अब इन्क्लूडेड इन दि बेंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2) ।

चक्रवर्ती :

पू० । सोमायटी का जमीन,

प० : श्री मल्लप्पा का जमीन,

उ० : श्री एम० के० थिम्मय्या का जमीन और

द० : श्री पेरुमल नायडु का जमीन ।

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 15-6-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जून, 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/23274/79-80/ए०सी०क्यू०—

यतः मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० जी०/2-00 जमीन का इन सर्वे है तथा जो नं० 1, जारकबंडकावल गांव, हेलहंका हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक (और अब इन्कलूडिड इन दिवेंगलूर कार्पोरेशन विव्जीन नं० 2)। में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजिनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारकों—

1. श्रीमती हुनुमक्का पत्ति श्री चिक्काप्पा, हरिजन कालोनी, राजाजिनगर, बंगलूर Rep. by her P. A. Holder श्री जि० नारायणा स्वामि सुपुत्र श्री वेंकटरमणफेवा पिन्था गांव, यशवंतपुर हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक।

(अन्तरक)

2. दि रेलवेमैन्स हाउसिंग बिल्डिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि०, माउथर्न रेलवे, इनस्टीट्यूट बिल्डिंग एम० जि० रोड रेलवे कालोनी, बंगलूर Rep. by its Chairman श्री इ० मेस्करेहस और अवैतनिक सचिव श्री निवास राव

(अन्तरिती)

4. श्री बी० नारायणस्वामि सुपुत्र, वेंकटरमणय्या, पन्था गांव यशवंतपुर, हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक।

(वह वाक्य जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3436/78-79 तारीख 9-11-78)

ए० जी०/2-00 जमीन इन सर्वे नं० 1, जारकबंडकावल गांव हेलहंका हुबली बंगलूर नार्थ तालूक (और अब इन्कलूडिड इन दि कार्पोरेशन विव्जीन नं० 2)।

पू० : श्री थिम्मा सेट्टि, का जमीन,

प० : रोड बिल्डिंग टु लग्गेरि गांव

उ० : श्री मुनिरसप्पा का जमीन और

द० : श्री एम० के० थिम्मय्या का जमीन

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख 15-6-79

मोहर :

प्राप्ति आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० सीआर 23275/232-76/79-80—यतः मुझे पि० रंगनाथन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० ए जी० 2-00 जमीन इन है, तथा जो सर्वे नं० 1 जारकबंडकवल गांव, यलहंका हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक, (और अब इनक्लूडिज इन दि बेंगलूर कार्पोरेशन डिविजन नं० 2) में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), बेंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 9-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से तय करने के लिए किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० के० थिम्मश्या, गा० श्री फलशेगुडा, 1080
- 12 मेन रोड वैष्णालिकावल एकसटेनशन बेंगलूर-3, बेंगलूर-3, Rep. by his Power of Attorney Holder

श्री वि नारायण स्वामी, लुव वेंकटरमन पिन्ना गांव, यशवंतपुर हुबली, बेंगलूर नार्थ ।

2. दि रेलवेमैन्स डैम बिल्डिंग को—आंपरेटिवु सोसायिटि लि० मर्दन रेलवे, इन्क्विस्टिपुट बिल्डिंगम, एम० वि० रोड कालोनी, बेंगलूर and its chairman श्री इ० मेस्कर्टेस और Hon Secretary श्री के० श्रीनिवास रावे, (अन्तरितो)

4. श्री वि० नारायणस्वामि, पुन्न वेंकटरमण, पिन्ना गांव, यशवंतपुर हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3437/78-79 ता० 9-11-78)

ए० ही०/200 जमीन इन सर्वे नं० जी० जारकबंड काबल गांव, एलहक हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक, (और इनक्लूडिज इन दि कार्पोरेशन डिविजन नं० 2)

चक्रवर्दी

पू० रिमेनिग-पोर्शन आफ सर्वे नं० 1

पू० : श्री मान्दप्पा का जमीन

उ० : श्री चिक्कन्ना का जमीन

द० : श्री० के० वि० देवरासा का जमीन

पि० रंगनाथन्,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज बेंगलूर

तारीख : 15 जून 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
69-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 58/23276/79-80---यतः मुझे पि०
रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० जी० 200 जमीन इन है, तथा जो सर्वे नं० 1,
जाराकाबनडोकाबेल गांव, येएलहंका हुबली, बंगलूर नार्थ तालूक (और
अब इनक्लूड्ड इन दि बंगलूर कार्पोरेशन डिविजन नं०-2)
में स्थित है (और इन से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजाजिनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 9-11-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐगे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के पनवरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री मि० मल्लया, पुत्र श्री चिक्कचैने ग्रीडा, नं० 132,
IV क्रस 12/13 मेन रोड, हनुमंतनगर बेंगलूर,
Represented by his power of Attorney Holder
श्री नारायणस्वामि, पुत्र वेंकटरम्मण्णा पिन्या गांव, यशवंतपुर हुबली
बेंगलूर तालूक (अन्तरक)

2. दि रेलवेमेन्स हाउस बिल्डिंग को-ऑपरेटिव सोसायिटि लि०
माऊथर्न रेलवे इन्स्टीट्यूट बिल्डिंग एम० जि० कालोनी बेंगलूर,
Rep. its Presidents श्री ई० मेस्करानहाम, और Hon. Secretary
श्री के० श्रीनिवासाराव (अन्तरिती)

4. श्री वि नारायणास्वामी पुत्र वेंकटरामानापा, पिन्या गांव,
यशवंतपुर हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक (वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3438/18-79 ता० 9-11-78)

ए० डी० 200/जमीन इन सर्वे नं० 1 जाराकाबनडोकाबेल गांव,
एलहंका हुबली, बेंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनक्लूड्ड इन
दि कार्पोरेशन डिविजन नं० 2)

चक्रवर्ती :

पू० : श्री० एम० के० थिम्मया और श्री० के० पि० देवाराज
के जमीन,

प० : श्री पापन्ता का जमीन,

उ० : कंटीरावा स्टुडियो और रिमेनिंग और

दा० : पोर्णन आंफ श्री सि० मल्लया का जमीन

पि० रंगनाथन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 15 जून 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 62/23284/79-80/ए०सी०क्यू०/बी०—यन:

मुझे पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० $\frac{\text{ए०जी०}}{2-00}$ जमीन इन है, तथा जो सर्वे नं० 1

जारकबंडकावस गांव एसडुंका डोबलि बंगलूर नार्थ तालूक (और अब इनककुडंड इन दि बेंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं०-2) में स्थित है (और इस से अपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 9-11-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पि० मल्लाय्या, पुत्र श्री चिक्काश्विनी, 132, IV क्रान, 12 मेन राड, हनुमथयानगर, बंगलूर,
Rep. by his power of attorney holder
श्री पी० नारायणास्वामी श्री वेंकटरमणप्पा, पुनिया गांव, यशवंतपुर होबलि, बेंगलूर नार्थ तालूक (अन्तरक)

2. श्री दि० रेलवेमेन्स होम बिल्डिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि० सर्वेन, रेलवे इन्स्ट्र्यूड बिल्डिंग एम० सी० रेलवे कालोनि, बेंगलूर, Rep. by its Chairman श्री ड० यंस्केनेम, और Hon. Secretary श्री के० ओनिवासराव

4. श्री वी० नारायणास्वामी, पुत्र वेंकटरमणप्पा, पिनया गांव यशवंतपुर होबली, बेंगलूर नार्थ तालूक (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रोतस्वाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में इतिबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3699/78-79 ता० 9-11-78)

ए०जी० 2-00 एकड़ जमीन इन सर्वे नं० 1, जारकबंड कंवल गांव, पालाका होबलि, बेंगलूर नार्थ तालूक, (और अब इन दि बेंगलूर कार्पोरेशन डिवीजन नं० 2)

चक्रवर्ती :

पू. धिम्परया और के० पि० देबराजा के जमीन

प० : श्री पापण का जमीन,

उ० : जमीन सोलड टू रेलवेमेन्स होम बिल्डिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि० बेंगलूर-23 और

द० : श्री चिटटूडी रामय्या का जमीन

पि० रंगनाथन,

सक्षम अधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 16 जून 1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 जून 1979

निर्देश सं० 62/ 22698/79-80 Acq/B ---प्रतः

मुझे पि० रंगनाथ

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० न० 88/9 और दसिंग है, तथा जो साइड आफ 88/10, कोलस रोड बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजिनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 23/11/ 1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में नमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादा:—

1. श्री (1) श्रीमती तयारी बेगम,
- (2) श्री मोहम्मद अब्दुल (रहीम)
- (3) श्री मोहम्मद अब्दुल करीम
- (4) श्री मोहम्मद अब्दुल खादर
- (5) श्री मोहम्मद अब्दुल मोवान
- (6) श्रीमती फातिमा बी
- (7) श्रीमती मुबर्गा बेगम
- (8) श्रीमती स्था बेगम

नं० 2 से 8 तक स्त्री० हाजी मोहम्मद अब्दुल्ला हुसैन के बच्चे
All Residing at : बोरे ब्लॉक रोड, बंगलूर Nos. 1, 3, 4, 5, 6, 7 and 8, represented duly nominated attorney श्री मोहम्मद रहीम नं० 2 above names.

2. श्री (1) मोहम्मद मारगुब हुसैन

(2) मसूद अब्दुल खादर

बच्चे एच मोहम्मद इसमाइल 88/3, कोलस रोड, बंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पत्राति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त पत्राति के प्रजन के संबंध में कोई भी पात्रेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2322 /78-79 ता० 23/11/78)

सारा संपत्ति का नं० 88/9 और दफ्तर स्टूयर्ड आफ नं० 88/10, कोलस रोड बंगलूर, डिविजन 47)

चकबंदी :

पू० : सिंडिकेट बैंक बिल्डिंग,

प० : कोलस रोड क्रॉस,

उ० : प्रापटि बसा नं० 88/3 इन दि प्रांड फलीर और उत्तर साइज पोर्शन नं० 88/10, नौ० रिलेटिंग टु० मैनेस राक बडन साइड और दसर्स और द० में नं० 88/11, कोलस रोड, ।

पि० रंगनाथन्

सक्षम अधिकारी,

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29/6/79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/70—यतः मुझे एम० के० धर,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो कि दुर्गयाणा आवादी मुहल्ला लाजपत राय पुरानी बनावट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्री मदन मोहन शर्मा पुत्र श्री रलिया राम निवासी अमृतसर दुर्गयाणा आवादी मुहल्ला लाजपत राय अरब 16/5830, ब्लॉक नं० 4 देव नगर दिल्ली (अन्तरक)

2. आशा रानी पत्नी श्री मोहन लाल, अमृतसर दुर्गयाणा आवादी मकान नं० 377/16-4, अमृतसर (अन्तरिती)

3. सर्व श्री वेद राम रखा 2. सोम नाथ 3. रघुनाथ प्रसाद मुहल्ला लाला लाजपत राय, दुर्गयाणा आवादी, अमृतसर

जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वसिद्धकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 201, 376, 377/10-4 जो कि अमृतसर, दुर्गयाणा आवादी मुहल्ला जालपत राय (पुरानी बनावट) जैसा कि रजिस्टर्ड डीज नं० 2909 दिनांक 9-11-78 आफ रजिस्ट्रींग आथॉरिटी अमृतसर शहर की कार्यालय में दर्ज है।

एम के० धर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18 जून 1979

शेहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/71—यतः मुझे एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग जायदाद नं० 2120/VI/10 2123/VI/10 तक जिसका क्षेत्रफल 198.58 वर्ग मी० है तथा जो कि बाजार आटा मंडी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंचा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सिकन्दर सिंह पुत्र स० मालक सिंह निवासी गांव मुचरई तहसील बटाला (अन्तरक)

2. श्री बलवंत सिंह पुत्र स० जवाहर सिंह और मनजीत सिंह पुत्र स० बलवंत सिंह बाजार आई सेवा, अमृतसर (अन्तरिती)

3. सर्वश्री 1. मुख्तार राज 2. अजीत सिंह 3. जगजीत सिंह बाजार आटा मंडी अमृतसर।

जैसा कि आप सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पन्ध्र वर्ष में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद 2120/VI/10 से 2123/VI/10 तक जिसका क्षेत्रफल 198.58 वर्ग मी० है जो कि बाजार आटा मंडी, अमृतसर (पुरानी अमरत) में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3020 दिनांक 16-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अधा रिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-6-1979
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/72—यतः मुझे
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एक० मकान नं० 4920 है तथा जो
कि अमर कोट निकट खालसा कालोनी अमृतसर में स्थित
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर 1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) प्रमाण में हुई किसी आय की शायद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राजपत्र में कमी करने या उसमें बढ़ने में मूल्या
के लिए गौरव

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्या के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

10-1 96GI/79

1. श्री हरचरण सिंह पुत्र श्री वलीप सिंह निवासी मकान
नं० 4920, अमर कोट, निकट खालसा कालेज, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी श्री तलबिन्द्र सिंह चौक गोल
हट्टी अमृतसर (हाल बाजार)
(अन्तरिनी)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 4920 जिसका 170 वर्ग मी० है जो
कि अमरकोट निकट खालसा कालेज अमृतसर में स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रार डी० नं० 3211 दिनांक 30-11-78
आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में
दर्ज है।

एल० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-6-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० ए० आर०/79-80/73--यतः मुझे एम० के० घर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो कि पूर्व मोहन नगर अमृतसर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का शब्द, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. सरदार तेजासिंह पुत्र सं० मुन्दर सिंह गुरु राम दास नगर, अमृतसर (अन्तरक)

2. मैसज न्यू ड्रिल मशीन कारपोरेशन मालिक श्री मिक्का सिंह सपुत्र श्री बलदेव सिंह गुरुतानक पुरा, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है और कोई किरायेदार ही तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ता यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 145 बना हुआ जिसका क्षेत्रफल 208.3 वर्ग मी० है जो कि इस्ट मोहन नगर अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार रोड नं० 2796/1 दिनांक 3-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथवा अमृतसर शहर में दर्ज है।

एम० के० घर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-6-1979
मोहर :

प्रकरण प्रार्थी० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर० /79-80/74—यतः, मुझे,
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट है तथा जो कि गोपाल नगर,
अमृतसर में स्थित है (और जिससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या कितना धन या धन-
क्रास्तिधों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री सेवा सिंह निवासी
गली नं० 2, हुकम सिंह रोड, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री सदरीक सोहन लाल पुत्र श्री सोहन लाल 120,
भिवानी नगर, मजीठा रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शर्त:—

(क) उस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट प्राइवेट नं० में 1.5-6 जो कि गोपाल नगर
(सिव अरबन आबादी), अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार
डी० नं० 3497/1 दिनांक 22-12-78 आफ रजिस्ट्रींग
अथॉरिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-6-1979
मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
द्वारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० टी० के० /79-80/75—यतः मुझे
एम० के० घर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 48 कनाल 13 मरले
है तथा जो कि गांव हरियाल तहसील पठानकोट में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति, जो
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद व्यास पुत्र श्री गिरधारी लाल मेन बाजार
पठानकोट (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल पुत्र मुनशी राम पुत्र नागर मल महाजन
निवासी मकान नं० 3350/1, कटड़ा बधीयां, अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 48 कनाल 13 मरले है जो कि गांव
हरियाल तहसील पठानकोट जिला गुरदासपुर में स्थित है जैसा
कि रजिस्ट्रार डी० नं० 1564 दिनांक 2-11-78 आफ रजिस्ट्रींग
अथारटी, पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० घर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख 2-7-79
मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० टी० के०/79-80/76—यतः, मुझे,

एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 29 कनाल है तथा जो कि गांव लाडू चक तहसील पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना बाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगन नाथ पुत्र श्री मथुरा दास, गांव डेरो वाला तहसील पठानकोट (अन्तरक)

2. श्री संजीव कुमार पुत्र श्री राज पाल गुप्ता पुत्र श्री० दिवान चन्द निवासी मिशन रोड गार्डन कलोनी, पठानकोट (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अनुयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 29 कनाल है जो कि गांव लाडू चक तहसील पठानकोट में स्थित है जैसाकि रजिस्ट्रार डीड नं० 1644 दिनांक 10-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 2-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० पी० ए० सं० —

अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) को धारा
२६९-घ (१) द्वारा

कार्य करका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक २ जुलाई १९७९

निर्देश सं० पी० टी० के०/७९-८०/७७—यतः, मुझे, एम०
के० धर,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु०
से अधिक है, और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो कि नन्द
(अवपुर नगर) में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८
(१९०८ का १६) के अधीन, तारीख नवम्बर १९७८ की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के निम्न अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के नियत पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग का बाबत उक्त अधि-
नियम के प्राचीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) उक्त विधा पाये या किसी अन्य पर प्रत्येक प्राप्ति
को, तत्पश्चात् भारतीय आयकर अधिनियम, १९६१
(१९६१ का ११) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रत्येक अर्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ के अनुसूची में,
जहाँ उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ के उपधारा (१) के
अधीन लिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

१. श्री ओम प्रकाश पुत्र करम चन्द पुत्र श्री चेत राम अवरोल
नगर, पठानकोट (अन्तरक)
२. श्रीमती शिमला देवी पत्नी श्री दर्शन सिंह निवासी गांव
निवाला, तहसील पठानकोट (अन्तरिणी)
३. जैसा कि ऊपर सं० २ में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
४. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शर्त :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं,
बहु चर्च होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल ३१ सरला (६५ वर्ग मी०)
है जो कि नन्द पुर (अवरोल नगर) पठानकोट में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्रार डीड नं० १६६८ दिनांक १५-११-७८ आफ रजिस्ट्रींग
अथारटी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख: २-७-७९
मोहर:

प्रकरण चार्ज ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यजमान रजि. अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1979

निर्देशन में ए० एस० आर०/79-80/78—यतः मुझे एम०
के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो कि आनन्दपुर, पठानकोट
में स्थित है (और इससे उपासक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच ऐसे
अन्तर के लिए तब तक क्या प्रतिफल, दिवसदिनांक
उक्त में उक्त प्रस्तुत विधि में वास्तविक रूप से प्राप्त
नहीं किया जा सकता है।

(क) अन्तरण से हुई गलती आय की राशि उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
अधिनियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अंतर्गत अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया, या या दिया जाता चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री खरैनी लाल पुत्र श्री मलावा राम महाजन और श्री
अशोक कुमार पुत्र खजान चन्द ठारा श्री गुरप्रीत कुमार पुत्र मास्टर
कर्म चन्द पठानकोट मुखराना ग्राम० (अन्तरक)

2. श्री तरनोद सिंह, जोगिन्द सिंह पुत्रानन श्री जसन्त सिंह
59 माडल टाऊन, पठानकोट (अन्तरिकी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री यदि और कोई व्यक्ति इस जादा म स्थायी रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करने के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
भुक्त की तारीख से 30 दिन की अवधि
को भी अवधि द्वारा में प्राप्त होती जा, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस पद्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 मरला है 85
क० मी० जो कि अनंद पुरा पठानकोट में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्री डीक नं० 1710 दिनांक 18-11-78 आफ रजिस्ट्री-
अथारटी पठानकोट को कार्यालय में दर्ज है।

एस० के० धर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 2-7-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए०एस० आर०/79-80/79—यतः मुझे एम० के० धर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक भूमि का टुकड़ा नं० 18 खमरा नं० 2291, 2293, 2294 जिसका क्षेत्रफल 308.13 वर्ग मी० है तथा जो कि लारेंस रोड, अमृतसर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

एतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किशन कुमार पुत्र श्री घनश्याम दाम निवासी गुड़गावां (अन्तरक)

2. श्रीमती जनक कपूर पत्नी श्री ओम प्रकाश कपूर निवासी 230 ग्रीन एबन्यू, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी याक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 308.13 वर्ग मी० है जो कि लारेंस रोड अमृतसर में स्थित है (नं० 18 खमरा नं० 2291, 2293, 2294) जैसा कि रजिस्टर्ड प्लॉट नं० 3267/1 दिनांक 5-12-78 आफ रजिस्ट्रार अथॉरिटी, अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-7-79
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० टी० टी० / 79-80/80—यतः मुझे एम० के०
घर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० एक मकान नं० 12/272 है तथा जो
कि अन्धखन आबादी पुरानी बाग बग़ीचावाला, तरन तारन
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन
तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यसे कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11 196GI/79

1. श्री कुन्दन सिंह पुत्र सं० बहादुर सिंह, निवासी तरन
तारन जिला अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री हरी सिंह पुत्र सखन सिंह 1/2 भाग सखिन्द
कोर पत्नी सं० हरी सिंह, निवासी मंझूर तहसील कपूरथला,
जिला कपूरथला

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० में और कोई विरायेदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अग्रोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 12/272 जो कि आबादी पुरानी बाग
बग़ीचावाला तरन तारन में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड
नं० 5152 दिनांक 11-12-78 आफ रजिस्ट्रि अथारटी तरन
तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० घर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 3-7-1979

मोहर :

प्रारूप आर्द्द टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० टी० टी०/79-80/81—यतः मुझे,
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान खाता नं० 12/30 खमरा नं०
30/26 है तथा जो किसरहालीरोड तरन तारन में
स्थित है और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 9-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र जगत सिंह निवामी तरन तारन ।
(अन्तरक)

2. श्री कुन्दन सिंह पुत्र फोजा सिंह निवावी सूर सिंह
तहमील तरन तारन । (अन्तरिती)

मैं श्री 1. मैसर्स एग्री इन्डस्ट्रीज तरन तारन 2. श्री
जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री जगत सिंह, तरन तारन ।

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो ।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकने ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुकान खाता नं० 12/30 खमरा नं० 30/26
जो कि तरन तारन में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड
नं० 5404 दिनांक 27-12-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी
तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है ।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 3-7-79 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश नं० टी० टी० /79-80/82—यतः मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो कि सरहाली रोड, तरन तारन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ब्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी तरन तारन (अन्तरक)

2. श्रीमती दबिन्द्र कौर पुत्री बसी सिंह पत्नी श्री स्वर्ण सिंह निवासी पट्टी। (अन्तरिती)

सर्वश्री 1. सैमरम एग्रोइंडस्ट्रीज तरन तारन 2. जोगिन्द्र सिंह पुत्र जगत सिंह तरन तारन।

4. यदि कोई व्यक्ति इस ज्यादाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जो कि सरहाली रोड, तरन तारन में स्थित है जमा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 5405 दिनांक 27-12-78 आफ रजिस्ट्रींग आथारटी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 3-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए०एम० आर० 79-80/83—यतः मुझे एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग जायदाद है तथा जो कि बाजार आटा मंडी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृष्टि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति यों अर्थात :—

1. श्री गुरशरण सिंह पुत्र मालक सिंह निवासी गांव बीला बाजू, तहसील बटाला। (अन्तरक)

2. श्री हरिन्द्र सिंह और रजिन्द्रपाल सिंह पुत्रान बलवन्त सिंह, निवासी 417 ग्रीन एबन्यू, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. 1. सर्व श्री गुलाब राज 2. अजीत सिंह 3. जगजीत सिंह आटा बाजार मंडी, अमृतसर।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद हवेली में सं० 2120/6-10 और 2123/6-10 पुरानी अमरत जिसका क्षेत्रफल 198-58 वर्ग मी० है जो कि बाजार आटा मण्डी, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड में 3197/1 दिनांक 29-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80/84—यतः मुझे एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो कि गार्डन कालोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरलिखितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों :—

1. श्री राम सिंह पुत्र श्री हरि सिंह, गार्डन कालोनी नं० 1, दुनी चंद रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री वार्ड एम० पुरी पुत्र श्री भीखम सिंह पुरी आई० ए० सी० सुपरइन्टेण्डेंट इंजीनियर, गान्धी नगर, जम्मू (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो कि गार्डन कालोनी अमृतसर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 754 वर्ग मीटर है जैमाकि रजिस्ट्रड डीड नं० 2/755/1 दिनांक 2/11/78 आफ रजिस्ट्रींग आथरटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-7-79
मोहर :

राज्य आई. टी. एन. एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर० 79-80/85—यतः मुझे एस० के० धर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिकी सं० एक मकान का 1/2 भाग है तथा जो कि अमृतसर जंगी शिवाला में स्थित है (और जो इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिनमें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री श्रीम प्रकाश पुत्र लाल चन्द, प्रेम कुटिल, बम्बई अब जंगी शिवाला, अमृतसर, (अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश पुत्र बोध राज, मुशीला देवी पत्नी वेद प्रकाश, विजय कुमार, विपिन कुमार और अशोक कुमार मुगान वेद प्रकाश, जंगी शिवाला, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर से 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में तिब्बत है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का 1/2 भाग जो 4 1/2 मंजिला है न० 2888 2889 और 182 VI—2 जो कि बाजार जंगी शिवाला अमृतसर में स्थित है जैसाकि रजिस्टर्डडिड 2820/1 दिनांक 4/11/78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-7-1979

मोहर:

प्रकृष माई टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर० 79-80/86—यतः मुक्त एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान का 1/2 है तथा जो कि जंगी शिवाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8 नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एम० के० धर या किसी धन या अन्य व्यक्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कालीचरण पुत्र लाल चन्द 10/2 आजाद नगर, बंबई द्वारा ओम प्रकाश अटारनी) (अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश पुत्र बोध राज और मुनीना देवी पत्नी श्री वेद प्रकाश जनक राज, विजय कुमार और आशोक कुमार पुत्रान (अन्तरिती)

3. श्री वेद प्रकाश, बाजार जंगी शिवाला, अमृतसर जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पद सूचना जारी करके पूर्वोक्त पंक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का 1/2 भाग 4-1/2 मंजिला नं० 2888, 2889 और 182/VI-I जो कि बाजार जंगी शिवाला में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री रोड नं० 2862/1 दिनांक 7-11/75 आफ रजिस्ट्रींग आथॉरिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 4-7-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/87—यतः मुझे,
एम० के० धर,
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो कि कटडा घनईयां,
बाजार चमड़े वाला अमृतसर में स्थित है। (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तर्गत की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
म कमी करने या उनमें बढ़ते में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किमा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

1. श्री सन्त सिंह पुत्र ईशर सिंह 69, अजीत नगर
अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जननैल सिंह पुत्र गुगदिदा मल दुकान नं०
662/1, बाजार चमड़े वाला, अमृतसर (अन्तरिती)

3. सर्व श्री साधु राम मारफत जायदाद जोकि बाजार
चमड़े वाला अमृतसर में स्थित है।

4. यदि और कोई व्यक्ति जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके स्वयं सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नम्बर पुराना 662/1 निली प्लेट नं० 348/1-
2 जोकि कटडा घनईयां, बाजार चमड़े वाला अमृतसर में
स्थित है जैसाकि रजिस्टर्ड डीडी नं० 3040/1 दिनांक 17-11-
78 आफ रजिस्ट्रींग अधाउटी अमृतसर के कार्यालय में
दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 3-7-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० ने० एल०/79-80—यतः, मुझे, एम० के० घर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जोकि भीलोवाल अजनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शर्तियों, प्रणीत:—

12—196GI/79

1. श्री श्रीम प्रकाश अशोक कुमार पुत्रान जगत मित्र निवासी भीलोवाल तहसील अजनाला, जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री जमवन्त सिंह, पूर्ण सिंह, जगीर सिंह गुरमीत सिंह पुत्रान उधम सिंह, गांव भीलोवाल तहसील अजनाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल है जो कि गांव भीलोवाल तहसील अजनाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3248/1-12-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अजनाला के कार्यालय में दर्ज है

एम० के० घर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, अमृतसर

तारीख: 17-7-79
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० जे० एल०/79-80 (यतः—मुझे, एम०
के० धर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है जो तथा जो भिण्डी औलख,
अजनाला में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
बद्धि से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री प्रताप सिंह पुत्र आसा सिंह चनन सिंह, जीवन सिंह
पुत्रान प्रनाप सिंह निवासी भिण्डी सैदा तहसील अजनाला
(अन्तरक)
2. श्री मुखतार सिंह जगतार सिंह बलकार सिंह पुत्रान
अजीत सिंह निवासी भिण्डी औलख तहसील अजनाला
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में
सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 150 कनाल है जो कि गांव
भिण्डी औलख तहसील अजनाला में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्रार डीड नं० 3328 दिनांक 5-12-78 आफ रजिस्ट्रींग
अथारटी अजनाला के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी टी के/79-80—यतः, मुझे, एम० के०

घर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक सकान भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल है तथा जो आनन्दपुर अवरोल नगर पठानकोट में स्थित है (और इसमें उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सरदार प्रीतम सिंह बेदी पुत्र पूर्ण सिंह वेदी निवासी गुरदासपुर अब तहसील बरसी पठाना जिला पटियाला द्वारा श्री हरबंस लाल पुत्र श्री चुनी लाल मुख्तार-ए-ग्राम निवासी पठानकोट (अन्तरक)
2. श्रीमती विमला देवी विधवा स्वर्गीय लैफ्टीनेंट कर्नल डी० आर० राम पाल, श्री परमानन्द विशम्बर, पुत्रान स्वर्गीय कर्नल डी० आर० राम पाल पुत्र श्री चुनीलाल राम पाल भारफत मेजर एन० के० राम पाल निवासी तहसील पठानकोट जिला गुरदासपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

एक सकान भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल है जो कि आनन्दपुर अवरोल नगर पठानकोट में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 1592 दिनांक 6-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० घर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80- यतः मुझे एम०
के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक इमारत नं० 548/5 है तथा जो कि
बाजार लछमनसर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर
1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सर्वश्री इन्द्रसिंह, सुरजीत सिंह पुत्रान शाम सिंह और
श्रीमती करतार कौर विश्रवा शाम सिंह ग्रीन एवन्स, अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रपाल पत्नी इन्द्रजीत और चरणजीत कौर
पत्नी सरदार हरिन्द्र सिंह कटड़ा दल सिंह, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो
तो श्री नारायण सिंह मार्फत सम्पत्ति (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० 548/5 जो कि बाजार लछमनसर
अमृतसर (156 वर्ग मी०) जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं०
3175/1 दिनांक 27-11-78 रजिस्ट्रार अथारटी
अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 17-7-1979
मोहर :

प्रकरण धाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० जे० एल० के० एल०/79-80—यतः मुझे एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिनकी सं० वह कृषि भूमि है तथा जो जगतपुर स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, झवाल कलां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्ड प्रशस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधुन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

धनः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्माः—

1. श्री वसन सिंह, गुलखन सिंह और दर्शन सिंह पुत्रान इन्द्र सिंह गांव जगतपुर (अन्तरक)

2. श्री तारा सिंह, दरबारा सिंह और गुलजार सिंह पुत्रान सरदार रूड सिंह गांव संग्राह तहमील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिन के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ज़रूरीबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल मरले है जो कि गांव जगतपुर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 708/13-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अपारटी झवाल कलां के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-1979
मोहर

प्रकृप धार्मिक टी० एन० एस०-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80—यतः मुझे एम०
के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि झंडेर महा
पुरखा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाब की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

धनः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री शंगारा सिंह बहादुर गांव झंडेर महा पुरखा
तहसील अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री जानी मेजर सिंह, मतवन्त सिंह, मेहर सिंह,
तरमेल सिंह पृथ्वी हरभजन सिंह निवासी झंडेर महा
पुरखा तहसील अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल कनाल 47 है जो कि गांव
झंडेर महा पुरखा तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्रार डीड नं० 4678/13-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी
अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80—यतः, मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि मजीठा में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कर्तार कौर पुत्री राम कौर निवासी मजीठा तहसील अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री राही श्री जगजीत सिंह, मुख्तार ग्राम सरदार अजीत सिंह, बलकार सिंह, मुचा सिंह पुत्रगण बरगाम सिंह वासी मजीठा तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 15 मरसे है जो कि गांव मजीठा तहसील अमृतसर में स्थित है और जैसा कि सेल डीड नं० 4,217/17-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि. अमृतसर कार्यालय

अमृतसर दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर० /79-80—यतः मुझे एम०
के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हमने इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि. भूमि है तथा जो कि
गांव कोटलादल सिंह, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की जाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तिओं
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जया जा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र म० जगवीर सिंह निवासी कोटला दल
सिंह तहसील अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री गुग्दीप सिंह, मुरजीत सिंह पुत्रान शिवांगी सिंह, लखा
सिंह, बलकार सिंह हर्षभोज सिंह पुत्रान उषान सिंह निवासी काला
धनुपुर तहसील अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि आर० सं० 2 में और कोई तिरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिनके अधिशोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति उक्त जापदाद में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

धनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 16 मरले का
1/3 भाग 140 कनाल 10 मरले मिन किलानं० 22/1, 2,
3, 8, 9, 10, 11, 12, 19, 20, 21, मिन 22, 23/4, 5, 6, 7
मिन 15 मि, 16 मिन 25 मिन 32/1, 9 मिन, 10 मिन, 12/1,
2, जो कि गांव कोटला दल सिंह में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार
डोड नं० 4219/17-11-78 आफ रजिस्ट्री अथारटी अमृतसर
तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि. अमृतसर

तारीख : 17-7-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर० 79-80—यतः मुझे एम० के० धर,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिनमें सं० कृषि भूमि है तथा जो कि कोटला दल सिंह में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार प्रविष्टियों के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-न्याय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

13=196GI/79

1. श्रीमती हरिन्द्र कौर पत्नी सन्दर जगबीर सिंह निवासी कोटला दल सिंह तहसील अमृतसर (अन्तरक)

2. सरदार गुरदीप सिंह, सुरजीत सिंह, पुत्रान शिगारा सिंह, लखा सिंह, हर भोज सिंह बलकार सिंह पुत्रान उपार सिंह निवासी कालाधनुपुर तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हांतां (वह व्यक्ति जिनके अदिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 16 मरले है जो कि गांव कोटला दल सिंह में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार डी० नं० 4220/17-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अधारटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79
मोहर :

प्रसूत आई० टी० एन० एम०—

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80—यंतः मुझे एम० के० धर,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन मजबूत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि कोटला दल मिह में स्थित है (और हमने उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशि उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मरदाद रिमन्द मिह पुत्र मरदाद जगवीर सिंह निवासी गांव कोटला दल मिह

मरदाद गुरदीप मिह, गुरजीन मिह पुत्रान गंगारा (अन्तरक) मिह 1/2 भाग लखा मिह, बनकारा मिह, हरशंजी मिह, पुत्रान ऊपर मिह 1/2 भाग निवासी गांव कोटला दल मिह (अन्तरिकी)

3. जैना कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति हम जायदाद में रूची रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मूल्य के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जा के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 1/3 का 140 कनाल 10 मरले जो कि गांव कोटला दल मिह में स्थित है जैसा कि सेल डीड सं० 4221/17-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अधास्टी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

मजबूत प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख 17-7-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० टीटी/79-80—यतः मुझे एम० के० धर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जोकि गांव हूँडा तरन तारन में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जयवंत कौर विद्या नारा सिंह गांव हूँडा तहसील तरन तारन (अन्तरक)

2. सरदार इन्द्र सिंह पुत्र बचन सिंह 1/2 कश्मीर कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह 1/4 दलवीर कौर पत्नी जमा सिंह गांव चीमा तहसील पट्टी (अन्तरिती)

3. जैरा कि ऊर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्तिजिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति हम जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 82 कनाल 13 मरफे है खाना सं० 89/271 जो कि गांव हूँडा में स्थित है जैसा कि फेल डीड नं० 4770/17-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अफार्डो तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख 17-7-79

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० झवाल कला 79-80—पैन: मुझे एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव धार झवाल कला में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झवाल कला में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित :—

1. श्री प्रमजीध सिंह परमजीत सिंह, श्रीमती प्रवदीप कौर पुत्री सोवा सिंह, तावालाण्ड डंड द्वारा कुलवंत सिंह पुत्र बहादुर सिंह, गांव गान्डीला नहमील जगाधरी (अन्तरक)
2. श्री सेवा सिंह पुत्र बर्याम सिंह गांव ब डा० धार जिला अमृतसर (अन्तरिनी)
3. जैता कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका श्रेतफल (नहरी) खसरा नं० 113/22/1 256 257 44/19/1 4-40 4-7 4-0 5-15 8-0 7-12=17/1 2-18 12/2/18/8-020/2 1-00 101-7-2 2-0 जो कि गांव डंड में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० 746/20-11-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथारटी झवाल कला के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 17-7-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80--यतः मुझे एम०
के० धर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो कि गांव बगवां
में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितिया) क
बीच ऐन अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण सं 85 तम आर का बाजार, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देन क अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसा कि साधारण या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--1. सरदार दयाल सिंह कालेज ट्रस्ट सोसाईटी, करनाल,
श्री रती राम मुख्तार-ए-आम, (अन्तरक).2. श्री गुरुदेव सिंह, जसवीर सिंह कुलवीर पुत्रान कृपाल
सिंह निवासी गांव कोटला गुजरांतहसील अमृतसर (अन्तरितो)3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता, है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुनि भूमि जिसका क्षेत्रफल 45 कनाल 6 मरले है जो
खमरा नं० 86/1, 42/1219/2/20 37/18/1/19/2/42/21
22/1 26/1/1 कि गांव बगवां में स्थित है जैसा
कि मेल डीड नं० 4300/22-11-78 आफ रजिस्ट्रींग
अथारिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

प्रत्यक्ष आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80—यन: मुझे एम०
के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव बरना आबाद में
स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर तहसील में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारन्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सरदार दयाल सिंह कालेज ट्रस्ट सोमाईटी करनाल राही
श्री रत्नी राम शर्मा (मुख्तार-ए-ग्राम)

(अन्तरक)

2. श्री दबिन्द्र सिंह, बलविन्द्र सिंह, कुलवीर सिंह, पुत्रान त्रलोक
सिंह निवासी बजरा आबाद तहसील अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो
(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पान लिखित में लिखे जान होंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 33 कनाल 8 मरले है
जो कि गांव बरना आनाद तहसील अमृतसर में स्थित है
जैसा कि सेल डीड नं० 4305/22-11-78 आफ रजिस्ट्रींग
अथारटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर० /79-80---यन: मुझे
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रजि जीमा में स्थित
है (और इसके उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रवीन चन्द पुत्र जगदीश चन्द निवासी गांव रजि
जीमा तहसील अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री बलवीर सिंह पुत्र फीजा सिंह निवासी मोहल

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई क्रियादेदार हो
तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल 14 मगल है
जो कि गांव रजि जीमा में स्थित है जैसा कि सेल डीट नं०
4356/24-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अध्याप्टी अमृतसर तहसील
के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अमृतसर

तारीख : 17-7-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80—यन: मुझे एम० के० घर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान नं० 661/3 है तथा जो कि गली पीपल वाली चौक माना सिंह अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन अर्थात्:—

1. श्रीमती चरणजीत कौर, बलवीर कौर, अमरजीत कौर पुत्रीयां सरदार गजन सिंह, चौक माना सिंह गली पीपल वाली अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती हरनान कौर पत्नी सरदार हरदियाल सिंह और प्रागदाम अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो सर्व श्री हरदीप सिंह, देव राज, राम कृष्ण, रत्न सिंह गुरुबख्श सिंह, राम लाल, हंस राज और श्री प्रकाश चन्द।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 661/3 और तथा नं० 687/III- 10 जो कि चौक माना सिंह गली पीपल वाली अमृतसर में स्थित है (407 वर्ग मी०) जैसा कि सेल डीड नं० 3029/ दिनांक 17-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटीज अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० घर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 17-7-79
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 31st July 1979

No. F.2-79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed Smt. Swarni Bati, Officiating Librarian and appointed her substantively to the post of Librarian in the Supreme Court Library with effect from the forenoon of 30 July 1979.

B. M. CHANDWANI,

Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th July 1979

No. A.12019/1/79-Admn.II.—In partial modification of this Office Notification No. P.1042/Admn.II dated 30th June, 1979 Shri T. M. Kokel, a permanent Private Secretary (Selection Grade of CSSS) in the office of UPSC is hereby appointed to officiate as Special Assistant to Chairman, UPSC, a Group 'A' post in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 on transfer on deputation basis with effect from 10-7-79 until further orders. However, the appointment of Shri T. M. Kokel for the period from 30-6-79 (A.N.) to 9-7-79 (A.N.) will be against a group 'B' post of Spl. Assistant to Chairman in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

On the appointment as Special Assistant to Chairman the pay of Shri T. M. Kokel, will be regulated in terms of the Ministry of Finance OM No. F10(24)-E-III 60, dated 4-5-1961 as amended from time to time.

The 20 July 1979

No. A. 32013/2/77-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Dr. R. Bhaskaran, lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut, and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of 21-7-79 to 20-10-79 or until further orders, whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

No. A. 32013/2/77-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R. and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of 30-7-79 to 20-10-79 or until further orders whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

for Chairman

New Delhi-110011, dated the 17 July 1979.

No. A. 32014/1/79-ADMN.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on an *ad hoc* basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

S.No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1	2	3	4
1.	Sh. K.P. Iyer	17-6-79 to 31-7-79	..
2.	Sh. R.P. Sharma	27-6-79 to 11-8-79	..
3.	Sh. S.D.S. Minhas	18-6-79 to 2-8-79	..
4.	Sh. Krishan Kumar	1-6-79 to 21-7-79	..
5.	Sh. G.P. Bhatta	1-6-79 to 16-7-79	..
6.	Sh. S.N. Ghosh	4-6-79 to 19-7-79	..
7.	Sh. O.P. Kathuria	4-6-79 to 19-7-79	..

14—196GI/79

No. A. 38013/1/79-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri G. R. Sapra, a permanent Private Secretary (Grade A of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission) to retire from Govt. service voluntarily in accordance with Rule 48A of (CS (Pension) Rules 1972 w.e.f. the forenoon of 31st July, 1979.

The 25th July 1979

No. A. 32013/1/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of Selection Officer's Grade of the CSS Cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on *ad hoc* basis in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period

1. Shri B. S. Kapur—12-7-79 to 11-10-79.
2. Shri J. P. Goel—2-7-79 to 16-8-79.
3. Shri R. N. Khurana—1-6-79 to 16-7-79.

The 26th July, 1979

No. A. 32014/1/79-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on an *ad hoc* basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

S.N.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1.	Shri B.R. Basra	1-7-79 to 29-8-79	..
2.	Shri R.K. J. suja	1,7,79 to 31,8,79	..
3.	Shri S.N. Sh rma	1,7,79 to 31,8,79	..
4.	Shri Jai Narain	1-7-79 to 31-8-79	..
5.	Shri S.R. Khanna	1-7-79 to 31-8-79	..
6.	Shri N.K. Dhingra	1-7-79 to 31-8-79	..
7.	Shri B.L. Sharma	1-7-79 to 31-8-79	..
8.	Shri M.N. Arora,	12-7-79 to 20-8-79	..
9.	Shri J.L. Sud	1-7-79 to 10-8-79	..

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 31st July 1979

No. 87 RCT 28.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Garg, a permanent Section Officer of Central Secretariat service as Section Officer in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 21st July 1979, until further orders.

K. L. MALHOTRA

Under Secy.

for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 21st July 1979

No. M. V-1/79-Legal-Misc. KW-Pers. II.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), as amended by Act No. 45 of 1978, the Central Government hereby appoints Shri M. S. Hundal, Joint Assistant Director (Legal), Central Reserve Police Force, Rama Krishna Puram, New Delhi, as a Special Public Prosecutor for the purpose of conducting the prosecution of all criminal cases relating to the offences punishable under section 9 or 10 of the Central Reserve Police Force Act 1949 (Act 66 of 1949) instituted against members of the Central Reserve Police Force, pending on the date of this Notification before the Court of various Commandants/Assistant Commandants-cum-Judicial Magistrates First Class.

S. S. JOG

Jt. Secy.

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, 5th July 1979

No. A-19021/1/79-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri E. N. Rammohan, I.P.S. (1965-Meghalaya) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, with effect from the afternoon of 9th July, 1979 and until further orders.

H.F.R.O. A. SHIAHANEY
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 27th July 1979.

No. P. VII-6/77-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Subedars Majors/Subedars of CRP Force to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. They took over charge of the posts in the Battalions and on the dates indicated against their names:—

Sl.No.	Name of the Officer	Unit to which posted	Date of taking over charge.
1.	Shri Raghubir Singh	1Bn	15-6-79 (FN)
2.	Shri N.S. Rawat	36Bn	8-6-79 (FN)
3.	Shri T.C. Yadav	24Bn	12-6-79 (FN)
4.	Shri Budh Ram	30Bn	14-6-79 (FN)
5.	Shri Chhatar Singh Yadav	38Bn	13-6-79 (FN)
6.	Shri Milap Singh	20Bn	20-6-79 (FN)
7.	Shri Nanak Singh	45Bn	19-6-79 (FN)
8.	Shri Suresh Chandra	52Bn	15-6-79 (AN)
9.	Shri J.K. Chhibber	33Bn	14-6-79 (FN)
10.	Shri Shiv Lal	6Bn	26-6-79 (FN)

The 28th July 1979

No. P.VII-1/79-ESTT.—The President is pleased to appoint on promotion, Inspector Hari Chand as Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in the CRPF, purely on *ad hoc* basis, with effect from 16th June 1979.

2. The above *ad hoc* promotion shall not confer on the officer any benefit towards seniority/confirmation in the rank of Dy. S. P. The service rendered by Shri Hari Chand as *ad hoc* Dy. S. P. shall also not count towards his eligibility for further promotion.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th July 1979

No. 10/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Mahesh Ram, Senior Geographer in the Office of the Registrar General, India, New Delhi and at Present working as Map Analyst on *ad-hoc* basis, in the same office, as Research Officer (Map) on regular basis, in a temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of 4th July 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 10/9/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri C. G. Jadhav, Research Officer (Social Studies) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) on *ad-hoc* basis in the same office, as Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) on a regular basis, in a temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of 9th July 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 11/81/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Birendra Singh, an officer belonging to the Manipur Civil Service, as Director of Census Operations, Manipur, Imphal, with effect from the afternoon of 30 June 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Singh will be at Imphal.

CORRIGENDUM

No. 11/84/79-Ad.I.—In this office notification No. 11/84/79-Ad.I, dated 16th July 1979 in paragraph 1 the date of appointment of Shri K. L. Negi as Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla, may be read as "with effect from the forenoon of 9th July 1979".

The 27th July 1979

No. 7/2/79-Ad.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. R. Unni as Deputy Director (Programme) in a substantive capacity with effect from the forenoon of the 21st July 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Unni will be at New Delhi.

No. 11/94/79-Ad.I-14843.—The President is pleased to employ Shri P. S. R. Avadhany, with effect from 1st August 1979 for a period of 6 months as Deputy Director of Census Operations in the scale of Rs. 1100—50—1600 in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh.

The headquarters of Shri Avadhany will be at Hyderabad.

The 28th July 1979

No. 11/75/79-Ad.I-14967.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Gandhe an officer belonging to Grade II of the Indian Economic Service and presently holding the post of Director, Planning and Statistics, under the Government of Goa, Daman, Diu, as Director of Census Operations, Goa, Daman and Diu, Panaji in an *ex-officio* capacity with effect from the forenoon of 20th March 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Gandhe will be at Panaji.

No. 11/93/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Chhaya, an officer belonging to the Gujarat Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad with effect from the forenoon of 17th July 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Chhaya will be at Ahmedabad.

The 30th July 1979

No. 10/28/78-Ad.I-15165.—The President is pleased to appoint Shri S. D. Tyagi, Senior Geographer in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Research Officer (Map), on *ad-hoc* basis as Research Officer (Map) in the same office on regular basis, in a tempo-

rary capacity, with effect from the forenoon of 12th July 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Tyagi will be at New Delhi.

No. 11/91/79/Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. M. Nair, an officer belonging to the Union Territories Cadre of the Indian Administrative Service and at present holding the Post of Administrator, Union Territory of Lakshadweep, as Director of Census Operations, Lakshadweep, Kavaratti in an *ex officio* capacity with effect from the forenoon of 22nd June 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Nair will be at Kavaratti.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
DEPT. OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 24th July 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 19th April 1979, the *ad-hoc* appointment of Shri G. L. Damor, as Deputy Control Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 6 months with effect from 19th June 1979.

The 25th May 1979

F.No BNP/C/5/79.—Shri S. L. Malhotra, a permanent Junior Supervisor (Mechanical) is appointed in an officiating capacity as Assistant Engineer (Air-conditioning) in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200/- in the Bank Note Press, Dewas on transfer basis with effect from 23rd May 1979 (F.N.) until further orders.

The 27th July 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/78, dated 7th November 1978 the appointment of Shri N. G. Kibe, as Accounts Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period up to 30th September 1979 on the existing terms and conditions.

P. S. SHIVARAM
General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

MADHYA PRADESH

Gwalior, the 7th July 1979

No. O.F.I/I/S/1164.—In terms of Rule 43 of C.C.S. (Pension) Rules 1972, the Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to permit Shri A. V. Shankar Iyer, Accounts Officer to retire voluntarily from services w.e.f. 1st August 1979 F.N.

D. C. SAHOO
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Jaipur, the 23rd July 1979

No. Admn II/G-G Notification/4964.—The Accountant General is pleased to promote Shri Om Prakash Sharma-II, Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer with effect from 12th July 1979 (F.N.) until further orders.

R. A. BORKAR
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 24th July 1979

No. 2173/A-Admn/130/79.—Consequent on his permanent absorption in the Neyveli Lignite Corporation, with effect from 29th July 1979 (FN) the Lien of Shri T. Gopalachary, Substantive Audit Officer in this Department will stand terminated in terms of F.R. 14-A (d) from the same date.

K. B. DAS BHOWMIK
Joint Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta the 24th July, 1979

The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories Organisation with effect from the dates indicated against each until further orders :-

Sl. No. (1)	Name & Post (2)	Posted at (3)	Date (4)
1.	Dr. (Mrs.) Sujata Chakraborty, Asstt. Medical Officer	Ord. Factory, Khemaria	22-2-1979
2.	Dr. (Mrs) Chhabi Roy Asstt. Medical Officer	Metal & Steel Fy. Ishapore	22-2-1979
3.	Dr. Ram Govind Gupta Asstt. Medical Officer	Ordnance Fy. Kanpur	30-3-1979
4.	Dr. Haripal Singh, Asstt. Medical Officer	Ordnance Fy. Muradnagar	9-4-1979
5.	Dr. R. Viswanatha Reddy, Asstt. Medical Officer	Clothing Fy. Avadi	23-4-1979
6.	Dr. Rotash Kanwar, Asstt. Medical Officer	Ord. Parachute Fy. Kanpur	24-4-1979
7.	Dr. Sudhir Kumar Jha Asstt. Medical Officer	Gun & Shell Fy. Cossipore	24-4-1979
8.	Dr. R.R. Ahirwar Asstt. Medical Officer	Heavy Vehicle Fy. Avadi	27-4-1979
9.	Dr. T.K. Venugopal, Asstt. Medical Officer	Ordnance Fy. Ambarnath	30-4-1979

(1)	(2)	(3)	(4)
10.	Dr. H. Veerbhadrappa, Asstt. Medical Officer	Cordite Fy. Aruvankadu	30-4-1979
11.	Dr. Phool Chand, Asstt. Medical Officer	Small Arms Fy. Kanpur	30-4-1979
12.	Dr. Harmit Singh Chandra, Asstt. Medical Officer	Clothing Fy. Shahjhanpur	30-4-1979
13.	Dr. P. Regunath, Asstt. Medical Officer	Ord. Fy. Tiruchirapalli	30-4-1979
14.	Dr. V.K. Jahagirdar, Asstt. Medical Officer	Ammunition Fy. Kirkee	4-5-1979
15.	Dr. R.K. Samal, Asstt. Medical Officer	Ord. Fy. Dehra Dun	7-5-1979
16.	Dr. S.R. Kulkarni, Asstt. Medical Officer	Vehicle Factory Jabalpur.	14-5-1979
17.	Dr. M.R. Reddy, Asstt. Medical Officer	Ammunition Fy. Kirkee	17-5-1979 17-5-1979
18.	Dr. R.R. Williams Asstt. Medical Officer	Ammunition Fy. Kirkee	18-5-1979
19.	Dr. S.S. Dawood Saheb, Asstt. Medical Officer	Gun Carriage Fy. Jabalpur	18-5-1979
20.	Dr. S.K. Mahapatra, Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Kanpur	14-6-1979

O.P. BAHL

ADDL. DGOF

for DIRECTOR GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 25th July 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1307/79-Admn.(G)/5565.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Malhotra, Superintendent of Central Excise Grade 'B' in the Department of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi, as Assistant Director (Drawback) in this office on deputation basis for a period of six months w.e.f. the forenoon of the 9th July 1979.

RAJINDER SINGH

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 11th July 1979

No. A-19018/316/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. O. Lone, IAC (J&K-1970), Deputy Director (Admn.) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. I) (General Administrative Division) in the same Office with effect from the forenoon of 1st May 1979 and until further orders.

No. A-19018(378)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Om Prakash, Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Agra as Assistant Director (Gr. I) (Leather/Footwear) in the same Institute

with effect from the forenoon of 4th April, 1979, until further orders.

No. A. 19018(115)/74-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri V. Ramdas, permanent Superintendent in the Small Industries Service Institute, Ahmedabad to officiate as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the same Institute on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 4th April, 1979 to 6th June, 1979.

The 12th July 1979

No. A-19018(231)/75-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri M. L. Sarin, a permanent Superintendent in the Small Industries Service Institute, Kanpur to officiate as Assistant Director (Grade II) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Patna, on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 8th June, 1979.

No. A-19018(379)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Dutta, Small Industry Promotion Officer (Chemical) in the Small Industries Service Institute, Cuttack as Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the same Institute with effect from the forenoon of 4th June, 1979, until further orders.

The 16th July 1979

No. A-19018(43)/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Jogankur Roy, Dy. Director (Statistics) in the Directorate General of Mines Safety, Dhanbad as Dy. Director (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 25th April, 1979.

The 19th July 1979

No. 12/316/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Verma, Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Jaipur as Director (Gr. II) (Mechanical) on *ad hoc* basis in Central Tool Room, Ludhiana with effect from the forenoon of 25th June, 1979.

No. A-19018(70)/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. P. Mehta, Deputy System Adviser in the Directorate of Organisation and Management-Service (Income Tax), New Delhi as Deputy Director (Gr. III of I.S.S.) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 9th July, 1979, until further orders.

No. A-19018(30)/77-Admn.(G).—Consequent upon his voluntary reversion to the Department of Food, Shri V. V. K. Rao, relinquished charge of the post of Deputy Director (Food) in Small Industries Service Institute, Madras on the afternoon of 22nd June, 1979.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th July 1979

No. EST. 1.2(656)/3395.—Shri William Pereira, Assistant Director Gr. II (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay has retired from service from afternoon of 30th June, 1979 on attaining the age of superannuation.

J. C. HANSDAK
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th July 1979

No. A-1/1(398).—The President is pleased to appoint Shri P. S. Gladd, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on regular basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 7-7-1979.

No. A-1/1(644).—The President is pleased to appoint Shri R. V. Pattabhiraman, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the afternoon of 13-6-1979.

No. A-1/1(656).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Srivastava, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 14th June, 1979.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRAALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 26th July 1979

No. 4424B-A-19012(4-SKT)/78-19B.—Shri S. K. Thapliyal, Driller has been released from the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 28th May, 1979 on his appointment to the post of Deputy Drilling Engineer in Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 4435 B-A-32014(3-Asstt. Ch.)/78-19B.—Shri A. K. Chatterjee, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7-6-1979, until further orders.

The 27th July 1979

No. 4472B-A-32014/(3-Asstt. Ch.)/78-19B.—Shri V. V. Anna Rao, Senior Tech. Asstt. (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—

40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th April, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

DIRECTOR GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 25th July 1979

No. 2/2/60-SII.—On attaining the age of superannuation Shri I. D. Jauhari, Administrative Officer, High Power Transmitter, All India Radio, Khampur has retired from Government Service with effect from 30-6-79 (A.N.).

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 30th July 1979

No. 4(90)/75-SI.—Consequent on his appointment as a Lecturer (Instrumental Music), in the Banaras Hindu University, Varanasi, Shri Ramoo Prasad Shastri, Programme Executive, All India Radio, Patna has relieved of his duty as a Programme Executive to join duty in the Banaras Hindu University, Varanasi on the afternoon of 1st May, 1979.

LEKH RAJ
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 30th June 1979

No. A-19012/23/79-SII.—The Director General : Doordarshan is pleased to appoint Shri R. P. Ramu, previously working as Administrative Officer at All India Radio, Pune, as Sr. Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Madras in the scale of Rs. 650—1200/- w.e.f. 16-5-1979 (F.N.) until further orders.

B. P. AGARWAL
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 25th July 1979

No. A. 12025/1/79-Estt. III.—Shri J. Prasad, Evaluation Officer in the Regional Health Office, Calcutta is allowed to continue in the said post on an *ad hoc* basis upto the end of December, 1979 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

This issues with the concurrence of Union Public Service Commission *vide* their letter No. F. 2/40(10)/79-AUI dated 5-7-1979.

A. N. GOPALAKRISHNAN
Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th July 1979

No. 6-35/79-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Khasnobis, Senior Scientific Assistant (Pharmacology), Central Drugs Laboratory, Calcutta to the post of Technical Officer (Pharmacology) in the same laboratory with effect from the forenoon of the 22nd June, 1979 on an *ad hoc* basis and until further orders.

No. 6-35/79-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Pariya Bhattacharjee, Research Assistant (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta to the post of Technical Officer (Pharmaceutical Chemistry) in the same Laboratory with effect from the

forenoon of the 22nd June, 1979 on an *ad hoc* basis and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)

New Delhi, the 24th July 1979

No. A. 32014/7/78(SJH)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri H. L. Dhamija, Assistant (Grade IV of the C.S.S.) belonging to the cadre of the Ministry of Health and Family Welfare to the post of Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 20th June, 1979, and until further orders.

The 25th July 1979

No. A. 12026/2/7/78(HQ)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Km. Kum Kum Bhushan and Km. Suchitra Thapar to the post of Research Officer (Nutrition) and Senior Dietician in the Directorate General of Health Services with effect from the 28-6-1979 (F.N.) and 3-7-1979 (A.N.) respectively on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O & M)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-400 085, the 24th July 1979

No. K/2186/DRP/Est.1/3589.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Smt. N. Y. Kelkar a permanent S.A. 'C' and officiating S.O. 'SB' in the same Research Centre with effect from 6-6-1979 AN.

KUM. H. B. VIJAYAKAR,
Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(Narora Atomic Power Project)

Narora, the 24th July 1979

No. NAPP/Adm/1(131)/79-S/—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri S. K. Lal a quasi permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 23, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(126)/79-S/8470.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri K. L. Sharma a permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 19, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(134)/79-S/8472.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri I. P. Chadha a quasi permanent SA 'A' and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 25, 1979 and further orders.

No. NAPP/Adm/1(130)/79-S/8473.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Prabhu Dayal a permanent Asstt. Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 22, 1979 and further orders.

No. NAPP/Adm/1(132)/79-S/8471.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri D. N. Bajaj a permanent SA 'C' and officiating Scientific Officer/

Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 23, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 25th July 1979

No. DPS/21/1(3) 78-Est/18870.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kamal Prasad Singh Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of June 30, 1979 until further orders.

No. DPS/21/1(3)/78-Est./18880.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Balkrishna Dharma More, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of July 7, 1979 until further orders.

K. P. JOSEPH, Admn. Officer

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/18851.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. V. Nair, Storekeeper, to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an *ad hoc* basis with effect from 9-5-1979 to 11-6-1979 (AN) vice Shri M. N. H. Rao appointed as Stores Officer.

B. G. KULKARNI, Asstt. Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 23rd July 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nagulapati Ranganath as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of June 11, 1979 until further orders.

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Jadaba Nanda Das as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of June 12, 1979 until further orders.

The 26th July 1979

No. AMD/1/8/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Sumer Singh, Foreman (Mech) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st February, 1979 until further orders.

M. S. RAO Sr. Adm. & Accts. Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO TAPP (401 504), the 25th July 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Deptt. of Atomic Energy appoints Shri K. Bhaskaran Nair, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in Bhabha Atomic Research Centre, as Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power

Station in a temporary capacity with effect from the afternoon of July 20, 1979, until further orders. He will be on probation for one year from the date of his appointment.

A. D. DESAI, Chief Adm Officer.

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam 603 102 the 21st July 1979

No. CEG/1(6)/79-Adm.—In supersession of this Project Notification of even number dated May 25, 1979, Chief Project Engineer, Madras Atomic Power Project, Kalpakkam appoints Shri N. Palani, temporary Scientific Assistant 'C' (Civil) as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakkam with effect from the forenoon of March 1, 1979 until further orders.

V. S. VENKATESWARAN,
Adm. & Accts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 16th July 1979

A.32023/1/77R—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri SUCHINDRUM RAMASUBAIAHER SAMBASIVAN, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Stenographer of this Centre in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Administrative Officer for the period from 16-7-79 to 30-8-79.

T. S. V. AIYAR, Adm Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SHAR CENTRE

Sriharikota-524124, the 13th June, 1979

No. SCF: P&GA:ESTT:1.72:—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Engineer-SB

in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each until further orders:

S. No.	Name S/Shri	Designation	Date of appointment
1.	D. Surendranath	Engineer-SB	4-12-1978
2.	R. Ramaprasad	Engineer-SB	4-12-1978
3.	K. Gopalakrishnan	Engineer-SB	4-12-1978
4.	R. Desikan	Engineer-SB	4-12-1978
5.	V.K. Sivarama Panicker	Engineer-SB	4-12-1978
6.	Josekutty Job	Engineer-SB	4-12-1978
7.	Ramesh Kumar Tewari	Engineer-SB	12-12-1978
8.	Lalitha Venkatachalam	Engineer-SB	27-2-1979
9.	B. Jagan Mohana Rao	Engineer-SB	12-4-1979

The 22nd June 1979

No. SCF: P&GA:ESTT:1.72:—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:

S.No.	Name S/Shri	Designation	Date of appointment
1.	B.V. Balu	Engineer-SB	1-4-1979
2.	M. Lakshminarayana	Engineer-SB	1-4-1979
3.	B. Subramanyeswara Rao	Engineer-SB	1-4-1979
4.	K.K.V.S. Raghu Ram	Engineer-SB	1-4-1979
5.	D. Subbarami Reddy	Engineer-SB	1-4-1979
6.	A. Lakshmana Murthy	Engineer-SB	1-4-1979
7.	M. Krishnan	Engineer-SB	1-4-1979
8.	S. Jaganaathan	Engineer-SB	1-4-1979
9.	P. Venkateswaran	Engineer-SB	1-4-1979
10.	A.V.R. Mohan Rao	Engineer-SB	1-4-1979
11.	P. Nageswara Rao	Engineer-SB	1-4-1979
12.	B. Ravindra Reddy	Engineer-SB	1-4-1979
13.	B. Sreenivasan	Engineer-SB	1-4-1979

R. GOPALARATNAM

Head, Personnel & General Admn for Director

VIKRAM SARABHI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 21 June 1979

No. VSSC/EST/F/1(17)—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in VSSC, Trivandrum of the Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the dates shown against each and until further orders:—

Sl. No.	Name	Designation	Divn./Proj	Date of Appointment
1	2	3		4
1.	Sri. MV Vrishabhendra	Scientist/Engineer SB	Vikas/PTU	1-4-1978
2.	Sri. K. Srinivasamurthy	Scientist/Engineer SB	Vikas/PTU	1-10-1978
3.	Sri. VK Radhakrishnan	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
4.	Sri. Jacob Abraham	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
5.	Sri. R. Sasidharan	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
6.	Sri. C C Abraham	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
7.	Smt. P L Radha	Scientist/Engineer SB	EFF	31-3-79 (A.N.)
8.	Kum. AR Saraswathi	Scientist/Engineer SB	CGD	31-3-79 (A.N.)
9.	Sri. A Venkatachalam	Scientist/Engineer SB	ISI	31-3-79 (A.N.)
10.	Sri. KU Hamza	Scientist/Engineer SB	ISI	31-3-79 (A.N.)
11.	Sri. B. Gopi	Scientist/Engineer SB	COM	31-3-79 (A.N.)
12.	Sri. P. Sasidharan Asary	Scientist/Engineer SB	PSC	31-3-79 (A.N.)
13.	Sri. S. Loganathan	Scientist/Engineer SB	CMG	31-3-79 (A.N.)
14.	Sri. AA Janardhanan	Scientist/Engineer SB	PED	31-3-79 (A.N.)
15.	Sri V.P. Balagangadharan	Scientist/Engineer SB	ANL	31-3-79 (A.N.)
16.	Smt. B. Radha	Scientist/Engineer SB	SNA/MTG	31-3-79 (A.N.)
17.	Sri. Sukesh Chandra Paul	Scientist/Engineer SB	MAC	31-3-79 (A.N.)
18.	Sri. KV Srikumar	Scientist/Engineer SB	RPP	31-3-79 (A.N.)

1	2	3	4
19.	Smt. Vasantha Surendran	Scientist/Engineer SB RPP	31-3-79 (A.N.)
20.	Sri. K. Appukuttan	Scientist/Engineer SB RPP	31-3-79 (A.N.)
21.	Sri. K. Krithivasan	Scientist/Engineer SB RFF	31-3-79 (A.N.)
22.	Sri. P. Ravindranath	Scientist/Engineer SB RFF	31-3-79 (A.N.)
23.	Sri. T. Srinivasaraghavan	Scientist/Engineer SB RFF	31-3-79 (A.N.)
24.	Sri. MN Subramanian	Scientist/Engineer SB PCS/PSN	31-3-79 (A.N.)
25.	Sri. M. Manjunatha Nayak	Scientist/Engineer SB Vikas /PTU	31-3-79 (A.N.)
26.	Sri. LN Nagarajan	Scientist/Engineer SB STF	31-3-79 (A.N.)
27.	Sri. Francis Joseph	Scientist/Engineer SB GSS	31-3-79 (A.N.)
28.	Sri. K. Sivadasan	Scientist/Engineer SB MET	31-3-79 (A.N.)

K.S. NAIR
Sr. Admin. Officer, VSSC for Director, VSSC

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

(BHARAT MAUSAM VIBHAG)

New Delhi 3; the 26th July 1979

No. A32013 (i)/3/77-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned officiating Meteorologists Grade I, India Meteorological Department, to officiate as Director in the same Department with effect from the dates indicated against their names and until further orders:

1.	Shri T.S.S. Anjaneyulu	29-6-1979 (A.N.)
2.	Dr. H.M. Srivastava	13-6-1979
3.	Shri B.B. D. Bhargava	13-6-1979
4.	Shri M. Jayaram	13-6-1979
5.	Shri S. Raghavan	13-6-1979
6.	Shri U.V. Gopala Rao	2-7-1979
7.	Shri R.K. Datta	13-6-1979

8.	Shri D.K. Mishra	13-6-1979
9.	Shri P.V. Joseph	14-6-1979
10.	Shri K. Chatterjee	13-6-1979
11.	Shri C. M. Barma	13-6-1979
12.	Shri B.R. Avasthi	13-6-1979
13.	Shri M.C. Sinha	13-6-1979
14.	Shri A. Bandopadhyaya	13-6-1979
15.	Shri S. Venkataraman	18-6-1979
16.	Shri V. Balasubramanian	13-6-1979
17.	Shri Surendra Kumar	13-1-1979
18.	Shri P. K. Misra	13-6-1979
19.	Shri S.K. Ghosh	13-6-1979
20.	Shri A.R. Ramakrishnan	13-6-1979
21.	Shri S.M.A. Alvi	13-6-1979

S. K. DAS
Dy Director General of Meteorology (Administration & Stores)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th July, 1979

No. A. 32012/1/79-EC:—The undermentioned two officers relinquished charge of office on retirement from Government service on attaining the age of superannuation on the date and station indicated against each:—

S.No.	Name & designation	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri T.R. Sethi, Asstt. Communication Officer	C.A.T.C., Allahabad	31-5-79 (A.N.)
2.	Shri K.D. Pandit, Asstt. Technical Officer.	A.C.S., Bombay	30-6-79 (AN)

The 30th July 1979

New Delhi dated the 30th July, 1979
of Assistant Director of Communication on a regular basis with effect from 1-6-79 and to post them in the same office:—

No. A.32013/10/79-FC:—In continuation of this office Notification No. A.32013/3/73-EC, dated 12-2-79, the President is pleased to appoint the following three officers (at present holding the appointment of Assistant Director of Communication in DGCA'S office, on ad-hoc basis) to the grade

1. Shri R. S. Ajmani.
2. Shri K. Ramalingam.
3. Shri H. V. Sudershan.

No. A.32014/3/79:EC:—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in Aeronautical Communication Organisation to the grade to Asstt. Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each:—

S.No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge.
1.	Shri R.N. Mehta	ACS, Plam	ACS, Plam	26-6-79 (FN)
2.	Shri K.S. Anand	ACS, Jaipur	ACS, Jaipur	27-6-79 (FN)
3.	Shri M.K. Krishnan	ACS, Washim	ACS, Bombay	29-6-79 (FN)
4.	Shri S. Tadkase	ACS, Bombay	ACS, Bombay	26-6-79 (FN)
5.	Shri K.V. George	ACS, Bombay	ACS, Bombay	26-6-79 (FN)
6.	Shri M.W. Shrouti	ACS, Bombay	ACS, Bombay	27-6-79 (FN)
7.	Shri N. Venkatasubramanian	ACS, Bombay	ACS, Bombay	26-6-79 (FN)

H. L. KOHLI, Director of Adm.

No. A.38015/11/79-EC.—The President regrets to announce the death of Shri P. N. Sanyal, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Dum Dum, Calcutta on 13-6-79.

H. L. KOHLI,
Director of Adm.

New Delhi, the 23rd July 1979

A-38013/1/79-EA.—The following Assistant Aerodrome Officers retired from Government service on the 30th June, 1979 AN. on attaining the age of superannuation :—

1. Shri Mool Chankai Sharma, Civil Aerodrome, Jaipur.
2. Shri Hans Raj, O/o the Regional Director, New Delhi.

V. V. JOHRI,
Asstt. Director of Adm.

New Delhi, the 24th July 1979

A-32013/4/79-ES.—The President is pleased to appoint S/Shri N. Jayasimha and R. C. Gupta to the grade of Senior Aircraft Inspector on ad-hoc basis with effect from 11-6-1979 and 6-7-1979 respectively upto 13-8-1979 or till the posts are regularly filled whichever is earlier.

The 28th July 1979

No. A.32014/4/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. S. Gusain, Communication Assistant, Civil Aviation Training Centre, Allahabad to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from 29-6-79 (FN) and to post him at the same station.

No. A.38015/12/79-EC.—The Director General of Civil Aviation regrets to announce the death of Shri R. Swaminathan, Asstt. Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Nagpur on 13-6-79.

GIRDHAR GOPAL,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 25th July 1979

No. A.32013/14/78-FA.—The President has been pleased to appoint Shri K. Gopal, Assistant Director (Operations) to the post of Deputy Director/Controller of Aerodromes, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 18th July, 1979 and until further orders.

Shri K. Gopal is posted as Deputy Director (Operations) at Headquarters.

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Husaini Silk and Art Silk Powerloom*

Owners Asson (Bombay) Limited.

Bombay, the 25th July 1979

No. 9832/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Husaini Silk and Art Silk Powerloom Owner 15—196GI/79

Asson (Bombay) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

I. M. GUPTA,
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Personnel Administration Private Limited.*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 2/518/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Personnel Administration Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Devabani Production Private Limited*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 26045/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Devabani Production Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
S. K. Investors Private Limited.*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 29601/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the S. K. Investors Private Limited has this day been struck-off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bacsel India Limited.*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 29632/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bacsel India Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Regent Chit & Investment Private Limited*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 29753/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Regent Chit & Investment Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Essemcee Private Limited*

Calcutta, the 30th July 1979

No. 23883/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Essemcee Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIREAR,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi the 24 July, 1979

INCOME-TAX

F.No. JUR-DLI/V/79-80/450.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the Districts/Circles mentioned in Col 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt/Circle
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range V-A, New Delhi	1. Distt. II (1), (3) (4), (5) (6), and (7) New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range V-C, New Delhi	1. Distt. IV, New Delhi.
	2. Foreign Section, New Delhi.
	3. Doctors' Circles, New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax, Range V-D, New Delhi	1. Distt. II(2), (8), (9), (10), (11), (12), (13), (14), (15) & (16).

This notification shall take effect from 23-7-1979.

New Delhi, the 24th July 1979

F. No. JUR-DLI/V/79-80/800.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the notification issued

Delhi-V, New Delhi hereby directs that the notification issued vide this office No. JUR-DLI/V/78-79/27910 dated 7-11-78 shall stand cancelled w.e.f. 23-7-79.

K. R. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1979

Ref. No. P.R. No. 696-Acq.23-1335/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1731 situated at Athwa Lines

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 24-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

1. Sh. Vamanrao Chhaganlal Zaveri;
2. Samangauri Vamanrao;
Nutan Gangotri Society;
B/2, Flat No. 58, 5th Floor,
Andheri (West) Bombay.

(Transferors)

- (2) Chandraben Mulchandbhai Matai;
Arogyanagar, Athwa Lines,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Athwa Lines, Surat bearing Survey No. 1731, admeasuring 325-95 sq. mts. duly registered with Registering Authority at Surat on 24-11-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dated : 1-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Udham Kaur W/o S. Darshan Singh Bassi
R/o G/7, Kirti Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Sethi S/o Sh. Bal Mukund Sethi
R/o 3099, Kucha Tara Chand, Darya Ganj Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Nov.84/4580.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G/7 situated at Kirti Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30th Nov. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XX A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house, single storeyed, built on free-hold piece of land bearing Plot No. 7 in Block G measuring 275 sq. yds. situated in the colony known as Kirti Nagar area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Main Road
South : Service Lane
East : Property No. G/6A
West : Park

R. B. L. AGGRAWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Usha Sethi W/o Sh. V. P. Sethi
C/o M/s. Little Sons & Co. Maulana Azad Road,
Srinagar.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Chandra W/o Sh. R. K. Chadha
R/o 10/22, East Patel Nagar, New Delhi-110 008.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. 1AC/Acq-JJI/7-79/363.—Whereas,
I, D. P. GOYAL,

being the competent authority under section
269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
C-16 situated at West End Colony New Delhi
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 24-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house with one garage and two servants
rooms built on the plot of land measuring 457.20 sq. meters
(500 sq. yds.) in C-16, West End Colony, New Delhi
bounded as under :—

East : Premises No. C-17, West End Colony New Delhi.
West : Premises No. C-15, West End Colony New Delhi.
North : Street.
South : Service Road (Green Belt)

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/367.—Whereas,
I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

C-45, situated at Inderpuri, Village Naraina, New Delhi-12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Laj d/o Sh. Bhagwan Dass Poonjani
W/o. Shri D. B. Taneja R/o No. 20, President's Estate, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Shanti Lal Gambhir S/o Late Shri Parma Nand and Smt. Chanchal Gambhir W/o Shri Shanti Lal Gambhir R/o A-39, Inderpuri, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. C-45, situated in the area of village Naraina in the abadi of Inderpuri Colony, New Delhi 12.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
DELHI

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/365.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 340/1 situated at Jhimil Tahirpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Badhwar & Co., 340/1, G. T. Road Shahdara through Lala Jagan Nath S/o R. B. L. Ram Roop R/o 74, Todar Mal Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Lala Banshi Dhar Gupta S/o Lala Padam Chand R/o 1-B, Upper Hill Lane, Civil Lines Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 340/1 (Portion) area 390 sq. yds., Khasra No. 338/313, Jhimil Tahirpur, Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Km. Urvashi Aggarwal D/o S. P. Aggarwal R/o.
S-418, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/364.—Whereas,
I. D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C-17, situated at Green Park New Delhi
(and more fully described in the schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 21-11-1978.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

(2) M/s Sharat Exporters (P) Ltd.,
A-48, Naraina Industrial Estate, Phase-I, New
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed house property No. 17, Block No.
C built on plot of land measuring 321 sq. yd, situated in
Green Park New Delhi and bounded as under :—

East : Road

West : Service Lane

North : House Property No. C-16

South : House Property No. C-18

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
DELHI

New Delhi-110001, the 30th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/366.—Whereas,
I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-10/40 situated at Rajouri Garden New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
6—196GI/79

- (1) Smt. Parkash Rani W/o Late Daulat Ram, Vijay Kumar, Rajinder Mohan, Sanjiv Kumar, Virender Kumar and Sunil Kumar Sons of Late Shri Daulat Ram of J-10/40, Rajouri Garden New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Rajni Khanna W/o Kanchan Kishore, and Kanchan Kishore Khanna alias K. K. Khanna of B-5/1, Rana Pratap Bagh Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property built on a piece of land bearing No. 40 Block J-10 (J-10/40) measuring 200 sq. yds. in the residential colony known as Rajouri Garden, situated at Village Tatarpur New Delhi bounded as under :—

East : By House No. J-10/31
West : By Road
North : By House No. J-10/41
South : By House No. J-10/39

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 23rd July 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/11-1978/1978-79.—Whereas, I, MISS ANIANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26 Friends situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-11-1978 for an consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Krishan Lal Grover son of Late Rai Bahadur Dr. Jiwan Lal, Joint Commissioner Excise and Taxation, Punjab Government, Resident of 6-C Rajpura Road Colony Patiala;
2. Shri Pratap Lal Grover (HUF) through its karta Shri Partap Lal Grover, C.A. son of Late Rai Bahadur Jiwan Lal, 64 Regal Building, New Delhi.
3. Miss Mira Grover, daughter of Late Rao Bahadur Dr. Jiwan Lal care of Shri Krishan Lal Grover, 6-C Rajpura Road Patiala through S/Shri Krishanlal Grover and Partap Lal Grover, her general attorneys (Transferor)
- (2) 1. Shri Parmod Kumar Jain son of Shri Rama Nand Jain Resident of 14 Alipur Road, Delhi through his attorney Shri Rakesh Kumar Jain.
2. Shri Rakesh Kumar Jain son of Shri Jagdish Rai Jain Resident of 25 Friends colony, New Delhi
3. Shri Sushil Kumar Jain son of Shri Sri Ram Jain; Resident of 14 Alipur Road, Delhi.
4. Shri Sunil Kumar Jain son of Shri Niranjan Lal Jain Resident of 25 Friends colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A constructed house No. 26 in the Western side of Nathu Ram Friends colony, New Delhi measuring 3595 Sq. Meters and bounded as under:

North: by service lane;
South: 27 Friends colony
East: by service lane
West: by Road;

All that specified in the instrument of transfer:

MISS ANIANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 23-7-1979
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
DELHI

New Delhi-110001, the 25th July 1979

No. I.A.C. Acq.I/SR.III/11-1978/79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-15 Nizamuddin, West situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Parpati Thadani wife of Late Shri N. V. Thadani through her General Attorney Mohd. Masoom son of Mohd. Haneef : Resident of A-15 Nizamuddin, West New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shrimati Fahmida Khatoon wife of Mohd. Masoom Resident of A-15 Nizamuddin West, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on the plot of land bearing No. A-15 measuring 761 Sq. yards situated at Nizamuddin West, New Delhi and bounded as under :

East : Road,
West : Service lane;
North : House No. A-14
South : Road

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi

Date : 25-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd July 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/11-1978/1978-1979.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural lands situated at village Smalka, Tehsil Mehauruli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 20-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwan son of Nanak for self and general attorney of Shrimati Bhura w/o Shri Bhagwana,
2. Shri Shiv Narain alias Satnarain, Ram Dhan sons of Shri Bhagwana, R/o Village Samalka, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri R. K. Wadhwa son of Shri K. L. Wadhwa Resident of 14, 100 Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 bighas and 12 biswas out of the following khasra numbers :

25/2 (4-16)
16/22 (4-16)

Village Samalka, Tehsil Mehauruli, Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1979
Seal :

FORM ITNS-----

- (1) Shri Mahavir Goyal and Shri Arjun Das Goyal S/o
Shri Jeth Mal Goyal Resident of 6/4 Pusa Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ravinder Singh son of Shri Harnam Singh :
Resident of E-599 Greater Kailash-II, New Delhi

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
DELHI**

New Delhi-110001, the 23rd July 1979

Ref. No. I.A.C./Acq.Range-I/S.R.III/11-1978/78-79/815.—

Whereas, I, MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

E-597 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer,
New Delhi on 24-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. E-597 measuring 414
Sq. Yards situated in the colony known as Greater Kailash-
II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd July 1979

No. I.A.C. Acq.I/S.R.II/11-1978/78-79/760.—Whereas, I
I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

C-126 situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 3-11-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kaushlya Devi w/o
Dr. Gursewa Singh Pabla
Resident of 12-A/16 W.E.A. Karolbagh, New Delhi
through her G.A. Shri Ram Jabbaya Saini
Resident of 5/3075 Ranjit Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Jasvinder Singh s/o Shri Dharamsingh
R/o M-59 Greater Kailash-II, New Delhi
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 126 Block No. 'C', measuring
300 Sq. yards situated in the residential colony of New Delhi
known as Greater Kailash-I and bounded as under :

North : 50 ft Road
South : Plot No. 124-B
West : 15 ft service lane
East : 50 ft Road.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Gurbax Singh Pabla s/o
Shri Mota Singh r/o K-9,
N.D.S.E. Part-II, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Chopra s/o
Shri Radha Krishan r/o
S-7 Green Park, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I
DELHI**

New Delhi-110001, the 26th June 1979

No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/11-1978/770.—Whereas,
I, MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

M-3 (shop) situated at Greater Kailash-II, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 7-11-78 for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publications of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A residential-cum-commercial plot of land bearing No.
M-3 measuring 195 sq. yds. (163 sq. mts.) situated at Greater
Kailash-II, New Delhi as detailed in the instrument of trans-
fer.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (I) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing Persons, namely :—

Date : 26-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajesh Kumar Mehta s/o Shri D. P. Mehta
E-66 Greater Kailash-I, New Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Major Balwant Singh
(2) Shri Santokh Singh
(3) Shri Harwant Singh ss/o Shri Labh Singh :
All Residents of S-319 G. K.-II New Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd July 1979

No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Nov. 78/1978-79/779.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-54 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. M-54 measuring 194 Sq. yards situated in the colony, known as Greater Kailash, New Delhi and bounded as under :

North : 50 ft Road,
South : Road and lawn,
East : M-55 plot
West : Plot No. 53

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D. L. F. United Limited,
21-22 Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

No. I.A.C.-Acq.I/S.R.III/11-1978/822.—Whereas, I, MISS ANJANT OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Office Flat No. 405 situated at (4th floor) Cinema Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on 30-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

7-196G1/79

- (2) 1. Shri S. Kuldip Singh Makhni and
2. Shri S. Gindhi Singh Makhni
sons of Shri Hukam Singh Makhni
Resident of B-5/29 Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office flat No. 405 (4th floor) Cinema Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 792.4 sq. ft.

MISS ANJANT OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi (New Delhi)

Date : 3-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D. L. F. United Limited,
21-22 Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th July 1979

No. LA C-Acq.-I/S R III/11-1978/1978-79/803.—Whereas
I MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Office flat No. 503 situated at Savitri Cinema Complex,
Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 20-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Shri Romesh C. Khanna HUF son of R. C. Khanna
3 Normandie Charmichael Road, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office flat No. 503 measuring 572.9 Sq. ft. (5th floor)
Cinema Building, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 27-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. S. D.I.F. United Limited,
21-22 Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lt. Col. Mohander Singh son of Shri Dayal Singh
'Laxmi Niwas' Simla-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31d July 1979

No. I.A.C. Acq. I.S.R III/11-1978/832.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Flat No. 407 situated at (4th floor) Cinema Complex, Building Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An office flat No. 407 (at fourth floor) measuring 616.2 Sq. ft. situated at Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date : 3-7-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th July 1979

No. I.A.C. Acq. 1/S.R.11/11-1978.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 Tolstoy Marg, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harjas Rai Malhotra, son of Shri Sohna Mal Malhotra, Resident of : S-534 Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Ansal Properties & Industries Private Limited, through its Managing Director Shri Sushil Ansal, 115 Ansal Bhawan, K. C. Marg, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the plot of land No. 10-A Block No. 134 known as 15 Keeling Road, (now known as 15 Tolstoy Marg), New Delhi including the perpetual lease hold rights of the same together with the bungalow constructed there on including all the structures, out-houses, compound walls, trees, plants, culverts, storage, tanks, pipes, electrical lines, and paths belonging to the plot and bounded as under :

North	: By service lane,
South	: By Keeling Road,
East	: Plot No. 13
West	: Government land.

MISS ANJANI OZA

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.Date : 24-7-1979
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/Nov.78/824.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural lands situated at village Gadarpur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-11-1978,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Prithi
2. Raghbir Singh
3. Ant Ram
4. Ramswarup sons of Prithi.
5. Anto Devi daughter of Sunehro (1/6th share)
6. Shrimati Bohti wife of Mohar Singh
7. Bihma wife of Hukam Singh
8. Shrimati Chameli wife of Sis Ram
9. Shrimati Phool Wati
10. Keso Ram
11. Daya Chand and Vijay Singh sons of Risal
All Residents of village Ghitorni, Tehsil Mehranli
(Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh son of Gur Baksh Singh
Resident of Gadarpur, Tehsil Mehrauli.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 bighas and 11 biswas out of the following Khasra numbers : situated at village Gadarpur, New Delhi.

1. 277 (4—7)
2. 280 (2—4)

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date : 31-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/11-1978-1978-79/783,—
Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-IV/9 situated at Cheap Tenaments, Lajpatnagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 11-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) Shrimati Drupati daughter of Shri Valaiti Rai wife of Shri O. P. Bhardwaj Resident of A-IV/9 Lajpatnagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shrimati Padma Mirchandani wife of Shri N. Mirchandani Resident of A-IV/9 (Cheap Tenaments), Lajpatnagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storced house built on a plot of land bearing No. A-IV/9 (Cheap Tenaments) measuring 100 sq. yards situated at Lajpatnagar, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 31-7-7979

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Virender Kishore Gulati son of Shri Charanjit Lal Resident of : 3-D Nizamuddin, East : New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Mehar Kaur wife of Shri Hukam Singh and 2. Shrimati Kuldeep Kaur wife of Shri Moti Singh, Resident of : C-2/25 Model town, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C. Acq. 1/S.R.III/11-7-1978/1978-1979/810.
—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural lands situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 15 bighas and 4 biswas out of the following khasra numbers :

452 (4—16)

461 (4—16)

436 (4—16)

453/1 (0—16) with tube well, fencing wires situated at village Gadaipur, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.-I/S.R.III.11-1978/1978-79/781.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23 Khanna Market, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Davinder Singh & Shrimati Raj Malik wife of Shri Satinder Kumar Malik Care of : C-III/13 Lajpatnagar, New Delhi (through General Attorney).

(Transferor)

(2) Shri Satinder Kumar Malik son of Shri Parkash Chand Malik, Resident of C-III/13 Lajpatnagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 23 measuring 27-7 Sq. yards situated at Khanna Market, Lodhi Road, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

1. (1) Shri Manohar Lal Sethi (2) Mrs. Agia Rani Sethi
M-46 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Phool Wati Aggarwal and (2) Mrs. Manju
Agarwal Resident of W-27 Greater Kailash-I New
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st August 1979

Ref. No. I.A.C.-Acq./S.R.II/II-1978/1978-79/911.—

Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. M-46 Greater Kailash-I, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 19-11-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house built on a plot of land bearing No.
M-46 measuring 510 sq. yards situated in Greater Kailash-I,
New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 1-8-1979

Seal :

FORM TINS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st August 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R. III/11-1978/1978-79/766 —
Whereas I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-12 situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 4-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Amarjit Singh Johar son of Shri Ajit Singh
Resident of : C-139 Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Balbir Singh Mayal son of Shri Udai Singh
Mayal Resident of : 4/9 Vijay Nagar, Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed house bearing No. R-12 measuring 300 Sq.
yards situated in Greater Kailash-I, New Delhi alongwith
electric, water and flush fittings and bounded as under :

North : Service Lane
South : Road,
East : Property No. R-14
West : Property No. R-10.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 1-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 27th July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq I/S.R.III, 12-1978/1978-79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-134 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Gurdial Kohli R/o : H-24 Jangpura Ext., New Delhi as G.A. of Shrimati Krishna Kumari : Resident of 44 Union Park, Chamber, Bombay.

(Transferor)

(2) Shrimati Sudarshan Kumari and Ram Gopal Sharma both Residents of : J-13 Kirti Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property built on a plot of land bearing No. R-134 measuring 300 Sq. yards situated in free hold colony, New Delhi and bounded as under :

East : Property No. R-136

West : Property No. R-132

North : Service lane

South : Road.

MISS ANJANI OZA

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I

Delhi/New Delhi.

Date : 27-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 23rd July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. Range-I/S.R.III/2-1979/78-79/1082.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 Tolstoy Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri (1) Om Prakash Vaish (2) Narain Prakash (3) Anand Prakash Gupta and (4) Raj Kumar Gupta (5) Ravindra Prakash Gupta and (6) Narendra Kumar Gupta all sons of Shri Prabhu Dayal R/O: 7 Tolstoy Marg, New Delhi
(Transferor)

(2) M/s Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawav, K. G. Marg, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The entire property constructed on a lead-hold plot of land bearing No. 41 in Block No. 148 measuring 4162 Sq. yards situated at No. 7 Tolstoy Marg, New Delhi (old Keeling Road) New Delhi, specified in the sale deed dt. 26-2-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 27th July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/2-1978/1978-79/1084.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-30 and A-33 situated at Connaught Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Wenger & Company through its partners (1) Shri Ranbir Singh Tandon (2) Shri Om Parkash Tandon, (3) Shri Anup Kumar Tandon and (4) Mrs. Vidya Rani Mehra, Wenger House, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Emca Construction Company, 24/24 Darya Ganj, through its prop. Shri Mahabir Parshad Gupta, son of Shri Radha Krishan Gupta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property constructed on a plot of land bearing No. A-30, A-33 measuring 703 Sq. Mt. situated at Connaught Place, New Delhi alongwith entire first floor above shop Nos. A-16, A-17, A-18, A-19 and A-20 Connaught Place, New Delhi.

MISS ANJANI OZA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I

Delhi/New Delhi.

Date : 27-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. J.A.C.Acq.I/S.R.III/11-1978/1978-79/774.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural lands situated at village Sultanpur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Triloki Nath Khanna son of Shri Gokal Chand Resident of : 12-Aurangzeb Road New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shrimati Shanti Devi wife of Shri Bihari Lal Resident of N-213 Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 6 bighas and 16 biswas out of the khasra numbers 222/1 (3-16), 223/2 (3-0), alongwith tube well, boundary wall, trees, garden, water tank and other fittings and fixtures, situated at village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 31-7-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 31st July 1979

Ref. No. IAC/Seq.III/7-79/368.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. D-25B, situated at New Delhi South Extension Part II New Delhi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi
on 6-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. R. C. Sood & Co. (P) Ltd., FROS Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi through their Director Mr. J. R. Sood.

(Transferor)

(2) Sri Krishan Kapur Proprietor M/s Kapur Film International, S/o late Sh. Ram Labhaya Kapur, R/o D-25-B, New Delhi South Extension Part II New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house bearing No. D-25-B, built on plot of land measuring 755 sq. yds. situated in New Delhi South Extension Part II New Delhi bounded as under :—

East : Road

West : Plot No. D-25-G

North : Road

South : Plot No. D-25-C

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurcharan Singh Bindra s/o Sh. Sujan Singh Bindra, R/o 11-C, Sangam Building, 2-Woodstreet, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 21st June 1979

(2) Shri Balwant Singh s/o Shri Nagar Singh, and Smt. Harbhajan Kaur w/o Sh. Balwant Singh, R/o H. No. 132, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. CHD/248/78-79.—Whereas I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Houseproperty No. 132, Sector 18-A, Chandigarh, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Houseproperty No. 132, Sector 18-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 709 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. J. N. Nanda s/o Sh. Gauri Shankar Nanda,
R/o B-I, IMR Flat R. K. Puram, Sec. 13, New
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prof. K. K. Nanda s/o Dewan Ram Nuth Nanda
and Smt. Santosh Nanda w/o Sh. K. K. Nanda,
R/o 3050, Sector 20-D, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 21st June 1979

Acf. No. CHD/243/78-79.—Whereas, I G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. 3050 of Sector 20-D, Chandigarh, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

19—196GI 79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 3050, Sector 20-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 677 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 21-6-1979
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 27th July 1979

Ref. No. CHD/252/78-79.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property—single storey show room-cum-office No. 2409-2410, situated at Sector 22-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Raghunath Rai Kapoor s/o Shri Mehanga Ram Kapoor,
2. Shri Anil Kumar Seth s/o Shri Hans Raj Seth,
3. Shri Ashok Vij s/o Shri Mohinder Singh Vij,
4. Smt. Pushpa Kapoor w/o Shri Raghunath Rai Kapoor,
5. Smt. Shashi Vij w/o Shri Ashok Vij,
6. Smt. Kailash Rani w/o Shri Hans Raj Seth,
7. Smt. Janak Rani w/o Shri Amrit Lal,
8. Shri Amrit Lal s/o Shri Ramji Dass,
c/o H. No. 324, Sector 22-A, Chandigarh
(Transferor)
- (2) Smt. Sushil Kaur w/o Shri Jagdish Singh Sekhon,
2. Sh. Naypreet Singh s/o Jagdish Singh Sekhon,
r/o H. No. 1174, Sector 21-C, Chandigarh,
3. Shri Baldev Singh (Karta of HUF) s/o Shri Inder Singh, r/o 2250, Sector 21-C, Chandigarh.
(Transferee)
- *(3) 1. M/s Ludhiana Tent & Allied Services,
2. M/s Aggarwal Electronic, Chandigarh,
3. M/s Rajinder Parshad Vinod Kumar, Chandigarh all r/o SCO No. 2409-2410, Sector 22-C, Chandigarh.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show-room-cum-office No. 2409-2410, Sector 22-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 724 of December, 1978 of the registering officer, Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 27-7-1979,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 27th July 1979

Ref. No. CHD/239/78-79.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in property No. 11, Timber Market, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chet Singh s/o Shri Prabhu Singh, r/o 11-Timber Market, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ranbir Singh s/o Shri Prabhu Singh, r/o 11-Timber Market, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 11, Timber Market, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 650 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 27-7-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur the 19th July 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)559.—Whereas, I M. R. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Kota
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Kota on 24-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Kailash Bakiwala s/o Sh. Gokul Chand Bakiwala
2. Sh. Ashok Kumar Bakiwala S/o Sh. Kailash chand Bakiwala, 3N 41 near water Tank Jawahar Nagar, Jaipur Rajasthan.

(Transferor)

(2) Shri Ram Swaroop Rastogi s/o Ramdas Rastogi
2. Shri Hariom Rastogi & Shri Darampal Rastogi sons of Sh. Ram Swaroop Rastogi, House No. 8 Lalburgi Brijrajpora Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 396 measuring 2400 sq. ft. situated at shopping Center Kota and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide registration No. 81/334 dated 24-1-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jaipur

Date : 19-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur the 19th July 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 559.---Whereas, I M. R. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 8 situated at Madanganj Kishangarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kishangarh on 17-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Panchulal s/o Shri Birdaram Bagri Madan Ganj, Kishangarh Distt. Ajmer at present at Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani w/o Shri Chandmal caste Chhaparwal, Maheshwari R/o Ajmer Distt. Ajmer.

(Transferee)

*(3) Lahoti Textile Mills 2. Subash Textiles and 3. Lahoti Textile Agencies, Kishangarh

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A powerloom shed measuring 440 5 sq. yds. situated in Ward No. 8 Madanganj Kishangarh Distt. Ajmer & Much more fully described in the sale deed registered by S. R. Kishangarh vide registration No. 838 dated 17-11-78.

M. R. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range

Jaipur

Date : 19-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
JAIPUR**

Jaipur the 19th July 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/558.—Whereas, I M. R. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 395 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 29-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kailash Chand s/o Sh. Gokul Chand Bakiwala
2. Shri Ashok Kumar s/o Shri Kailash Chand Bakiwala House No. 8 Moti Dungri Road Tilak Nagar, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Roopchand & Shri Hira Nand sons of Shri Lachitum & Shri Govind Ram Shewani adopted son of Sh. Lachhiram 8-B Vallabh Nagar Extension Gumanpura Kota, Raj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 395 of 2400 sq. ft. situated at shopping centre Kota and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide registration No. 1531 dated 29-11-78.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jaipur

Date : 19-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st May 1979

C.R. No. 62/22395/79-80/Acq./B.—Whereas I, H. Thimmaiah, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 493, situated at Rajamahal Vilas Extn, Bangalore-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2804/78-79 on 25-11-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) Prof. M. S. Thacker, S/o Sri Sankalchand, No. A/2, Sea Face Park, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

(Transferee(s))

- (2) Shri T. V. Venkataswamy, S/o Late Thimmaiah, M. V. Sivakumar, S/o Sri T. V. Venkataswamy, 493, Rajamahal Vilas Extn, Bangalore.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2804/78-79

House property bearing No. 493, R.M.V. Extension, Bangalore.

Boundries :

North : Road

South : Site No. 494 and 519

East : Road,

West : Part of the premises No. 493. 1/1.

H. THIMMAIAH
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 1-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore, the 4th May 1979

C.R.No. 62/22356/79-780 Acq/B,—Whereas, I, H. Thimmaiah,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old No. 21 New 33.

situated at Norris road, Richmond town, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2328/78-79 on 24-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri, Shujath Ali Khan, s/o. Haji C.M. Abdul Gaffar Khan. No. 14/2, Curley street, Richmond Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. Vijay Ashok Solomon, Paul, Bhaskar, s/o Paul Anand Baskar, 17, Millers road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2328/78-79).
House property bearing No. 21 old and 33 new Norris road, Richmond town, Bangalore bounded by;—

1. Premises Old. No. 21 New No. 33.
East : Remaining portion of Rrita Villa of M. Abdul Jabbar.
West : Property No. New 6 Prime street.
North : Property No. 23, New No. 34, Norris road.
South : Prime street.

2. Premises portion of No. 33.
East : Property M. Abdul Jabbar.
West : Property No. old 1 New 6, Prime St.
North : Premises old No. 23, New No. 34 Norris road.
South : Property of Mrs. Zeenath Begum, Prime
Total area 4364 sq. ft. or 411 sq. mtr.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date : 4-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th May 1979

C.R. No. 62/23052/79-80/ACQ/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tax, Acquisition Range, Bangalore,
No. 391/42, 19th Main, situated at 1st Block, Rajajinagar, Bangalore-560000,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Doc. No. 3508/78-79, on 14-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—
20—196GI/79

(1) Shri B. K. Shamanna, S/o Sri Keshava Iyengar, No. 25/1, 9th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.
(Transferor)

(2) Shri Chennappa, S/o Chennaiah, No. 2907, Rajajinagar, Hind Stage, Bangalore-10.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3508/78-79, dated 14-11-78)
House property bearing No. 391/42, 19th Main 1st Block, Rajajinagar, Bangalore-560-010.

Boundaries :

East : Road,
West : Site No. 414.
North : Site No. 390.
South : Site No. 392.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Marina Albuquerque, No. 126, (New No. 146)
San Thome High Road, San Thome, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st June 1979

C.R. No. 62/22365/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 44, Old No. 6, situated at Robertson Road, Fraser Town, Bangalore-5,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2181/78-79 on 13-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri M. P. Tainwala, No. 10/1, Saunders Road, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2181/78-79, dated 13-11-78)
House property bearing No. New 44 and Old No. 6, Robertson Road, Fraser Town, Bangalore-5.

Bounded by :

North—Private property
South—Robertson Road
East—Private property.
West—Private property.

P. RANGANATHAN
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th June 1979

C.R. No. 62/22370/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 44, situated at Madras Sapper Officer's Colony, Banaswadi Road, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 2115/78-79 on 6-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Ruby Thomas, W/o Late Major P. A. Thomas, No. 103/3, Purasawalkam High Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Right Reverend Philipose Mar Chrysostam, Bishop of the Mar Thoma Church, Acting for and on behalf of the Mar Thoma Church, Bangalore East, Prayer Group, No. 11, Da Costa Square, Bangalore-560005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from **the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2115/78-79, dated 6-11-78)
Site No. 44, Madras Sapper Officer's Colony, Banaswadi Road, Bangalore.

Boundaries :

East : Site No. 3.
West : Site No. 1.
South : Site No. 9 and
North : Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-6-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 4th June 1979

C.R. No. 62/22389/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E.4/920/921 situated at O.T.C. Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore Doc. No. 2756 on 23-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri K. Venkataramaiah Shetty S/o Krishnappa Shetty, Prop. M/s Ramesh Agarbathi & Co., No. 36/5, Appaji Rao lane, Chowdeswari Temple street, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Deli Bai w/o Chagalalji, Smt. Santhubai w/o Shantilal C/o M/s. Poonam Textiles, D. K. Lane Chickpet Cross, Bangalore-53, Repl. by Sri Chogalal Poonamjee.

(Transferee)

(3) M/s Amruth Medicals

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2756/78-79, dated 23-11-79)

House property bearing No. E. 4-920/921, situated in Nagarathpet, O.T.C. Road, Bangalore (42 nd Dn) bounded by.

East : Pillanna's house.
West : Devadas Building.
North : Devadas Building.
South : O.T.C. Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. A. Sundaramma, No. 1/1, II Cross, IVth T Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Shanmugham, No. 51, Sanjeevappa Lane, Avenue Road, Bangalore City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-560001, the 13th June 1979

C.R. No. 62/2240/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97 old New No. 16 situated at 24th Cross, Cubbonpet, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore Doc. No. 2725/78-79 on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2725/78-79 dated 20-11-78)

House property bearing Old No. 97 New No. 16, 24th Cross, Cubbonpet, Bangalore City bounded by :

E : Road.

W : Byrappa House.

N : Thippanna's house.

S : Lane.

P. RANGANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 13-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. C. Iyya, No. 456, Sadashivanagar, Bangalore-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. A. Ramakrishna, No. 4, R. R. Layout, Kunnara Park West, Bangalore-560 020.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 14th June 1979

C.R. No. 62/22403/79-80. ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

No. 46, situated at Rajamahal Vilas Extn., Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2676/78-79 on November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2676/78-79 dated November 1978)

Vacant site bearing No. 46, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

P. RANGANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 14-6-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 12th June 1979

C.R. No. 62/22404/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 situated at Sampangi Tank Road, Bangalore-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2661/78-79 on 16-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. A. B. A. Karat, Dr. Mrs. S. G. P. Karat, C/o G. R. Karat, 44/6, Millers Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. B. G. Rudrappa, No. 9, II Cross, Basappa Road, Shantinagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2661/78-79 dated 16-11-78)
House property bearing No. 5, Sampangi Tank Road, Bangalore-27, bounded by:

East : Private road.
West : Sampangi Road Cross.
North : Premises No. 3 of Mrs. Thimmiah
South : Premises No. 2 of Shri Curriappa.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. S. Kumar S/o Late M. Narasimha Iyengar,
No. 80, Bull Temple Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Seva Samuha, Rep. by Sr. Silvana. Termignore,
C/o Catholic Centre, St. Mary's Town, Bangalore-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 13th June 1979

C.R. No. 62/22422/79-80/ACQ/B.—Whereas, I,
P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 10/80, situated at Bull Temple, Road, Basavanagudi,
Bangalore-4,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 2786/78-79 on 29-11-78,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2786/78-79, dated 29-11-78)
Property bearing No. 10/80, Bull Temple Road, Basavuna-
gudi, Bangalore-4.

Boundaries :

North : private property.
South : private property.
East : Bull Temple Road and
West : Conservancy.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-6-79.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 13th June 1979

C.R. No. 62/22493/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/64, Lalithamahahal road, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Doc. No. 2272/78-79 on 27-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—196G1/79

(1) Smt. Rajani Kikkeri No. 97, "Nand-ganasham road No. 2A, Sion West, Bombay 22, rep. by her Power of attorney to S. P. Manguradan to Sri G. N. Ramaswamy Iyer, No. 39, Shilpuri Ponnuramam road, R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) Sri. M. G. Nagaraj s/o late Retd. Col. M. G. Gopal-Krishna Urs, "Aswath villa" Nazarbad, Mysore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2272/78-79, dated 27-11-78)
Bungalow bearing Municipal No. 25/64, Lalithamahahal road, Mysore.

Boundaries :

N. Lalitha Mahal road.
E. House No. 25 (64A).
E. Site belonging to Mr. Balakrishna Setty and
W. Area reserved for high tension line and also road leading to sites at the back.

P. RANGANATHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-6-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23270/79-80/Acq/B.--Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. about two acres of land in survey No. 1, situated at Jarakabande Kaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Doc. No. 3427/78-79 on 9-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Channappa S/o Shri Thammanna Guruguntepalya village, Rajajinagar, Bangalore city (Div. II), rep. by his power of attorney Holder Sri V. Narayana Swamy, s/o Sri Venkataramanappa, Penya village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) The Railway Men's House Building Co-operative Society Ltd., Southern Railway Institute Buildings, M. G. Rly Colony, Bangalore rep. by its President Sri E. Mascarenhas and Hon. Secretary, Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3427-78-79, dated 9-11-78)

About two areas of land in survey No. 1, Jarakabandekaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

E. Sri Thinna Setty's land.
W. Kantecrava studio.
N. Sri Chowdappa's land and
S. Sri Arasappa's land.

P. RANGANATHAN
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-7-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R.No. 62/23271/79-80/Acq/8.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

about 2 acres of land in Survey No. 1, situated at Jaragabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajajinagar, Bangalore Doc. No. 3433/78-79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Sri Perumal Naidu s/o Sri Nallaiiah Naidu, No. 1282, Kamala Nehru Extension, Yeswantapur, Bangalore-22, rep. by his power of attorney holder Sri V. Narayanaswamy s/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeswantapur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

- (2) The Railway Mens House Building Co-operative Society Ltd., Southern Railway Institute Building, M.G. Rly. Colony, Bangalore. Represented by its Chairman, Sri E. Masakaranhas and Hon. Secretary Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

- (3) V. Narayanaswamy s/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeswantapur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3433/78-79 Dated 9-11-78

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

East : Society's land.
West : Sri M. Ramaiah's land.
North : Sri K. P. Devaraj's land and
South : Sri Byrappa's land.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23272/79-80/ACQ/8.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Two acres of land in Sy. No. 1, situated at Jarakabandekaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3434/78-79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Papanna S/o Sri Thammanna, Gurugunte Palya village Rajajinagar, Bangalore. Rept. by his P.A. holder Shri Narayanaswamy S/o Venkataramanappa, Peenya village, Yeswantapur Hobli, Bangalore North Taluk. (Transferor)
- (2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly Institute Buildings, M. G. Rly. Colony, Bangalore. Rept. by its Chairman Shri E. Mascaranhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao. (Transferee)
- (3) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Peenya Village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3434/78-79 Dated 9-11-78]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabunde Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries:

East—Thimmasetty's land
West—Kanteerava studio
North—Hali Channappa's land
South—Sri Chikkanna's land

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-6-1979
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23273/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

About two acres of land in Survey No. 1, situated at Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore City Corporation, Division No. 2)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3435/78-79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. P. Devaraj So Sri Poojappa, Goruguntepalya Village, Bangalore Rept. by his Poincer of Attorney holder v. Naraswamy S/o Venkataramanappa, Penya village, Yeshwanthpur Hobli Bangalore North Taluk. (Transferor)
- (2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly Institute Buildings, M. G. Rly. Colony, Bangalore. Rep. by its Chairman Sri E. Mascaranhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao. (Transferee)
- (4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore South Taluk. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3435/78/79 Dated 9-11-78]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yalahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in Bangalore city Corporation Division No. 2).

Boundaries :

East by—Society's Land
West by—Sri Mallaiah's Land
North by—Sri M. K. Thimmaiah's Land and
South by—Sri Perumal Naidu's Land

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23274/79-80/Acq/b.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. About two acres of land in S. No. 1 situated at Jarakabande Kaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 3436/78-79 on 9-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hanumakka W/o Mr. Chikkanna, Harijan Colony, Rajajinagar, Bangalore (Div. 11), Rep. by her P.A. holder Shri Narayanaswamy S/o Venkataramanappa, Peenya village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North Taluk. (Transferor)
- (2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly Institute Building, M.G. Road Colony, Bangalore. Rept. by its Chairman Shri E. Mascarnhas and Hon., Secy. Sri K. Srinivasa Rao. (Transferee)
- (4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Peenya Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North Taluk. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 3436/78-79

Dt. 9-11-78.]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

E : Sri Thimma Setty's Land
W : Road leading to Luggeri Village
N : Munirasappa's Land and
S : Sri M. K. Thimmaiah's Land

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23275/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

About two acres of land in S. No. 1, situated at Jarakabande Kaval Village, Yelhanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3437/78/79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri M. K. Thimmaiah S/o Kalase Gowda, No. 1080, 12th Main Road, Vyalikaval Extn. Bangalore-3, Rept. by his P.A. holder Sri V. Narayanaswamy S/o Venkataramanappa, Peenya Village, Yeshwantpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly. Institute Buildings, M. G. Rly. Colony, Bangalore. Rept. by its Chairman Sri F. Mascarenhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

(4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Peenya Village, Yeshwantpur Hobli, Bangalore North Taluk.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3437/78-79. Dated 9-11-78]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yelhanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now included in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

E : Remaining portion of S. No. 1
W : Sri Mallaiah's Land
N : Sri Chikkanna's Land and
S : Sri K. B. Devaraja's Land

P. RANGANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS— - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. 62/23276/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. About two acres of land in S. No. 1, situated at Jarakabande Kaval village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 3438/78-79 on 9-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri C. Mallaiiah S/o Shri Chikka Chenne Gowda, No. 132, IV Cross, 12th Main Road, Hanumanthnagar, Bangalore.
Rep. by his power of Attorney holder
Sri V. Narayanaswamy S/o
Venkataramanappa, Penya Village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.
(Transferor)
- (2) The Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly Institute Buildings, M.G. Rly. Colony, Bangalore, Rept. by its President Shri E. Mascaranhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao.
(Transferee)
- (4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3438/78-79, dated 9-11-1978)
About two acres of land in Sy. No. 1, Jarakabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

East : Sri M. K. Thimmaiah and Sri K. P. Devaraj's lands,
West : Sri Papanna's lands,
North : Kanteerava Studio and Remaining and
South : Portion of Sri C. Mallaiiah's land.

P. RANGANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th June 1979

C.R. No. 62/23284/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. About two acres of land in Sy. No. 1, situated at Jarakabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now in the Bangalore Corporation Division No. 2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 3699/78-79 on 23-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—196 GI/79

(1) Shri C. Mallaiah S/o Sri Chikkachennegowda, No. 132, IV Cross, 12th Main Road, Hanumanthnagar, Bangalore.
Rept. by his Power of attorney holder Shri V. Narayanaswamy S/o Venkataramanappa, Penya Village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) Hhe Railwaymen's House Building Co-operative Society Ltd. S. Rly. Institute Buildings, M.G. Rly. Colony, Bangalore. Rept. by its President Shri E. Mascaranhas and Hon. Secy. Sri K. Srinivasa Rao.

(Transferee)

(4) Sri V. Narayanaswamy S/o Sri Venkataramanappa, Penya Village, Yeswanthpur Hobli, Bangalore North Taluk.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3699/78-79 Dated 23-11-78]

About two acres of land in Sy. No. 1 Jarakabande Kaval Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk (and now in the Bangalore Corporation Division No. 2).

Boundaries :

E : M. K. Thimmaiah and K. P. Devaraj's Lands,
W : Papanna's land,
N : Land sold to Railwaymen House Building Co-operative Society Limited Bangalore-23 and
S : Chittunde Ramaiah's land.

P. RANGANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 29th June 1979

C.R. No. 62/22698/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 88/9 and Southern side of No. 88/10, situated at Coles Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2322/78-79 on 23-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Pyaree Begum
2. Sri Mohamed Abdul Rahim
3. Sri Mohamed Abdul Kareem
4. Sri Mohamed Abdul Khader
5. Sri Mohamed Abdul Subhan
6. Smt. Fatima Bee
7. Smt. Subgra Begum
8. Smt. Sysha Begum
Sl. No. 2 to 8 children of late Hajee Mohamed Abdulla Hussain and are residing at No. 4, Bore Bank Road, Bangalore.
Nos. 1, 3, 4, 5, 6, 7 and 8 rep. by duly constituted attorney Sri Mohamed Abdul Rahim No. 2 above named.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohamed Margoob Hussain,
2. Sri Masood Abdul Khader
Children of H. Mohamad Ismail and residing at No. 88/3, Coles Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2322/78-79 Dated 23-11-78]

All that house ground and premises bearing Municipal No. 88/9, Coles Road, Bangalore, Division No. 47, being the ground floor property together with the Southern side house property bearing Municipal No. 88/10, Coles Road, Bangalore.

Boundaries :

East : Syndicate Bank building,
West : Coles Road Cross,
North : Property bearing No. 88/3, in the ground floor and northern side portion No. 88/10, now belonging to M/s. Sheik Budden Sahib and others, and
South : Premise No. 88/11, Coles Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-6-79

Seal

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th June 1979

Ref. No. ASR/79-80/70.—hereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house situated at Durgiana Abadi, Mohalla Laj Pat Rai Old construction (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar city on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Madan Mohan Sharma s/o Sh. Ralia Ram r/o Amritsar Durgiana Abadi Mohalla Lajpat Rai at present 16/5330 Block No. 4, Dev Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani w/o Sh. Mohan Lal, Amritsar, Durgiana Abadi House No. 377/16-4, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any*** S/Shri

1. Vaid Ram Rakha

2. Som Nath

3. Raghunath Prashad

Mohalla Lala Lajpat Rai, Durgiana Abadi Amritsar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 201, 376, 377/16-4 situated at Amritsar Durgiana Abadi Mohalla, Lajpat Rai (Old construction) as mentioned in registered sale deed No. 2909/I dated 9.11.78 of the registering Authority, Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar,

Date : 18-6-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 18th June 1979

Ref. No. ASR/79-80/71.—Whereas, I. M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 property situated at Bazar Atta Mandi, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sikandar Singh s/o Sh. Malak Singh r/o village Muchrai tehsil Batala Dist. Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Sh. Balwant Singh s/o S. Jawahar Singh and Manjit Singh s/o S. Balwant Singh, Bazar Mai Sewan, Amritsar.
(Transferee)
- (3) S/Shri
1. Mulakh Raj
2. Ajit Singh
3. Jagjit Singh
Bazar Atta Mandi, Amritsar.
(Persons in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 2120/VI-10 to 2125/VI-10 area 176.58 sq. mtrs situated at Bazar Atta Mandi, Amritsar (Purani Imparar) as mentioned in the sale deed No. 3020/1 dated 16-11-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date : 18-6-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th June 1979

Rel. No. ASR/79-80/72.—Whereas, I. M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house No. 4920 situated at Amar Kot near Khalsa College Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), to the office of the Registering Officer at Amritsar on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Harcharan Singh s/o Sh. Dalip Singh r/o House No. 4920, Amar Kot Near Khalsa College, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shmt. Gurbachan Kaur w/o Sh. Satwinder Singh, Chowk Goal Hatti, Amritsar (Hall Bazar).
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 4920 area 170 sq. mtrs. situated at Amar Kot Near Khalsa College, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3211 dated 30-11-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar,

Date : 18-6-79

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1979

Ref. No. ASR/79-80/73.—Whereas, I, M. K. DHAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot with structure situated at East Mohan Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Teja Singh s/o S. Sunder Singh, Guru Ram Dass Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. New Drill Machine Corporation Prop. Sh. Mikka Singh s/o Sh. Baldev Singh, Guru Nanak Pura, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 145 with structure measuring 208.3 sq. mtrs situated in East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2796/1 dated 3.11.78 of the Registering Authority, Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar,

Date . 30-6-79

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1979

Ref. No. ASR/79-80/74.—Whereas, I. M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot, situated at Gopal Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar city in December 1978 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shmt. Pritam Kaur w/o Sh. Sewa Singh r/o Gali No. 2, Hukam Singh Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Sadrik Sohan Lal s/o Sh. Sohan Lal r/o 120, Bhiwani Nagar, Majitha Road, Amritsar.
(Transferees)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot bearing private No. 15-6 situated in Gopal Nagar (Sabarben Abadi, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3497/1 dated 22.12.78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar,

Date . 30-6-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1979

Ref. No. APTK/79-80/75.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 48K 13M situated at Village Harial Tehsil, Pathankot, Distt. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ved Bias s/o Sh. Girdhari Lal r/o Main Bazar, Pathankot.
(Transferor)

(2) Sh. Krishan Lal s/o Munshi Ram s/o Nagar Mal Mahajan r/o H. No. 3350/1, Ganga Bhagan, Amritsar.
(From Deed)

(3) As at Sr. No. 2 overlaid and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the Property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 48 kanals 13 marlas, situated in village Harial, Tehsil Pathankot, Distt. Gurdaspur as mentioned in the registered deed No. 1564 dated 2.11.78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Amritsar,

Date : 2-7-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Jagan Nath s/o Sh. Mathura Dass r/o Village
Diri wala, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(2) Sh. Sanjeev Kumar s/o Sh. Raj Pal Gupta, s/o Sh.
Dewan Chand, r/o Mission Road, Garden Colony,
Pathankot

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Amritsar, the 2nd July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. PTK/79-80/76.—Whereas, I, M. K. Dhar
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceed-
Rs. 25,000/- and bearing
Land measuring 29K, situated at village Ladhoo Chak, Teh.
Pathankot

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Pathankot in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 29 kanals, situated in village Ladhoo Chak,
Tehsil Pathankot as mentioned in the registered deed No. 1644
dated 10-11-78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
23—196GI/79

Date : 2-7-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1979

Ref. No. PTR/79-80/77.—Whereas, I. N. K. DHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Nand Pur (Abrol Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties less not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Om Parkash s/o Karam Chand s/ Sh. Chet Ram r/o Abrol Nagar, Pathankot. (Transferor)
- (2) Shmt. Shimla Devi w/o Sh. Darshan Singh r/o Village Niwala Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 31M 65 sq. yds. situated in Nand Pur Abrol Nagar, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1668 dated 15.11.78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Amritsar,

Date : 2-7-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1979

Ref. No. PTK/79-80/78.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Anand Pur, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Kharaiti Lal s/o Sh. Malawa Ram Mahajan and Sh. Ashok Kumar s/o Khazan Chand through Sh. Gurpreet Kumar s/o Master Karam Chand, r/o Pathankot-Mukhtar-Aam.

(Transferor)

(2) S/Shri Tarlok Singh, Joginder Singh ss/o Jaswant Singh 59, Model Town, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals 1 marla 85 sq. yds situated at Anand Pur, Pathankot as mentioned in the registered deed No. 1710 dated 18.11.78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-7-79

Seal :

FORM ITNS ———

1. Shri Kishan Kumar s/o Sh. Ghanshyam Dess r/o
Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. ASR/79-80/79.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One piece of land No. 18 Min khasra No. 2291, 2293, 2294 situated at Lawrance Road, Amritsar (area measuring 308.13 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar city in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Shmt. Janak Kapur w/o Sh. Om Parkash Kapur r/o
230 Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)4. Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 308.13 sq. mtrs situated at Lawrance Road, Amritsar (No. 18 Min khasra No. 2291, 2293, 2294) as mentioned in the registered deed No. 3267/1 dated 5.12.78 of the registering authority Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-7-79

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. TT/79-80/80.—Whereas, J. M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house No. 12/272, situated at inside Abadi Purani Bakshiwala Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Taran Taran in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Sh. Kundan Singh s/o S. Bahadar Singh r/o Taran Taran, Distt. Amritsar.

(Transferor)

2. Sh. Hari Singh s/o Makhan Singh, 1/2 share Sawinder Kaur w/o S. Hari Singh r/o Mangu Pur Tehsil Kapurthala Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 12/272 situated inside Abadi Purani Bagh Bakshiwala Taran Taran, as mentioned in the registered deed No. 5152/ dated 11.12.78 of the registering authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. TL/79-80/81.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One shop Khata No. 12/30 Khasra No. 30/26 situated at Sarhali Road, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sh. Joginder Singh s/o Jagat Singh r/o Taran Taran. (Transferor)
2. Sh. Kundan Singh s/o Fauja Singh r/o Sur Singh, Teh Taran Taran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
 1. M/s Agro Industries, Taran Taran.
 2. Sh. Joginder Singh s/o Sh. Jagat Singh, r/o Taran Taran. (Person(s) in occupation of the Property)
4. Any other person(s) interested in the property (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop bearing khata No. 12/30 khasra No. 30/26 situated at Taran Taran as mentioned in registered deed No. 5404 dated 27-12-78 of the registering Authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-7-79
Seal :

FORM ITNS ———

1. Sh. Joginder Singh s/o Jagat Singh r/o Taran Taran.
Distt. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Davinder Kaur d/o Bali Singh w/o Sh. Sawaran
Singh r/o Patti, Distt. Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
2. Sh. Joginder Singh s/o Jagat Singh, Taran Taran.
(Person(s) in occupation of the Property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

4. Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. TT/79-80/82.—Whereas, I, M. K. DHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
ad bearing

One shop, situated at Sarhali Road, Taran Taran
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer
at Taran Taran in December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop situated at Sarhali Road, Taran Taran as mention-
ed in the registered deed No. 5405 dated 27-12-78 of the re-
gistering authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-7-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. ASQ/79-80/83.—Where, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 share in property situated at Bazar Atta Mandi, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gursharan Singh s/o Malak Singh r/o Vill. Veela Bajju Tehsil, Butala.
(Transferor)

- (2) S/Shri Harinder Singh & Rajinderpal Singh s/o Balwant Singh r/o 417 Green Avenue, Amritsar.
(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
S/Shri
1. Mulakh Raj
2. Ajit Singh &
3. Jagjit Singh } Bazar Atta Mandi, Amritsar.
(Person(s) in occupation of the Property)

- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property Haveli No. 2120/6-10 & 2123/6-10 purani imarat measuring 198.58 sq. mtrs situated at Bazar Atta Mandi Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3197/1 dated 29.11.78 of the registering authority Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-7-79
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. ASQ/79-80/84.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land, situated at Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar city in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—196GI/79

- (1) Sh. Ram Singh s/o S. Hari Singh r/o Garden colony No. 1 Duni Chand Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Y. S. Puri s/o Sh. Bikhram Singh Puri IAC Superintendent Engineer, Gandhi Nagar, Jammu.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION : The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Garden colony, Amritsar measuring 754 sq. mtrs. as mentioned in regd. deed No. 2755/1 dated 2.11.78 of the registering authority Amritsar, city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-7-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

Ref. No. ASR/79-80/85.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing ½ share in one house, situated at Jangi Shivala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Om Parkash s/o Lal Chand Sh. Prem Kutil Bombay now at Jhangi Shivala, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Bodh Raj, Smt. Sushila Devi, w/o Ved Parkash, Sh. Vijay Kumar, Sh. Vipin Kumar and Sh. Ashok Kumar s/o Sh. Ved Parkash Jangi Shivala, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in one house 4 ½ storeyed No. 2888-2889 and 182/VI-2, situated in Bazar Jangi Shivala, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2820/1 dated 4-11-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 3/7/79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd July 1979

R.I. No. ASR/79-80/86.—Whereas, J. M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1 share one house situated at Jangi Shivala Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City on 19 November, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kali Charan s/o Sh. Lal Chand 10/2 Azad Nagar, Bombay through Sh. Om Parkash Attorney.

(Transferor)

- (2) Sh. Ved Parkash s/o Bodh Raj and Sushila Devi w/o Sh. Ved Parkash, Janak Raj, Sh. Vijay Kumar and Sh. Ashok Kumar ss/o Sh. Ved Parkash, Bajar Jangi Shivala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].

- (4) An other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share in one house 4 $\frac{1}{2}$ storeyed No. 2888, 2889 and 182/VI-I, situated at Bajar Jangi Shivala as mentioned in the sale deed No. 2862/I dated 7-11-78 of the registering authority, Amritsar.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 3/7/79

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, th 3rd July 1979

Ref. No. ASR/79-80/87.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One shop, situated at Ktr. Kanahia Bazar Chamrewala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Amritsar City in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (3) Sh. Sant Singh s/o Isher Singh
r/o 69. Ajit Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Jarnail Singh s/o Guraditta Mal,
r/o Shop No. 662/1 Bazar Chamrewala, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Sh. Sadhu Ram c/o property situated at Bazar
Chamrewala Amritsar.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop Number Purana 662/1 Nili Plate Number 348/1-2, situated at Katra Kanahia Bazar Chamrewala, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3040/1 dated 17-11-78 of registering authority, Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 3/7/79

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land, situated at village Bhilowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at S.R. Ajnala in December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Parkash, Ashok Kumar ss/o Jagat Mitter
r/o Bhilowal Tehsil Ajnala Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh, Puran Singh, Jagir Singh, Gurmit Singh ss/o Ugham Singh village Bhilowal Tehsil Ajnala Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 kanals situated in village Bhilowal Tehsil Ajnala as mentioned in the sale deed No. 3248 dated 1st December 1978 of the registering authority Ajnala.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 17-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. Whereas, I, M. K. DHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Agr. land situated at Village Bhindi Aulakh Teh. Ajnala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at SR Ajnala in December 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Partap Singh s/o Assa Singh, Chanan Singh,
Jivan Singh ss/o Partap Singh
r/o Bhindi Saida Tehsil Ajnala.
(Transferor)
- (2) Shri Mukhtiar Singh, Jagtar Singh, Balkar Singh ss/o
Ajit Singh r/o Bhindi Aulakh Tehsil Ajnala.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned
knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 150 kanals situated in village
Bhindi Aulakh Tehsil Ajnala as mentioned in the sale deed
No. 5328 dated 5th December 1978 of the registering autho-
rity Ajnala.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 17-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. .—Whereas, I. M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
One house on plot of land measuring 1 K Anandpur Abrol Nagar, Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Pathankot in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Pritam Singh Bedi s/o Pura Singh Bedi, r/o Gurdaspur now tehsil Bassi Pathana Distt. Patiala through Sh. Harbans Lal s/o Sh. Chuni Lal Mukhtar-Asam r/o Pathankot. (Transferor)
- (2) Smt. Bimla Devi wd/o Late Lt. Col. D. R. Ram Pal. Sh. Paima Nand, Bishambar ss/o Late Col. D. R. Ram Pal s/o Sh. Chuni Lal Ram Pal c/o Major N. K. Ram Pal r/o Tehsil Pathankot, Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house on plot of land measuring 1 kanal 0 marla situated in Anand Pur, Abrol Nagar Pathankot as mentioned in sale deed No. 1592 dated 6-11-78 of the registering authority, Pathankot.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One building No. 548/5, situated at Lachhmansar Bazar Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Inder Singh,
Surjit Singh s/o Sham Singh and
Smt. Karnar Kaur wd/o S. Sham Singh,
Green Avenue, Amritsar.

(Transferors)

(2) Smt. Indrapal w/o Inderjit and Charanjit Kaur,
w/o S. Harinder Singh Ktr. Dal Singh, Amritsar.

(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Shri Narain Singh c/o property.

(4) Any other person(s) interested in the property,
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 548/5 situated in Lachhmansar Bazar, Amritsar (area 155 sq. mtrs.) as mentioned in the registered sale deed No. 3175/I dated 27-11-78 of the registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land, situated at Jagatpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhabal Kalan in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25—196GJ/79

- (1) Sh. Wasan Singh, Sulakhan Singh and Darshan Singh ss/o Inder Singh Village Jagatpur.
(Transferor)
- (2) Sh. Tara Singh, Darbura Singh and Guljar Singh ss/o S. Rura Singh village Sangma Teh. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42 kanals 3 marlas situated in village Jagat pur as mentioned in sale deed No. 708 dated 13-11-78 of the registering authority Jhabal Kalan.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and, bearing Agricultural land, situated Jhander Mahan Purkhan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shangara s/o Bahadur,
Village Thander Mahan Purkhan Tehsil Amritsar.
(Transferor)
- (2) Giani Major Singh,
Shri Satwant Singh, Mehar Singh, Tarnel Singh
s/o Harbhajan Singh,
r/o Jhander Mahan Purkhan, Tehsil Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property,
[Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 kanals, No. Khata 14/19 situated in village Jhander Mahan Purkhan, Tehsil Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 4678 dated 13-11-78 of the Registering Authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS—

Smt. Kartar Kaur d/o Ram Kaur,
r/o Majitha, Tehsil Amritsar,
through Shri Jagjit Singh Mukhtar Nam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Majitha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Sh. Ajit Singh, Balkat Singh, Sucha Singh, ss/o Sh. Waryam Singh,
r/o Majitha Tehsil Amritsar,

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanals 15 marlas situated in village Majitha Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4217 dated 17-11-78 of the registering authority Amritsar tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at village Kotla Dal Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Rajinder Singh s/o S. Jagbir Singh,
r/o Kotla Dal Singh Tehsil Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Gurdip Singh, Surjit Singh, ss/o Shri Shangara Singh,
Sh. Lakha Singh Balkai Singh,
Harbhej Singh ss/o Uppar Singh.
r/o Kala Ghanapur Tehsil Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 kanals 16 marlas 1/3 of 140 kanals 10 marlas Min Kila No. 22/1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, 19, 20 21 Min. 22, 23/4, 5, 6, 7 Min. 15 Min. 16 Min. 25 Min. 32/1, 9 Min. 10 Min. 12/1, 2 situated in village Kotla Dal Singh Tehsil Amritsar.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Kotla Dal Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

- (1) Smt. Harinder Kaur w/o S. Jagbir Singh, r/o Kotla Dal Singh Tehsil Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Gurdip Singh, Shri Surjit Singh ss/o Sh. Shingara Singh Sh. Balkar Singh. Sh. Lakha Singh. Harbher Singh ss/o Uppar Singh, r/o Kala Ghonpur Tehsil Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 kanals 16 malas situated in village Kotla Dal Singh, as mentioned in the sale deed No 4220 dated 17-11-78 of the registering authority Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I. M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Kotla Dal Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Raminder Singh s/o S. Jagbir Singh,
r/o village Kotla Dal Singh.
(Transferor)
 - (2) S. Gurdeep Singh, Surjit Singh ss/o Shangara Singh
1/2 Shri Lakha Singh, Balkara Singh, Harbhaji Singh
ss/o Uppar Singh 1/2 share
r/o village Kotla Dal Singh.
(Transferee)
 - (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].
 - (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1/3 of 140 kanals 10 marlas situated in village Kotla Dal Singh as mentioned in the sale deed No. 4221 dated 17-11-78 of the registering authority Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land, situated at Dhundha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Taran Taran in November, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Jaswant Kaur wd/o Sh. Tara Singh, Village Dhundha Tehsil Taran Taran, Distt. Amritsar.
- (2) Sh. Inder Singh s/o Bachan Singh & Kashmir Kaur, w/o Joginder Singh & Dalbir Kaur w/o Jassa Singh & village Cheema, Tehsil Patti.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 82 kanals 13 marlas khata No. 89/271, situated at village Dhundha, as mentioned in the sale deed No. 4770 dated 17-11-78 of the registering authority, Taran Taran.

M. K. DHAR.
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Village Dhand, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhabal Kalan in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Parabhjodh Singh Paramjit Singh, Smt. Parabdip Kaur d/o Sh. Sooba Singh, Nabalag Dhand, through Kulwant Singh s/o Bahadur Singh Village Gandola Tehsil Jagadri.
- (2) S. Sewa Singh s/o Waryam Singh, village & P.O. Dhand Distt. Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47-8 marlas (Nehri) Khasra No. 113/22/1 256 257 44/19/1 4-40 4-7 4-0 8-0 7-12 17/1 2-18 12/2 5-15 18/8-0 20/2 1-00 109/17/2 2-00, situated in village Dhand as mentioned in the sale deed No. 764 dated 20-11-78 of the registering authority Jhabal Kalan.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS

- (1) Dhe Singh College Trust Society, Karnal,
Shri Rati Ram (Mukhtar Nam).

(Transferor)

- (2) Sh. Gurdev Singh Jasbir Singh, Kulbir Singh ss/o
Karnal Singh,
r/o Village Kotla Gujran Tehsil Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].

- (4) Any other person(s) interested in the property,
[Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at v. Bhagwan,
village Kotla Gujranwala,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Amritsar in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 kanals 6 marlas Khasra
No. 86/1 42/12 19/2 20 27/12/1 19/2 42/21 22/1/16/1/1
situated in village Bhagwan as mentioned in the sale deed
No. 4300 dated 2/1 1/78 of the registering authority
Amritsar City

M. K. DHAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Agricultural land Village Burjan Abad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Dial Singh College Trust Society Karnal, through Sh. Rati Ram Sharma Mukhtar-E-Aam. (Transferor)
- (2) SSh. Davinder Singh, Balwinder Singh, ss/o Tarlok Singh r/o Burjan Abad Tehsil Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 kanals 8 marlas, situated in village Bujran Abad Tehsil Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4305 dated 22-11-78 of the registering authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Parveen Chand s/o Jagdish Chand,
1/3 village Rakh Jhette Tehsil Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

(2) Sh. Balbir Singh s/o Sh. Fauja Singh,
r/o Sohal,

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property].(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property].

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Agricultural land, situated Rakh Jhette,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
at Amritsar City in November, 1978,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42 kanals 14 marlas situated
in village Rakh Jhette as mentioned in the sale deed No.
4356/24-11-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1979

Ref. No. —Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house No. 661/3, situated at Gali Pipal Wali Chowk Mana Singh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Charanjit Kaur, Balbir Kaur, Amarjit Kaur ds/o S. Gajjan Singh, Chowk Mana Singh, Gali Pipal Wali, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Harnam Kaur w/o S. Hardial Singh, Chowk Paragdass, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any S/Sh. Hardeep Singh, Sh. Dev Raj, Sh. Ram Krishan, Sh. Rattan Singh, Sh. Gurbax Singh, Sh. Ram Lal Sh. Hans Raj and Sh. Parkash Chand.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 661/3 and new No. 687/III-10 situated at Chowk Mana Singh, Gali Pipal Wali, Amritsar, (area 407 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 3029/I dated 17-11-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 17/7/79

Seal :